जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

कोटा

Rashtradoot

फोनः- 2386031, 2386032 फैक्सः- 0744-2386033 वर्षः 48 संख्याः 87 प्रभात कोटा, सोमवार 9 जनवरी, 2023 कोटा/24/2012-14 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

जब भी कभी समुद्र में बड़ा तूफान आता है, स्वाभाविक तौर पर पक्षी उससे दूर रहते हैं। सी बर्ड्स तो तूफानों से बचने के लिए सैकड़ों मील की अतिरिक्त दूरी भी तय कर लेती हैं। लेकिन हाल ही में प्रोसीडिंग्स ऑफ नेशनल अकैडमी ऑफ साईन्सेज़ में छपे एक शोध में एक आश्चर्यजनक बात पता चली है, कुछ सी बर्ड्स तूफान में सरवाइव करने के लिए अनोखी युक्ति अपनाती हैं। वो सीधे तूफान में घुस जाती हैं। जी.पी.एस. ट्रैकर्स के इस्तेमाल से वैज्ञानिकों ने जापान के आवाशीमा आइलैण्ड पर प्रजनन करने वाली 401 स्ट्रीक्ड शिअरवॉटर्स (शोर बर्ड्स की एक प्रजाति) की 11 साल तक निगरानी की। इनमें से 75 पक्षी उन्हें ऐसे मिले जो खराब मौसम होने पर सीधे टायफून में घुस गए। सह शोध लेखक, एमिली शैपर्ड, जो वेल्स में स्वान सी युनिवर्सिटी में एनिमल मूवमैंट की एक्सपर्ट हैं, का कहना है कि, यह शोध पत्र तूफान में जानवरों का सबसे बड़ा ट्रैकिंग डेटा सैट है। जिन पक्षियों को ट्रैक किया गया उन्होंने आठ घंटे तक तूफान का सामना किया। शैपर्ड ने बताया, "हमने जो देखा उस पर हमें यकीन नहीं हुआ। हमें कुछ अंदाज़ था कि, पक्षी कैसा व्यवहार कर सकते हैं, पर हमने जो देखा वैसा तो हमें किसी ने नहीं बताया था।" अधिकांश पक्षी, जिनका उन्होंने अध्ययन किया, जमीन के आसपास ही भोजन तलाशने वाले पक्षी थे। लेकिन जब ये पक्षी तूफान में फंसे तो जमीन पर जाने की बजाय सीधे तूफान की तरफ गए। शोध के अनुसार शिअरवॉटर्स की तूफान के केन्द्र की तरफ जाने की संभावना ज्यादा देखी गई। मुख्य शोध लेखक, एमानूईल लैम्पीडाकिस के अनुसार "तूफान के समय एक समय ऐसा आता है जब पक्षियों की उड़ने की रफ्तार हवा की रफ्तार से कम रह जाती है तब पक्षी हवा के साथ बहने लगते हैं।" शिअरवॉटर्स हवादार वातावरण के आदी होते हैं। ये पानी के ऊपर रहते हैं, जहां तेज हवा के साथ वे बिना पंख फड़फड़ाए लंबी दूरी तय कर लेते हैं इससे उनकी ऊर्जा बचती है। लेकिन जमीन पर रहना उनके लिए मुश्किल होता है, यहां से उन्हें उड़ान भरने में मुश्किल होती है और परभक्षी पक्षियों का शिकार बनने का खतरा होता है। हालांकि ये प्रजनन के लिए तट पर आते हैं, पर अधिकांश समय महासागरों के ऊपर ही बिताते हैं। शोधकर्ताओं का कहना है कि, तूफान की वजह से तट पर चल रही तेज हवाओं से बचने के लिए ये पक्षी तूफान की तरफ उड़ान भरते हैं। उनके लिए जमीन पर रहने की बजाय तूफान की तरफ उड़ना ज्यादा सुरक्षित होता है।

'ओल्ड पैंशन स्कीम 10 साल बाद देश को कंगाल कर देगी'

जाने-माने अर्थशास्त्री मोंटेक सिंह अहलूवालिया ने ऐसे समय पर यह बयान दिया है जब राजस्थान समेत कई राज्य इसे लागू करने की कवायद में जुटे हैं

- **ओल्ड पैंशन स्कीम (ओ.पी.एस.) कई राज्यों में चुनावी मुद्दा बनी हुई है, राजस्थान व छत्तीसगढ़ सरकार इसे लागू करने की कवायद में लगी हुई है। हिमाचल में नवनिर्वाचित सरकार भी ओ.पी.एस. लागू करने की घोषणा कर चुकी है।**
- **आहलूवालिया पहले भी ओल्ड पेंशन स्कीम की आलोचना कर चुके हैं और इसे सबसे बड़ी रेवड़ी और बेतुकी कवायद बता चुके हैं।**

नई दिल्ली, 8 जनवरी। विभिन्न राज्यों में इस समय न्यू पैंशन स्कीम (एन.पी.एस.) को हटाकर इसकी जगह ओल्ड पैंशन स्कीम (ओ.पी.एस.) लागू करने की कवायद चल रही है। वोट बैंक की राजनीति के चलते इसके दुष्प्रभाव का विश्लेषण किये बगैर राजस्थान व हिमाचल सहित कई राज्यों ने ओ.पी.एस. लागू करने की घोषणा कर दी है। इस मामले पर पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के वित्तीय सलाहकार रहे मोंटेक सिंह अहलूवालिया का कहना है कि, "जो लोग इसे आगे बढ़ा रहे हैं, उसका नतीजा ये होगा कि 10 साल बाद वित्तीय कंगाली आएगी। मेरा मानना है कि ये कदम बेतुका है और वित्तीय कंगाली का कारण बन सकता है।"

अहलूवालिया ने ये बयान ऐसे वक़्त दिया है, जब हिमाचल समेत कुछ राज्यों में हुए चुनावों में ओल्ड पेंशन स्कीम को राजनीतिक दलों ने मुद्दा बनाया। कई राज्य सरकारों ने ओल्ड पेंशन स्कीम को बहाल भी किया है।

अहलूवालिया के हालिया बयान को लेकर बहस भी छिड़ गई है। कुछ लोग उनका समर्थन कर रहे हैं जबकि राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत समेत कुछ लोगों ने उनकी आलोचना की है। अहलूवालिया पहले भी ओल्ड पेंशन स्कीम की आलोचना कर चुके हैं और इसे सबसे बड़ी रेवड़ी बता चुके हैं।

एक कार्यक्रम में मोंटेक सिंह अहलूवालिया ने कहा, "एक अर्थशास्त्री के रूप में मैं यही कहूंगा कि राजनीतिक पार्टियां और सत्ताधारी पार्टियों को चाहिए कि वो सिस्टम को ऐसे कदम उठाने से रोकें जो निश्चित रूप से वित्तीय तबाही का सबब होगा।"

उन्होंने आगे कहा, "लेकिन ये कैसे किया जाए? जनता को बड़े पैमाने पर ये समझाने की ज़रूरत है कि भविष्य में इसकी कितनी क़ीमत चुकानी पड़ेगी। मान लीजिए सरकार आपको ऐसी पेंशन स्कीम दे रही है जो पहले से बेहतर है तो लोग इसे पसंद करेंगे। लेकिन कोई इसकी क़ीमत चुका रहा है। इसलिए हमें ऐसा जनमानस बनाने पर ध्यान देना होगा।"

अहलूवालिया ने कहा, "राजनीतिक व्यवस्था में जो लोग इसकी क़ीमत चुकाते हैं, उनकी भी बात सुनी जानी चाहिए और अगर राजनीतिक सिस्टम ये करने में अक्षम है तो मेरे पास इसका कोई समाधान नहीं है।"

उन्होंने कहा, "इसी तरह की चीजें अन्य देशों में भी होती हैं और हम ऐसे दौर में जी रहे हैं जहां कई देश राजनीतिक तौर पर गैरज़िम्मेदाराना फैसले ले रहे हैं। लेकिन इसमें सुधार की भी गुंजाइश होती है। समस्या ये है और मुझे शंका है कि इस तरह के कदम उठाने को लेकर केंद्र सरकार पर काफ़ी दबाव होगा चाहे कोई भी सरकार हो।" रिटायरमेंट की उम्र बढ़ी तो क्या होगा असर?

मोंटेक सिंह अहलूवालिया ने कहा कि सुधारों का मुख्य दारोमदार राज्यों पर होता है और बहुत सारे ऐसे सुधार हैं जिनके लिए केंद्र को कुछ भी करने की ज़रूरत नहीं होती।

उन्होंने कहा, "उदाहरण के लिए राज्य के क़ानून के मुताबिक कई मामलों में अपराधीकरण को ख़त्म करने के लिए केंद्र की कोई भूमिका नहीं होती है। केंद्र ऐसा करने से राज्य को नहीं रोकता है। लेकिन राज्य नहीं कर रहे हैं। ऐसी बहुत सी चीजों की लंबी सूची बना सकते हैं जो पूरी तरह राज्य के अधिकार क्षेत्र में आते हैं।"

उन्होंने कहा, "इस लिहाज से देखें तो सिर्फ पेंशन स्कीम ही नहीं, बल्कि बिजली दरों को तय करने का मामला भी पूरी तरह राज्य के अधिकार में है, केंद्र

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

समूचे उत्तर भारत में कड़कड़ाती ठण्ड का दौर

नई दिल्ली, 8 जनवरी (वार्ता)। उत्तर भारत के कई इलाकों में कड़कड़ाती ठंड और शीतलहर का प्रकोप जारी है वहीं दक्षिण भारत में जगह-जगह बारिश होने से जनजीवन अस्त-व्यस्त है।

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में जबरदस्त शीतलहर के बीच रविवार को सबसे सर्द सुबह दर्ज किया गया। इसके साथ ही एन.सी.आर. इलाके में भी जनजीवन प्रभावित रहा।

मौसम विभाग के मुताबिक झारखंड में अगले चार दिन मौसम शुष्क बना रहेगा। झारखंड के साथ-साथ बिहार में भी ठंडी हवायें चल रही हैं।

उत्तराखंड के चमोली जनपद अन्तर्गत, जोशीमठ में भूधंसाव के कारणों को तलाश रहे विशेषज्ञों के अनुसार, जोशीमठ की धरती हर साल 85 मिलीमीटर की गति से खिसक रही है। दूसरी ओर, सरकारी दस्तावेजों के अनुसार, भू धंसाव की यह स्थिति अचानक इस साल नहीं, अपितु पचास से अधिक वर्षों से लगातार बनी हुई है।

राज्य सरकार द्वारा जोशीमठ मामले के परीक्षण को गठित वैज्ञानिकों के दल में शामिल देहरादून स्थित वाडिया हिमालय भूविज्ञान संस्थान की वरिष्ठ विज्ञानी डा. स्वप्निमिता के अनुसार, प्रभावित क्षेत्र का सेटेलाइट के माध्यम से सर्वेक्षण कराया गया। जिससे पता चला कि यहां का भूभाग प्रति वर्ष 85 मिलीमीटर की दर से खिसक रहा है। उन्होंने बताया कि उत्पत्ति के समय से ही हिमालय के खिसकने की दर सालाना 40 मिलीमीटर के करीब है। सरकारी दस्तावेज इस तथ्य की पुष्टि करते हैं कि इस क्षेत्र में भू धंसाव अथवा इमारतों में दरार पड़ने की शुरुआत पचास से भी वर्षो पूर्व हो चुकी थी।

बीच तेलंगाना के आदिलाबाद में शनिवार और रविवार की दरमियानी रात न्यूनतम तापमान गिरकर 7.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं रामागुंडम में इसी अवधि के दौरान न्यूनतम तापमान 9 डिग्री सेल्सियस और मेडक में 11 डिग्री सेल्सियस के साथ दर्ज किया गया। राजधानी हैदराबाद का न्यूनतम तापमान 12.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

विभाग के मुताबिक राज्य में अगले पांच दिनों के दौरान मौसम शुष्क रहने के आसार हैं।

- **दिल्ली में रविवार इस सीजन का सबसे सर्द दिन व सुबह दर्ज किया गया।**

'राहुल गांधी का करिश्मा काम करना शुरु कर चुका है'

तृणमूल कांग्रेस सांसद शत्रुघ्न सिन्हा ने कहा, राहुल गांधी ने भारत जोड़ो यात्रा के जरिए अपनी नेतृत्व क्षमता साबित की है

- **शत्रुघ्न सिन्हा ने कहा, राहुल गांधी को लोगों से शानदार प्रतिक्रिया मिल रही है। भारत जोड़ो यात्रा क्रांतिकारी है, उनका व्यक्तित्व युवाओं के लिए ज्ञान का प्रतीक बन गया है। देश ने इससे पहले ऐसी कोई यात्रा नहीं देखी। उनका लक्ष्य अच्छा है और मैं उन्हें शुभकामनाएं देता हूँ।**
- **उन्होंने कहा, इस यात्रा से उनकी छवि बदली है। इससे पहले एल.के आडवाणी और चंद्रशेखर ने भी यात्रा निकाली थी। लेकिन यह भारत जोड़ो यात्रा बेमिसाल है, इसमें हर मजहब के लोग शामिल हो रहे हैं।**

नई दिल्ली, 8 जनवरी। तृणमूल कांग्रेस सांसद शत्रुघ्न सिन्हा ने भारत जोड़ो यात्रा और कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भारत जोड़ो यात्रा के जरिए अपनी नेतृत्व क्षमता साबित की है। भारत जोड़ो यात्रा को बहुत अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी का करिश्मा काम करना शुरू कर चुका है और उन्हें लोगों से शानदार प्रतिक्रिया मिल रही है।

टी.एम.सी. सांसद शत्रुघ्न सिन्हा ने कहा कि राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा क्रांतिकारी है। उनका व्यक्तित्व युवाओं के लिए ज्ञान का प्रतीक बन गया है। देश ने इससे पहले ऐसी कोई यात्रा नहीं देखी। उनका लक्ष्य अच्छा है और मैं उन्हें शुभकामनाएं देता हूं।

शत्रुघ्न सिन्हा ने कहा कि हालांकि मैं टी.एम.सी. का नेता हूं और मेरी लीडर सही मायने में ममता बनर्जी हैं। मैं उनका हिमायती हूं, उनका प्रशंसक हूं। लेकिन कुछ बातों से नजरें नहीं चुराई जा सकती। यूथ आइकन राहुल गांधी, भारत जोड़ो यात्रा से युवाओं की इच्छा और अपेक्षा के प्रतीक हो गए हैं।

इस यात्रा से उनकी छवि बदली है। इससे पहले एल.के. आडवाणी और चंद्रशेखर ने भी यात्रा निकाली थी। लेकिन यह भारत जोड़ो यात्रा बेमिसाल है। इसमें हर मजहब के लोग शामिल हो रहे हैं। भारत जोड़ो यात्रा में जब ये बोला जाता है कि मैं नफरत बाजार में मोहब्बत की दुकान खोलने आया हूं। तो ये अच्छी बात है मैं उनको कामयाबी के लिए शुभकामनाएं देता हूं। उनकी यात्रा पर सवाल भी उठाए गए, उनकी टीशर्ट से लेकर उनके लुक तक पर सवाल उठे,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

तेलंगाना की दवा फैक्टरी में भीषण आग, 3 की मौत

हैदराबाद, 8 जनवरी। तेलंगाना की एक दवा कंपनी में लगी भीषण आग, तीन कर्मचारियों की झुलसकर मौत। पुलिस ने बताया कि मृतक आंध्र प्रदेश, पश्चिम बंगाल और बिहार के रहने वाले थे। शवों को अस्पताल भेज दिया गया है। पुलिस एक मामला दर्ज करके घटना के कारणों की जांच कर रही है।

तेलंगाना की दवा कंपनी में भीषण आग लगने की वजह से तीन लोगों की मौत हो गई। दर्दनाक हादसा संगारेड्डी जिले में रविवार को हुआ। पुलिस ने बताया कि जिन्नाराम पुलिस थाना क्षेत्र अंतर्गत गड्डापोथरम गांव में दवा कंपनी के गोदाम के एक कमरे में आग लग गई। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- **ड्रम में कैमिकल डालते समय अचानक आग लग गई। पुलिस ने बताया कि, मृतक आंध्र प्रदेश, प. बंगाल और बिहार के रहने वाले थे।**

'जोशीमठ में हर साल 85 एम.एम. नीचे धंस रही है जमीन'

सरकारी रिकॉर्ड्स के अनुसार, भू-धंसाव की यह स्थिति अचानक नहीं, अपितु पचास साल से अधिक वर्षों से है

- **जोशीमठ में जमीन एवं मकानों में दरारें पड़ने के मामले में प्रधानमंत्री कार्यालय में रविवार दोपहर एक उच्चस्तरीय बैठक हुई। बैठक में जोशीमठ को डैंजर जोन घोषित करके वहां की स्थिति को बचाने एवं सुधारने का फैसला लिया गया।**

देहरादून/चमोली, 8 जनवरी (वार्ता)। उत्तराखंड के चमोली जनपद अन्तर्गत, जोशीमठ में भूधंसाव के कारणों को तलाश रहे विशेषज्ञों के अनुसार, जोशीमठ की धरती हर साल 85 मिलीमीटर की गति से खिसक रही है। दूसरी ओर, सरकारी दस्तावेजों के अनुसार, भू धंसाव की यह स्थिति अचानक इस साल नहीं, अपितु पचास से अधिक वर्षों से लगातार बनी हुई है।

राज्य सरकार द्वारा जोशीमठ मामले के परीक्षण को गठित वैज्ञानिकों के दल में शामिल देहरादून स्थित वाडिया हिमालय भूविज्ञान संस्थान की वरिष्ठ विज्ञानी डा. स्वप्निमिता के अनुसार, प्रभावित क्षेत्र का सेटेलाइट के माध्यम से सर्वेक्षण कराया गया। जिससे पता चला कि यहां का भूभाग प्रति वर्ष 85 मिलीमीटर की दर से खिसक रहा है। उन्होंने बताया कि उत्पत्ति के समय से ही हिमालय के खिसकने की दर सालाना 40 मिलीमीटर के करीब है। उन्होंने बताया कि यहां एक बार फिर इसका सर्वेक्षण किया जा सकता है, ताकि वर्तमान स्थिति का बेहतर आंकलन किया जा सके।

जोशीमठ में जमीन एवं मकानों में दरारें पड़ने के मामले में प्रधानमंत्री कार्यालय में रविवार दोपहर एक उच्चस्तरीय बैठक हुई। प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव डॉ. पी. के. मिश्रा ने यह बैठक बुलाई थी जिसमें कैबिनेट सचिव राजीव गौबा, गृह सचिव, केन्द्र सरकार के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों तथा राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के सदस्यों के साथ इस मामले के सभी पहलुओं पर विचार विमर्श किया गया।

बैठक में वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से उत्तराखंड के मुख्य सचिव, अन्य वरिष्ठ अधिकारी तथा जोशीमठ के जिलाधिकारी सम्मिलित हुए। वहीं दूसरी ओर, सरकारी दस्तावेज इस तथ्य की पुष्टि करते हैं कि इस क्षेत्र में भू धंसाव अथवा इमारतों में दरार पड़ने की शुरुआत पचास से भी वर्षो पूर्व हो चुकी थी। चमोली के मुख्य विकास अधिकारी डॉक्टर ललित नारायण मिश्र ने बताया कि आठ अप्रैल 1976 को गढ़वाल के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

चीन ने अफगानिस्तान की तालिबान सरकार को मान्यता देना व दोस्त बनाना शुरु किया

अफगानिस्तान सरकार ने चीन की कंपनी को देश के एक हिस्से में क्रूड ऑयल खनन का कॉन्ट्रैक्ट दिया है

- **चीन ने इसे दोनों देशों के लिए अहम प्रोजेक्ट बताया है। माना जा रहा है कि, ये ठेका हासिल करने के बाद इस इलाक़े में चीन की आर्थिक गतिविधियां बढ़ सकती हैं।**
- **साल 2021 में तालिबान ने अफ़ग़ानिस्तान पर कब्ज़ा किया था, तबसे किसी विदेशी फ़र्म के साथ तेल खनन का ये पहला बड़ा समझौता है। अभी तक दुनिया की किसी सरकार ने अफ़ग़ानिस्तान की तालिबान सरकार को मान्यता नहीं दी है।**

काबुल/नई दिल्ली, 8 जनवरी। अफ़ग़ानिस्तान की तालिबान सरकार ने चीन की एक फर्म को देश के उत्तरी हिस्से में तेल खनन का ठेका दिया है। ये सौदा 25 साल की अवधि के लिए हुआ है। चीन ने इसे दोनों देशों के लिए अहम प्रोजेक्ट बताया है। माना जा रहा है कि ये ठेका हासिल करने के बाद इस इलाक़े में चीन की आर्थिक गतिविधियां बढ़ सकती हैं।

साल 2021 में तालिबान ने अफ़ग़ानिस्तान पर कब्ज़ा किया तबसे किसी विदेशी फ़र्म के साथ तेल खनन का ये पहला बड़ा समझौता है। अभी तक दुनिया की किसी सरकार ने अफ़ग़ानिस्तान की तालिबान सरकार को मान्यता नहीं दी है।

बीते दिसंबर में काबुल के लोंगन होटल पर हमला हुआ था जिसमें कम से कम तीन लोग मारे गए और 18 लोग घायल हो गए थे। घायलों में चीन के पांच नागरिक थे।

तालिबान प्रवक्ता ज़बीहुल्लाह मुजाहिद ने बताया, "तेल खनन के सौदे के तहत शिनजियांग सेंट्रल एशिया पेट्रोल और गैस कंपनी (सी.ए.पी.ई. आई.सी.) अमू दरिया बेसिन में ड्रिलिंग करेगी।"

अफ़ग़ानिस्तान में प्राकृतिक संसाधनों का बड़ा भंडार है। सालों तक संघर्ष चलते रहने के कारण अफ़ग़ानिस्तान की इस संपदा का इस्तेमाल नहीं हो सका है।

कई जानकारों का कहना है कि इस समझौते के बाद दोनों देशों के बीच रिश्तों का नया अध्याय शुरू हो सकता है। चीन ने भी इसे एक अहम समझौता बताया है।

अफ़ग़ानिस्तान में चीन के राजदूत वांग यू ने काबुल में हुई एक प्रेस कांफ्रेंस में कहा, "अमू दरिया तेल खनन सौदा चीन और अफ़ग़ानिस्तान के लिए एक अहम प्रोजेक्ट हैं।"

देश के पूर्वी भाग में एक तांबे की खान के संचालन को लेकर भी चीन की सरकारी कंपनी की तालिबान सरकार से बातचीत चल रही है। अफ़ग़ानिस्तान में नेचुरल गैस, तांबा और रेयर अर्थ मैटीरियल समेत विशाल प्राकृतिक संसाधन हैं जिनकी अनुमानित क़ीमत एक ट्रिलियन डॉलर है।

अफ़ग़ानिस्तान में दशकों तक चले युद्ध के कारण इन प्राकृतिक संसाधन के स्रोतों का इस्तेमाल नहीं हो सका। हालांकि, दुनिया के दूसरे देशों की तरह चीन ने अभी तक अफ़ग़ानिस्तान की तालिबान सरकार को मान्यता नहीं दी है लेकिन इस मुल्क में उसके बहुत अहम हित जुड़े हुए हैं।

इसकी वजह ये भी है कि अफ़ग़ानिस्तान, चीन की महत्वाकांक्षी परियोजना बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) क्षेत्र के केंद्र में है। साल 2013 में शी जिनपिंग ने बी.आर.आई. को लॉन्च किया था। यह परियोजना उभरते हुए देशों में बंदरगाह, सड़कें, ब्रिज जैसी आधारभूत संरचनाएं बनाने के लिए वित्तीय सहायता मुहैया कराने का काम करती है।

अफ़ग़ानिस्तान के साथ भारत समेत दूसरे पड़ोसी देशों के भी हित जुड़े रहे हैं। अफ़ग़ानिस्तान की पूर्व सरकार के दौरान भारत ने वहां संसद भवन समेत कई निर्माण कराए थे।

दिसंबर में तालिबान ने कहा था कि वो चाहता है कि भारत अफ़ग़ानिस्तान में निवेश करे और नई शहरी इंफ्रास्ट्रक्चर की परियोजनाओं को शुरू करे।

पीयुष गोयल अमेरिका जायेंगे

नई दिल्ली, 8 जनवरी (वार्ता)। केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयुष गोयल नौ से 11 जनवरी तक अमेरिका की सरकारी यात्रा पर रहेंगे और वहां न्यूयार्क एवं वाशिंगटन में भारत-अमेरिका व्यापार पॉलिसी फोरम में हिस्सा लेंगे। आज यहां जारी आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गयी।

- **केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयुष गोयल नौ से 11 जनवरी तक अमेरिका की सरकारी यात्रा पर रहेंगे और वहां भारत-अमेरिका व्यापार पॉलिसी फोरम में शामिल होंगे।**

गोयल यात्रा के पहले चरण में कम्युनिटी इवेंट में बहुराष्ट्रीय कंपनियों के सीईओज़ के साथ बातचीत करेंगे और व्यापारिक नेताओं के साथ गोलमेज़ बैठकों में हिस्सा लेंगे तथा न्यूयार्क में

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

संसार भर के उपद्रवों का मूल व्यंग्य है। हृदय में जितना यह घुसता है उतनी कटार नहीं। –जयशंकर प्रसाद

क्या खुशहाल ज़िंदगी जीने का हमारा सपना कभी पूरा होगा?

दो दिनों से एक यात्रा वृत्तांत में डूबा हुआ हूं। इधर हिंदी में कथेतर खूब लिखा जा रहा है और उसमें काफी कुछ ऐसा है जो हमारी भाषा की समृद्धि का परिचय देता है। मैं जिस यात्रा वृत्तांत में डूबा हुआ हूं, उसका शीर्षक है– **ख़ुश देश का सफ़र।** इसे लिखा है पल्लवी त्रिवेदी ने, जो साहित्य की दुनिया का बहुत परिचित नाम नहीं है। वैसे उनका एक व्यंग्य संग्रह और एक कविता संग्रह प्रकाशित हो चुका है और मध्यप्रदेश का वागीश्वरी सम्मान भी उन्हें मिल चुका है। जिस किताब की मैं बात कर रहा हूं उसका उपशीर्षक है:– 'भोपाल से भूटान : चार दोस्तों की रोड ट्रिप।' पल्लवी और उनके तीन दोस्तों की यह यात्रा उस तरह की व्यवस्थित यात्रा नहीं है जिस तरह की यात्रा आजकल आम पर्यटक करता है। सब कुछ पूर्व नियोजित और व्यवस्थित। ऐसी यात्रा करने वालों को पल्लवी ने टूरिस्ट कहा है, जबकि वे अपनी यात्रा को ट्रेवलर्स की यात्रा कहती हैं। बहुत मोटी रूपरेखा उनके पास है और वे लोग निकल पड़े हैं। भोपाल से भूटान की लगभग चार हज़ार किलोमीटर की यह यात्रा बीस दिन में पूरी हुई। इसी यात्रा का वृत्तांत है यह किताब।

इन लोगों ने गंतव्य के लिए चुना भूटान को। भूटान एक बहुत छोटा देश है। इसका क्षेत्रफल मात्र 38394 वर्ग किलोमीटर है और जनसंख्या है लगभग सात लाख। लेकिन जो बात इस देश को ख़ास बनाती है वह यह कि यह एक खुशहाल देश है। विश्व खुशहाली सूचकांक, जिसमें 146 देशों की सूची में भारत 136 वें स्थान पर है, उसमें भले ही भूटान न हो, उसकी गणना दुनिया के सर्वाधिक खुशहाल देशों में की जाती है। पल्लवी और उसके साथी भूटान में घूमते हुए इस बात की भी पडताल करते चलते हैं कि आखिर क्या वजह है कि भूटान के लोग इतने ज़्यादा खुशहाल है! एक जगह वे लिखती हैं:– *"आज सुबह से हम थिम्पू की गलियों, चौराहों और सड़कों के चक्कर काट रहे थे और यहां की पार्किंग व्यवस्था, यातायात व्यवस्था, करीने से सजी दुकानों और प्रदूषणमुक्त आबोहवा को देखकर मुग्ध हो गए थे। भारत में ऐसी सड़कों की कल्पना भी असम्भव है जहां कोई गाड़ी नो-पार्किंग ज़ोन में ना खड़ी हो, हमारे बाज़ारों में ऐसी कोई दुकान नहीं जिसके आगे अतिक्रमण कर दुकान को विस्तार न दिया गया हो, ऐसा कोई चौराहा नहीं जहां बत्ती के हरा होने के तीन सेकेण्ड पहले ही चालक अपनी गाड़ी न बढ़ा देते हों। सब भाग रहे हैं हमारे यहां, सबको जल्दी है। किस बात की है? ये पता नहीं। यहां किसी को कोई जल्दी नहीं है। सब तसल्ली से अपना काम कर रहे हैं। कोई आपाधापी नहीं, कोई हड़बड़ाहट नहीं। क्या यह एक छोटी-सी बात अंदरूनी शांति और सुकून के लिए ज़रूरी नहीं?"*

यह पढ़ते हुए आपके मन में भी आ रहा होगा कि भला भारत से भूटान की तुलना कैसे की जा सकती है? कितना बड़ा देश है हमारा! और कितनी ज़्यादा जनसंख्या है! एक अरब चालीस करोड़ जनसंख्या वाले देश में इतनी समस्याओं का होना स्वाभाविक ही है। इस बात पर पल्लवी भी विचार करती हैं। लेकिन वे सवाल भी करती हैं:– *"क्या सिर्फ अधिक जनसंख्या होने से हम अपने देश के भ्रष्टाचार, बदहाली, प्रकृति और देश के प्रति गैर ज़िम्मेदाराना रवैया, गंदगी और हर जगह फैली अव्यवस्था को जस्टिफाई कर सकते हैं?"* उनका सोच बहुत साफ़ है। वे कहती हैं: *एक ख़ुशहाल देश बनाने में कम जनसंख्या मददगार ज़रूर साबित हो सकती है लेकिन यही सर्वोच्च घटक नहीं है। हम अपने देश की बदहाली का ठीकरा जनसंख्या के अलावा आसानी से अशिक्षा, बेरोज़गारी और ग़रीबी पर फोड़ देते हैं लेकिन भूटान भारत से भी ज़्यादा ग़रीब देश है, जहां संसाधन बेहद कम हैं और बेरोज़गारी यहां भी है।"*

अगर एक छोटा-सा देश, अपने साधनों की सीमाओं के बावज़ूद बेहद खुशहाल देश बन सकता और बना रह सकता है तो आखिर ऐसी क्या बातें हैं कि हमें सतत अभावों और उपेक्षाओं में ही ज़िंदगी गुज़ारनी पड़ रही है? क्या कभी ये हालात बदलेंगे? क्या कभी ऐसा समय आएगा जब हमारी मूलभूत ज़रूरतें पूरी हो चुकी होंगी और हम भी खुशहाल ज़िंदगी जी रहे होंगे?

मैं यह संपादकीय पल्लवी त्रिवेदी की इस किताब की समीक्षा करने के लिए नहीं लिख रहा हूं। लेकिन इस किताब ने मुझे उद्वेलित किया है और उस उद्वेलन को आपसे साझा करने के लिए इस किताब के हवाले से अपनी बात कहने की कोशिश कर रहा हूं। मेरा यह मानना है कि आज़ादी के बाद के इन बरसों में हम जितना कर सकते थे उतना हमने नहीं किया है। आज भी हम जो कर सकते हैं और जो हमें करना चाहिए वह न करके हम कुछ और ही करने में अपनी ऊर्जा नष्ट कर रहे हैं। क्या हमने कभी इस बात पर गम्भीरता से विचार किया है कि हमारी, मतलब हमारी सरकारों की प्राथमिकता क्या होनी चाहिए? क्या कभी सरकारों ने बहुत गम्भीरता और ईमानदारी से इस बात के प्रयास किए कि इस देश के हर नागरिक को चिकित्सा और शिक्षा की आधारभूत सुविधा सुलभ हो जाए? जो भी प्रयास हुए वे आधे अधूरे मन से हुए। आपने स्कूल खोले तो भवन नहीं बनाए, भवन बनाए तो शिक्षक भर्ती नहीं की, शिक्षक भर्ती की तो अन्य व्यवस्थाओं के लिए बजट नहीं दिया। यही हाल चिकित्सा का भी रहा। राजस्थान में सरकार ने हाल में खूब ढोल ढमाकों के साथ आम जन के लिए निशुल्क चिकित्सा सुविधा की घोषणा की, जो देर से ही सही, सही दिशा में उठाया गया एक कदम था, लेकिन आज हालत क्या है? निजी अस्पताल रोगियों को लौटा रहे हैं, सरकारी अस्पताल कम और आधे-अधूरे हैं, सरकारी दवाइयां आउट ऑफ स्टॉक हैं। मतलब एक अच्छी योजना अभी से दम तोड़ती नज़र आ रही है। यही हाल सड़कों का है, यही हाल पेयजल सुविधा का है। घोषणाएं खूब होती हैं। उनका प्रचार भी खूब होता है लेकिन बहुत जल्दी वे योजनाएं निष्प्रभावी हो जाती हैं। न उनकी मॉनिटरिंग होती है और न उनके मार्ग में आए हुए अवरोधों को हटाने कोई गम्भीर प्रयास होते हैं। परिणाम यह कि आम नागरिक जितना बदहाल पहले था, उतना ही अब भी रहता है। उसकी हालत में कोई सुधार नहीं हो पाता है।

अब यहीं ज़रा ठहर कर भूटान के बारे में पल्लवी जी का अनुभव जान लें। वे लिखती हैं:– *"भूटान में हमने ग़ौर किया कि यहां सरकार ने इन्फ्रास्ट्रक्चर पर काफ़ी ज़ोर दिया है। प्रति व्यक्ति आय भले ही कम हो लेकिन एक नागरिक के तौर पर बेहतरीन सार्वजनिक सुविधाएं देने का प्रयास किया गया है। चाहे सड़कें हों, बिजली या पानी। कोई इन सुविधाओं से वंचित नहीं है। शिक्षा और स्वास्थ्य यहां सबके लिए फ्री हैं। भारत में उलटा है। शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाएं इतनी महंगी हैं कि एक आदमी की सारी पूंजी बच्चों को पढ़ाने में या एक बार कोई बड़ी बीमारी हो गई तो उसी में खर्च हो जाती हैं बल्कि कर्ज़ मांगने की नौबत आ जाती है। सरकारी स्कूलों और अस्पतालों में कोई जाना नहीं चाहता और निजी शिक्षण और स्वास्थ्य संस्थान इतने महंगे हैं कि ग़रीब आदमी की हैसियत नहीं वहां तक पहुंच पाने की। यही कारण है कि एक बड़ा तबका अच्छी शिक्षा और अच्छे स्वास्थ्य से वंचित है।"*

मुझे हमेशा यह लगता है कि हमारे पास न पैसों की कमी है और न काम करने की दक्षता की। लोगों में सेवा और समर्पण का भाव भी कम नहीं है। अपने देश से सबको प्यार है और वे इसे और अच्छा देखने को लालायित भी हैं। इसके लिए वे हर तरह का त्याग भी करने को सदा तैयार रहते हैं। लेकिन जिन्हें हम चुनते हैं वे बार-बार हमें छलते हैं। हमें धोखा देते हैं। हमें निराश करते हैं। और फिर अपनी सारी बेईमानियों और मक्कारियों का ठीकरा ज़्यादा आबादी और गरीबी के सर पर फोड़कर अलग हो जाते हैं। काश! हम कभी उनसे पूछ पाते कि अगर इस देश की जनता इतनी ग़रीब है तो फिर आप क्यों उसके पैसों पर शाही जीवन जीते हैं? आप क्यों इस बात की परवाह नहीं करते कि जनता की पहली ज़रूरत क्या है? और जहां तक सरकारी कार्यक्षमता का सवाल है, हम आए दिन देखते हैं कि सरकार जिस काम में रुचि लेती है वह तो पलक झपकते ही हो जाता है। तब न लाल फीताशाही आड़े आती है न बजट की कमी राह का रोड़ा बनती है! अगर किसी राह पर किसी महामहिम को गुज़रना होता है तो वह तुरंत चकाचक कर दी जाती है, और जिस राह पर हम सब गुज़रते हैं उसकी दुर्दशा पर कभी किसी की नज़र ही नहीं पड़ती। पड़ भी जाती है तो सरकारी कार्यप्रणाली काम की गति को धीमा कर देती है। बारिश के मौसम में टूटी सड़कें होली तक भी सुधार दी जाएं तो गनीमत है। आम आदमी वाले अस्पताल में भले ही डॉक्टर न हों, वीआईपी दौरों के समय एकाधिक डॉक्टर मय स्टाफ के उनकी सेवा में दिन-रात तैनात रहते हैं।

सोचने की बात यह है कि अगर एक छोटा-सा देश, अपने साधनों की सीमाओं के बावज़ूद बेहद खुशहाल देश बन सकता और बना रह सकता है तो आखिर ऐसी क्या बातें हैं कि हमें सतत अभावों और उपेक्षाओं में ही ज़िंदगी गुज़ारनी पड़ रही है? क्या कभी ये हालात बदलेंगे? क्या कभी ऐसा समय आएगा जब हमारी मूलभूत ज़रूरतें पूरी हो चुकी होंगी और हम भी खुशहाल ज़िंदगी जी रहे होंगे?

कब आएगा वह समय? आएगा भी या नहीं?

–अतिथि सम्पादक,
डॉ. दुर्गाप्रसाद अग्रवाल
(शिक्षाविद और साहित्यकार)

फ़ैशन की दुनिया में अलग ही शान है जोधपुरी कोट की

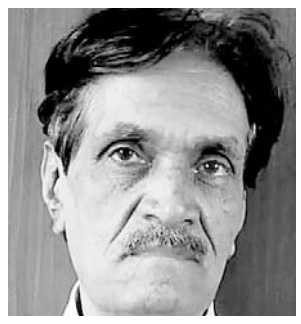

मिश्रीलाल पंवार

- **शादी के अवसर पर दुल्हे के नजदीकी रिश्तेदार जोधपुरी कोट सिलवाना पसंद करते हैं**
- **पहले कोट को बनाने में करीब सात दिन लगे, देखते ही देखते यह कोट जोधपुरी कोट के नाम से पूरे देश में लोकप्रिय हो गया**

आज ऐसा कौन सा व्यक्ति होगा,जो जोधपुरी बन्द गले के कोट के बारे में नहीं जानता हो। अपनी अलग ही आन, बान व शान को लेकर विश्व विख्यात हो चुकी यह मर्दाना पौशाक जन जन की पहली पसंद बन चुकी है। सात समुंदर पार भी इस पौशाक की लोकप्रियता जगजाहिर है।

परिधानों की दुनिया बहुत तेजी से बदलती है। अब तक ना जाने कितने ही डिजाइन फैशन में आए और लुफ्त हो गए, लेकिन जोधपुरी बंद गले का कोट एक ऐसा परिधान है, जिसे सदाबहार कहा जा सकता है। इसको पहनने के बाद व्यक्ति के भीतर आत्मविश्वास, गुरूर और उल्लास का अहसास तो होता ही है, साथ ही बाहरी आवरण की शानोशौकत का मिजाज देखते बनता है। ढीला ढाला व्यक्ति भी जब बन्द गले का जोधपुरी कोट पहन कर चलता है तो उसकी चाल बदल जाती है। हजारों की भीड़ में वह अलग ही नजर आता है।

भारत के प्रथम प्रधानमंत्री स्वर्गीय जवाहर लाल नेहरू, राजीव गांधी और मनमोहन सिंह से लेकर वर्तमान प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी तक, सभी की पसंद जोधपुरी कोट रहा है। नौजवानों को भी यह खूब भा रहा है। यह कोट सर्दी से बचाता है वहीं अलग लुक भी देता है। शादी के अवसर पर दुल्हे के नजदीकी रिश्तेदार जोधपुरी कोट सिलवाना पसंद करते हैं। करीब सौ वर्ष पूर्व ईजाद हुए इस मर्दाना पहनावे की फैशन की दुनिया में आज भी धाक कायम है। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी के चलते फैशन इतनी तेजी से बदलता है कि कुछ दिनों पूर्व मार्केट में आई नई फैशन देखते ही देखते पुरानी हो जाती है। उसकी जगह नई स्टाइल आ जाती है।

इतिहास के पन्नों में इसकी एक रौचक कहानी है । इस कहानी के अनुसार जोधपुर के सर प्रताप वर्ष 1887 में इंग्लैंड की महारानी विक्टोरिया की हीरक जयंती समारोह में भाग लेने लंदन जा रहे थे। संयोग कुछ ऐसा हुआ कि उनका सामान रास्ते में चोरी हो गया। इंग्लैंड पहुंचे तो उनके सामने कपड़ों का संकट खड़ा हो गया। उन्होंने लन्दन में ही कोट का कपड़ा खरीदा। बड़ी मुश्किल से एक दर्जी के पास उन्होंने स्वयं खड़े रहकर बन्द गले के कोट की सिलाई कराई। बाद में इसे पहन कर वे समारोह में गए तो लोग देखते रह गए। सभी लोगों ने उस कोट की शान और आनबान की सराहना की। सर प्रताप पुन: जोधपुर लौटे तब जोधपुर के राज कारीगरों को बुलाया और उसी प्रकार के बन्द गले के कोट सिलने का कहा।

जोधपुर के राज गजधर बड़ी मेहनत व लगन से इस कोट को बनाने में जुट गए । इस पहले कोट को बनाने में करीब सात दिन लगे। इस कोट को देखा तो राज परिवार के अन्य सरदारों को मन भा गया। सबने इस कोट को सिलवाना शुरू कर दिया। देखते ही देखते बन्द गले का यह कोट जोधपुरी कोट के नाम से पूरे देश में लोकप्रिय हो गया। धीरे धीरे देशी रियासतों के राजा महाराजा, सामंत व रईस लोगों की भी यह कोट पहली पसंद बन गया।

धीरे धीरे शहर के नामी टेलरों ने भी बन्द गले के कोट की सिलाई करनी शुरू कर दी। उस जमाने में बन्द गले की कोट की मांग पूरे देश में होने से कलकत्ता, मुम्बई, दिल्ली तथा अहमदाबाद के टेलरों में हड़कंप मच गया क्योंकि उन दुकानदारों के कारीगरों को बन्द गले के कोट सिलने का सही तरीका मालूम नहीं था। रईस लोग इस कोट को सिलवाने जोधपुर आने लगे। इसके बाद इन चारों महानगरों के टेलर

शॉप के मालिकों का ध्यान जोधपुर के कारीगरों की तरफ गया। ये लोग जोधपुर से कारीगरों को अपने साथ ले जाने लगे। धीरे-धीरे पूरे देश में जोधपुर के सिलाई कारीगरों की मांग होने लगी। उस जमाने के कारीगर एक कोट को सिलने में एक सप्ताह समय लगाते थे। इस जोधपुरी कोट की यह विशेषता होती थी कि पच्चीस साल बाद भी ऐसा लगता था जैसे अभी अभी नया बनवाया है।

धीरे-धीरे इसमें कारीगरी वाला काम घटता गया। आज से बीस से पच्चीस साल पहले तक तीन दिन में एक कोट तैयार होता था। आजकल के कारीगरो ने इसकी कलात्मकता को दरकिनार कर दिया है। अब तो लोग एक ही दिन में पूरा कोट बना लेते हैं।

पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के लिए बन्द गले का कोट सिलने वाले जोधपुर निवासी देवीलाल राखेचा अब इस संसार में नहीं है। पिता के बाद सिलाई की दुकान संभालने वाले किशोर राखेचा ने बताया कि संसार में वस्त्र फैशन बहुत तेजी से बदलता रहता है। राष्ट्रपति से लेकर आम आदमी की यह पहली पसंद है। पहले के जमाने में 90 प्रतिशत कार्य हाथ सिलाई से होता था।अब तो हाथ सिलाई का काम दस प्रतिशत रह गया है। मांगलिक समारोह में जोधपुरी कोट पहले से ज्यादा पसंद किए जाते हैं। राष्ट्रपति से सम्मानित वयोवृद्ध शिक्षक एवं कला पारखी गोविन्द कल्ला का कहना है कि बन्द गले के जोधपुरी कोट शरीर के कई हिस्सों पर एक्यूप्रेशर का काम करता है। यही कारण है कि जोधपुरी कोट पहनते ही व्यक्ति में नई उर्जा का संचार शुरू हो जाता है। व्यक्ति खुद को चुस्त-दुरुस्त महसूस करता करता है।

मिश्रीलाल पंवार, जोधपुर

राष्ट्रीय जंबूरी में ब्यावर की बादशाह की सवारी लोकप्रिय रही

ब्यावर, (निसं)। राष्ट्रीय जंबूरी रोहट पाली में निकाली गई ब्यावर की सुप्रसिद्ध और विश्व विख्यात बादशाह की सवारी अत्यधिक लोकप्रिय रही। राजकीय पटेल उच्च माध्यमिक विद्यालय ब्यावर के स्काउट अध्यापक विष्णु दत्त गोयल ने बादशाह की सवारी

- **ब्यावर के स्काउट अध्यापक विष्णु दत्त गोयल ने सवारी निकालकर एक अंतर्राष्ट्रीय पहचान प्रदान की**

की तरह ही शाही अंदाज में सवारी निकालकर एक अंतर्राष्ट्रीय पहचान प्रदान की।

बादशाह की सवारी में स्थानीय संघ ब्यावर, स्थानीय संघ जवाजा के स्काउटर नरेंद्र सिंह कोटडा तथा सभी बालचरों ने विभिन्न राजस्थानी परिवेश में सजधज कर सहयोग देकर शाही सवारी निकाली।

ब्यावर के सहायक कमिश्नर विमल चौहान, शिव कुमार दुबे, सीबीओ प्रधानाचार्य ताराचंद जांगिड, स्काउट टीचर रामचंद्र शर्मा, बाबूदीन, मोहन सिंह चौहान, सुरेश फुलवारी, चंपालाल सोलंकी, मनोहर, रतन सिंह कालिंजर सहित ने अपना प्रतिनिधित्व किया। सभी अन्य कार्यक्रमों में से अलग हटकर भिन्न कार्यकम होने से पूरे परिसर में चर्चा का विषय बना रहा था।

स्काउट अध्यापक विष्णु दत्त गोयल ने बादशाह की सवारी शाही अंदाज में पेश की।

डॉ. सुनीता घोगरा बनी राजस्थान साहित्य अकादमी की उपाध्यक्ष

- **अकादमी इतिहास में पहली बार भील आदिवासी महिला को मिला यह पद**

चूरू/उदयुपर, (कासं)। राजस्थान सरकार द्वारा नियुक्त राजस्थान साहित्य अकादमी अध्यक्ष डॉ दुलाराम सहारण द्वारा पदभार संभालने के बाद से ही कई अभिनव निर्णय लिए जा रहे हैं। अध्यक्ष डॉ सहारण के निर्देशन में हाल ही में गठित 19वीं सरस्वती सभा की प्रथम बैठक शुक्रवार एवं शनिवार को उदयपुर अकादमी मुख्यालय में आयोजित हुई।

बैठक में ऐतिहासिक निर्णय लेते हुए आदिवासी वर्ग के भील समुदाय की डॉ सुनीता घोगरा को उपाध्यक्ष के पद पर चुना गया। अकादमी अध्यक्ष ने बताया कि पहली बार किसी महिला एवं जनजाति समुदाय की महिला को अकादमी का उपाध्यक्ष चुना गया है। अकादमी के इस कदम की साहित्यप्रेमियों ने प्रशंसा की है। लेखिका डॉ घोगरा डूंगरपुर जिले में राजकीय शिक्षिका के तौर पर सेवाएं दे रही हैं। उपाध्यक्ष डॉ घोगरा ने कहा है कि वे अपना अधिकतम योगदान देते हुए अकादमी की अपेक्षाओं पर खरा उतरेंगी। अपनी पुस्तक मताई के लिए चर्चित रही डॉ घोगरा ने कहा कि उन्हें शुरू से ही साहित्य से गहरा लगा रहा लेकिन कभी सोचा नहीं था कि अकादमी उपाध्यक्ष के पद पर सेवाएं देने का मौका मिलेगा। इसी प्रकार से चूरू जिले के कमल कुमार शर्मा को कोषाध्यक्ष पद पर चुना गया। दोनों ही पदाधिकारियों का अकादमी की सरस्वती सभा के सदस्यों ने स्वागत किया और शुभकामनाएं दी। सरस्वती सभा की प्रथम बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय भी लिए गए। इसमें अकादमी के बंद पड़े पुरस्कारों को पुन: शुरू करने, पुरस्कार राशि में वृद्धि कार्यक्रमों की राशि में वृद्धि, अकादमी अतिथि गृह निर्माण, साहित्यकार परिचय कोश, पांडुलिपि प्रकाशन योजना, मधुमती के आवरण परिवर्तन, प्रारंभ से अब तक मधुमती के समस्त अंकों का डिजिटलाईजेशन, अकादमी पुस्तकों की ऑनलाइन बिक्री, एक अप्रैल से 25 प्रतिशत छूट पर अकादमी पुस्तकों के विक्रय, दृश श्रव्य रिकॉर्डिंग कक्ष सहित विभिन्न विषयों को लेकर सरस्वती सभा ने चर्चा करते हुए निर्णय लिए।

रक्षा मामलों की समिति ने पोकरण फील्ड फायरिंग रेंज का दौरा किया

जैसलमेर/पोकरण, (निसं)। रक्षा संबंधी स्थायी समिति के लिए संसद सदस्यों के प्रतिनिधिमंडल ने जैसलमेर के पास स्थित पोकरण फील्ड फायरिंग रेंज का दौरा किया और एकीकृत अग्नि शक्ति प्रदर्शन देखा।

उन्होंने बहुमुखी और स्वदेशी निर्मित हथियार प्रणालियों को भी देखा और लक्ष्य भेदने के प्रभाव के साथ मॉक युद्ध क्षेत्र की स्थिति में उनका जायजा लिया। उन्होंने भारतीय सेना द्वारा प्रशिक्षण की भविष्य की आवश्यकताओं को अपनाने के लिए रेंज में मौजूदा और नियोजित बुनियादी ढांचे के विकास की भी समीक्षा की। समिति आज सोमवार को जैसलमेर का दौरा करेगी जहां उन्हें पुणे स्थित दक्षिणी कमान के सेना कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल एके सिंह द्वारा जानकारी दी जाएगी।

समिति में अध्यक्ष जुआल ओराम एम पी के साथ एससीओडी के 22 अन्य सदस्य हैं। एससीओडी एक समिति है जिसमें रक्षा नीतियों और रक्षा मंत्रालय के निर्णय लेने के विधायी अवलोकन के उद्देश्य से संसद के चयनित सदस्य शामिल हैं।

रक्षा संबंधी स्थायी समिति के संसद सदस्यों ने जैसलमेर फील्ड फायरिंग रेंज में शक्ति प्रदर्शन देखा।

विराट का अवार्ड के लिए चयन

डूंडलोद, (निसं)। विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग ने स्कूली बच्चों को प्रोत्साहन प्रदान करने के लिए अनेक योजनाएं शुरू की हैं। राष्ट्रीय आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए भारत सरकार ने एक बहुउद्देशीय परियोजना का संचालन किया है। इसमें सबसे ज्यादा लोकप्रिय इंस्पायर पुरस्कार प्रेरित अनुसंधानद्ध योजना है। जिसमें कक्षा 6से 10 तक के स्कूल विद्यार्थी अपने नए नए आविष्कारों को विद्यालयों को प्रेषित करते हैं। जिसमें से कुल 5 विद्यार्थियों के प्रोजेक्ट्स को विद्यालय नामित करता है। डूंडलोद पब्लिक स्कूलए डूंडलोद के कक्षा 7 के विद्यार्थी विराट शर्मा पुत्र कमल शर्मा का चयन इंस्पायर अवार्ड के लिए जिला झुंझुनूं से किया।

इससे विद्यालय परिवार मे हर्ष व्याप्त हो गया। विद्यालय सचिव बीएल रणवां ने मास्टर विराट की सफलता पर भौतिक शास्त्र प्रवक्ता राहुल मिश्रा तथा विराट के परिवारी जनों को बधाई दी। प्राचार्य जी. प्रकाश ने कहा कि सतत मिलने वाली सफलताएं कार्मिकों और विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करती हैं।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

सोमवार 9 जनवरी, 2023

माघ मास, कृष्ण पक्ष, द्वितीया तिथि, सोमवार, विक्रम संवत 2079, अश्लेषा नक्षत्र मंगलवार प्रात: 9:01 तक, विष्कुम्भ योग दिन 10:31 तक, गर करण प्रात: 9:40 तक, चन्द्रमा कर्क राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-धनु, चन्द्रमा-कर्क, मंगल-वृष, बुध-धनु, गुरू-मीन, शुक्र-मकर, शनि-मकर, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में।

आज भद्रा रात्रि 10:55 से मंगलवार दिन 12:10 तक है। आज द्वितीया तिथि में वृद्धि हुई है।

सर्वश्रेष्ठ चौघड़िया: अमृत सूर्योदय से 8:39 तक, शुभ 9:57 से 11:15 तक, चर 1:52 से 3:10 तक, लाभ-अमृत 3:10 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 7:30 से 9:00 तक। सूर्योदय 7:21, सूर्यास्त 5:46

मेष
परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

वृष
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा।

मिथुन
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

कर्क
मन:स्थिति ठीक रहेगी। मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। महत्वपूर्ण और आवश्यक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

सिंह
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि होगी। धन हानि का भय है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। आज अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। मन में असंतोष बना रहेगा।

कन्या
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार होगा।

तुला
व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक मामलों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी।

वृश्चिक
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है। अटका हुआ धन प्राप्त होगा।

धनु
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

मकर
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में सामूहिक प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। परिवार में आज धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

कुंभ
व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नौकरीपेशा व्यक्तियों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है।

मीन
व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी यथावत बनी रहेगी। व्यावसायिक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। अटका हुआ धन प्राप्त होगा।

कोटा स्मार्ट है, जिसे हीरे रूपी स्टूडेंट्स को तराशने का हुनर आता है : सीतारमण

कोटा में केंद्रीय वित्त मंत्री नर्मला सीतारमण ने कोचिंग स्टूडेंट्स से संवाद किया है।

- केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का युवा शक्ति संवाद
- विद्यार्थियों ने मन से सवाल पूछे, वित्त मंत्री ने खुलकर जवाब दिए

कोटा, (निसं)। देश की वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रविवार को कोटा यात्रा के दौरान विद्यार्थियों से संवाद किया। जवाहर नगर स्थित एलन समुन्नत कैम्पस के समरस सभागार में आयोजित युवा शक्ति संवाद कार्यक्रम में वित्त मंत्री ने इंजीनियरिंग व मेडिकल प्रवेश परीक्षाओं की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों से खुलकर बातचीत की। कार्यक्रम में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला भी मौजूद रहे।

यहां विद्यार्थियों ने मन से सवाल पूछे और वित्त मंत्री ने खुलकर उनके जवाब दिए। सवालों में पढ़ाई, जीवन में आगे बढ़ने का उत्साह, परेशानी, बेरोजगारी, आरक्षण, मेडिकल कॉलेज की सीटों की कमी जैसे कई विषय शामिल थे। केन्द्रीय मंत्री निर्मला सीतारमण, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के साथ कार्यक्रम में शामिल होने के लिए पहुंची। एलन समुन्नत कैम्पस में दोनों तरफ हाथों में तिरंगे झंडे लिए खड़े विद्यार्थियों ने भारत माता की जय के नारे के साथ उनका स्वागत किया।

इस दौरान सड़क किनारे खड़े विद्यार्थियों को देख निर्मला सीतारमण उनके बीच चली गई और उनसे बातचीत की, हालचाल पूछे और कोटा के बारे में जाना। इसके बाद समरस ऑडिटोरियम में दीप प्रज्जवलन के बाद कोचिंग सिटी कोटा की ओर से उनका स्वागत किया गया।

एलन की मातुश्री कृष्णादेवी मानधना ने उपर्णा पहनाकर और बुके देकर उनका स्वागत किया। एलन के निदेशक गोविन्द माहेश्वरी, नवीन माहेश्वरी व बृजेश माहेश्वरी ने बड़ा हार पहनाकर स्वागत किया। इस दौरान शहीदों के तीन बच्चे भी मंच पर आए और उन्होंने भी निर्मला सीतारमन का स्वागत किया। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि पूर्व रक्षा मंत्री और वित्त मंत्री का कोटा आना सौभाग्य है, आज हजारों विद्यार्थी उनसे बातचीत कर रहे हैं।

वित्त मंत्री हमेशा प्रेरणास्रोत रही हैं और यह कार्यक्रम भी विद्यार्थियों के लिए ऊर्जा साबित होगा। इसके बाद निर्मला सीतारमण ने अपने सम्बोधन की शुरुआत करते हुए विद्यार्थियों को अपना कर्तव्य याद दिलाया। उन्होंने कहा कि आपकी रक्षा के लिए सीमा पर जवान शहीद हो जाते हैं। जहां हम आधे घंटे खड़े नहीं रह सकते, सैनिक वहां 24 घंटे तैनात रहते हैं।

हमें स्वयं के बारे में सोचने के साथ-साथ देश की उन्नति में योगदान देने वाले हर व्यक्ति के बारे में सोचना चाहिए। दूसरों के लिए कुछ करने की सोच रखें। उन्होंने कहा कि कोटा मेरी नजर में ऐसा शहर है जो स्मार्ट है, जो हीरे तराशना जानता है। कोटा ने शिक्षा का महत्व समझा। देश के नामी आईआईटी और मेडिकल कॉलेज में जाने के लिए विद्यार्थियों को जो चाहिए वो कोटा देता है। कोटा ये जानता है कि स्कूल की शिक्षा और इंजीनियरिंग व मेडिकल के लिए होने वाली परीक्षाओं की शिक्षा में कितना अंतर है।

इसे कैसे पूरा करना है। यहां के लोगों ने विद्यार्थियों के लिए वो सबकुछ विकसित किया है जो उन्हें चाहिए। यही कारण है कि देशभर से स्टूडेंट्स यहां आते हैं। ये बच्चे प्रतिभावान भी होते हैं लेकिन इन्हें तराशने की आवश्यकता होती है और यही कोटा करता है। इसमें मेहनत है, अध्ययन है और स्मार्टनेस है। इसलिए देश के हर राज्य से स्टूडेंट्स कोटा में हैं। कार्यक्रम के अंत में एलन के निदेशक नवीन माहेश्वरी ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का संचालन अमित अरोड़ा ने किया।

संवाद कार्यक्रम में मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट की तैयारी कर रही छात्रा अपाला मिश्रा ने वित्तमंत्री से पूछा कि काफी मेहनत करने के बाद भी ऐसा लगता है कि सलेक्शन होगा या नहीं। कई बार कॉन्फिडेंस एकदम से कम हो जाता है। वित्त मंत्री ने कहा कि लाइफ में अप्स-डाउन चलते रहते हैं। क्योंकि बिना अप्स-डाउन के लाइफ आगे बढ़ेगी ही नहीं। आपने जिस दिन इनको अपना लिया, आप समझो कि लक्ष्य प्राप्ति का आधा मार्ग आपने हासिल कर लिया।

चुनौतियां आएंगी लेकिन आपको डटकर सामना करना होगा। कार्यक्रम में एलन में अध्ययनरत शहीदों के बच्चों का सम्मान भी हुआ। एक-एक विद्यार्थी मंच पर आया, केन्द्रीय मंत्री ने उन्हें उपर्णा पहनाया। बच्चों ने पैर छूकर उनका आशीर्वाद लिया। कुछ बच्चों से निर्मला सीतारमण ने बातचीत भी की। इस दौरान लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने भी बच्चों को उपर्णा पहनाया और उनके साथ फोटो ली। कार्यक्रम में राजेश रत्न, प्रिया कुमारी, प्रीति सिंह, कौशल पूनिया, नुपूर, सुमित शर्मा, छवि एवं अंकिता सिंह को सम्मानित किया। इन विद्यार्थियों के पिता ने देश सीमाओं की रक्षा के लिए अपने प्राणों का बलिदान दे दिया।

केन्द्रीय मंत्री ने जब विद्यार्थियों से संवाद किया तो उन्होंने कहा कि मैंने सुना है कोटा मिनी इंडिया है, तो बताओ कौन कहां से हैं? उन्होंने हाथ उठाकर बोलने को कहा, इस पर केन्द्रीय मंत्री ने लगभग सभी राज्यों के नाम लिए और हर राज्य के बच्चों ने हाथ उठाकर और शोर मचाकर उपस्थित दर्ज करवाई। कश्मीर से कन्याकुमारी, नोर्थ ईस्ट तक के बच्चों ने अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई। सबसे ज्यादा बिहार और उत्तर प्रदेश के बच्चों ने अपनी मौजूदगी का अहसास करवाया।

युवा शक्ति संवाद कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने देश से जुड़े विभिन्न बिन्दुओं पर सवाल पूछे। छात्रा महक गुप्ता ने डिजीटल यूनिवर्सिटी के शुरु होने को लेकर प्रश्न पूछा तो अंशिका बलवाड़ा ने पूछा कि आप लोगों को टैक्स पे करने के लिए कैसे मोटिवेट करते हैं और जो टैक्स पे नहीं करते, उन पर कैसे कार्यवाही की जाती है। समर भारद्धाज ने पूछा कि एक अच्छा एंटरप्रेन्योर बनने के लिए क्या करना होगा। दिव्या अग्रवाल ने इंडिया की इकोनॉमी को लेकर प्रश्न पूछा।

छात्रा तमन्ना अग्रवाल ने वित्तमंत्री से पूछा कि मेडिकल की तैयारी कर रहे स्टूडेंट्स और मेडिकल कॉलेजों की सीटों के बीच इतना अंतर कैसे है। वित्तमंत्री ने जवाब में कहा कि भारत सरकार इस दिशा में काम कर रही है और हमारा प्रयास है कि भारत के लगभग हर जिले में मेडिकल कॉलेज हो।

अमर बलिदानी हेमू कालानी की जन जागरण यात्रा का स्वागत हुआ

अमर बलिदानी हेमू कलानी की जन जागरण यात्रा का स्वागत किया गया।

कोटा, (निसं)। भारतीय सिंधु सभा द्वारा स्वतंत्रता के अमृतोसव वर्ष के अमृतवर्ष में अमर बलिदानी हेमू कालानी का जन्म शताब्दी वर्ष के उपलक्ष में जन जागरण यात्रा का कोटा महानगर में 2 दिन से जोरदार स्वागत किया गया।

पूज्य सिंधी जनरल पंचायत संस्थान के ओम आडवाणी के नेतृत्व में स्वामी शांति प्रकाश हॉल में शानदार आतिशबाजी एवं फूलों की वर्षा की गई। नगर अध्यक्ष जय चंचलानी ने बताया की गांधीधाम से मुकेश लखवानी, जयपुर से ईश्वर मोरवानी, दीपेश समतानी, नारायण परनानी, पूरे प्रदेश में रथ यात्रा के साथ चल रहे हैं सचिव प्रकाश वीर नथानी ने बताया देश भक्ति गीतों पर महिलाएं युवा और समाज बंधुओं के द्वारा नाचते-गाते एवं देशभक्ति नारों से लगातार माहौल को जोशीला कर दिया।

यात्रा का संत कंवर राम धर्मशाला, नारीशाला, बजरंग नगर स्टेशन कई स्थानों पर स्वागत सत्येश्वर महादेव पर धर्म सभा में परिवर्तित हो गई। बजरंग नगर सचिव सुरेंद्र झामनानी ने बताया यात्रा में गिरधारी पंजवानी, चंद्र प्रकाश खूबचंदानी, लाधाराम ग्वालानी, प्रताप बजाज, बलराम दासवानी, पुरुषोत्तम छाबड़िया, जय चंचलानी नरेश त किशोर आदि कई गणमान्य नागरिक समाजबंधु उपस्थित रहे।

कोटा के भुवनेश गुप्ता गोल्डन रीजन चेयरमैन अवार्ड से सम्मानित

कोटा, (निसं)। लायंस क्लब इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 3233 ई-2 के द्वारा लायंस ओलंपिक 2023 का समापन भीलवाड़ा में सेवा, संस्कार, समर्पण के संकल्प के साथ हुआ। उल्लास नाम से आयोजित इस कार्यक्रम में 200 से अधिक क्लब सदस्यों ने हर्षोल्लास के साथ विभिन्न गतिविधियां में भाग लेकर अपने क्लब द्वारा किए जा रहे कार्यों को बताया और नए कार्यों को करने का बीड़ा उठाया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व इंटरनेशनल डायरेक्टर व ओसवाल ग्रुप भारत की चैयरमैन अरुणा ओसवाल व अध्यक्षता वर्तमान इंटरनेशनल डायरेक्टर वीके लाड़िया थे। उन्होंने केबिनेट मीटिंग में लायंस क्लब की योजनाओं की जानकारी देते हुए कहा कि आने वाले समय में लायंस क्लब देश में विकराल रूप ले चुकी ई-वेस्ट समस्या के समाधान के लिए कार्य करेगा।

इस समस्या को कैसे रोका जा सकता है, इसे कम कैसे किया जा सकता है और मानव जीवन पर हो रहे इसके नुकसान से भी लोगों को अवगत कराएगा। इस अवसर पर इलेक्ट्रोनिक बुक लॉँच की गई।

कार्यक्रम के समापन अवसर पर बेहतरीन कार्य करने वाले क्लब व अन्य सदस्यों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर बेस्ट सेवाकार्य, श्रेष्ठ मैनेजमेंट, प्रशासनिक व सेवा कार्यों में अपनी महत्ती भूमिका निभाने और कई कार्यों के लिए लायंस क्लब के रीजन चेयरमैन भुवनेश गुप्ता को डायमंड रीजन चेयरपर्सन का अवार्ड दिया गया। गुप्ता द्वारा सेवाकार्यो में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेना, लीडरशिप ट्रेनिंग जैसे आरएलएलआई लीडरशिप ट्रेनिंग, बीएलएलआई ट्रेनिंग में महत्वपूर्ण योगदान और नवाचार के लिए दिया।

गुप्ता ने सेवा व लीडरशिप बन सके, अपने आप को तैयार करना, ऐसा प्लेटफार्म बनाने के लिए भी भुवनेश गुप्ता को नवाजा गया। इस दौरान लाडिया सहित क्लब सदस्यों ने गुप्ता को बधाई दी और कहा कि कोरोनकाल में प्लाज्मा डोनेशन में भुवनेश गुप्ता ने देश में जैसा कार्य किया वैसा किसी लायंस क्लब के द्वारा नही किया गया।

उन्होंने सैकड़ों लोगों की जिंदगी बचाई। वहीं समापन कार्यक्रम के दौरान लाड़िया ने एक देश एक दीप, एक परिवार, एक मित्र और एक दीप सेवा के लिए जलाने की बात कही। साथ ही ध्येय वाक्य सोच बदलो जीवन बदल जाएगा को चरितार्थ करने की बात कही।

इस अवसर पर पूर्व प्रांतपाल राजेन्द्र अग्रवाल, पूर्व प्रांतपाल बद्री विशाल माहेश्वरी ने आभार जताया। इस अवसर पर केबिनेट सेकेट्री निशांत जैन, कोषाध्यक्ष केसी गेहलांगा, डिस्ट्रिक्ट चेयरमैन स्पोर्ट्स विनोद सिंघवी, स्पोर्ट्स चेयरमैन महेन्द्र नाहर उपस्थित रहे। विभिन्न प्रतिस्पर्धाओं में कोटा टीम ने क्रिकेट में सेमीफाइनल में जगह बनाई। सदस्यों ने चैस, कैरम, बैडमिंटन, अंताक्षरी, टेबल टेनिस, केयर रेस और संगीत प्रतियोगिता थी।

कलाल समाज जरूरतमंद को निरंतर कम्बल बांटेगा

कोटा, (निसं)। हैहय क्षत्रिय कलाल संस्थान/सभा द्वारा तेज सर्दी को देखते हुए निर्धन व जरूरतमंदों को कम्बल वितरण अभियान निरंतर जारी है। रविवार को न्यू मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल, सुपर स्पेशियालिटी में कम्बल वितरण अभियान चलाया गया जहां 150 मरीजों को कम्बल का वितरण किया गया साथ ही जरूरतमंदों को भी कम्बल का वितरण किया गया।

- कम्बल वितरण अभियान के तहत मरीजों को लाभांवित किया

कलाल समाज शहर कि बस्तियों में जाकर जरूरतमंदों की मदद कर रहा है, साथ ही अस्पतालों में भी लोगों की सहायता कर रहा है। कलाल समाज अध्यक्ष राहुल पारेता ने कहा कि ये अभियान आगे भी जारी रहेगा सोमवार को एमबीएस चिकित्सालय परिसर व मरीजों को कम्बल का वितरण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि तेज सर्दी को देखते हुए इस अभियान को आगे भी चलाए जाने की योजना है।

मेडिकल कॉलेज में कंबल वितरण के दौरान कलाल समाज कोषाध्यक्ष नरेश तलाईचा, उपमंत्री आनंद मेवाड़ा, कार्यकारिणी सदस्य चेतराम मेवाड़ा, सहवरित सदस्य कस्तूरचंद पारेता, युवा मंडल अध्यक्ष कपिल पारेता, हिमांशु कलाल, कुलदीप तलाईचा, अनुपम वर्मा, जगदीप तलाईचा, श्याम गढ़वाल, मनीष पारेता, महिला मंडल संरक्षक मिथिलेश पारेता, महामंत्री चंदा मेवाड़ा, कोषाध्यक्ष वीनू ग्वालेरा, अनीता पारेता, रेखा पारेता, अन्य समाज बंधु उपस्थित रहे।

महाराजा अग्रसेन सेवा समिति का नववर्ष स्नेह मिलन कार्यक्रम संपन्न

महाराजा अग्रसेन सेवा समिति का स्नेही मिलन समारोह संपन्न हुआ है।

कोटा, (निसं)। महाराजा अग्रसेन सेवा समिति सुभाष नगर अनंतपुरा द्वारा भव्य मैरिज गार्डन सुभाष नगर में नववर्ष स्नेह मिलन समारोह आयोजित किया गया।

समिति के अध्यक्ष रमेश चंद्र गोयल ने बताया कि समाज में वात्सल्य बढ़ाने समाज की प्रतिभाओं को निखारने के लिए बच्चों की खेलकूद प्रतियोगिताएं की गई एवं इसमें बालिकाओं ने आकर्षक नृत्य पर प्रस्तुतियां दी। कार्यक्रम में वरिष्ठजनों भामाशाह को सम्मानित किया गया। जिससे वरिष्ठजनों ने स्वयं को गौरवान्वित महसूस किया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राम गोपाल अग्रवाल एवं विशिष्ट अतिथि मोहनलाल अग्रवाल महेश गुप्ता शिव ज्योति, विवेक राजवंशी, डॉ.रामकिशोर अग्रवाल एवं पीपी गुप्ता थे तथा अग्रवाल समाज की अन्य समितियों के अध्यक्ष एवं पदाधिकारी उपस्थित थे। मुख्य अतिथि रामगोपाल अग्रवाल ने अपने उद्बोधन में कहा समाज की युवा शक्ति मिलकर रचनात्मक कार्य करें एवं समाज विकास के साथ देश निर्माण में अपना योगदान दें।

इस कार्यक्रम में अग्रसेन जागृति महिला मंडल सुभाष नगर अनंतपुरा कोटा का पूर्ण सहयोग रहा समंच संचालन वंदना मित्तल कैलाश जैन एवं संजय जैन निर्माण द्वारा किया गया सोनिया गोयल द्वारा विभिन्न प्रतियोगिताएं एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम संपन्न करवाया गया।

कोटा की टीम ने बूंदी पहुंचकर नेत्रदान लिया

कोटा, (निसं)। बूंदी निवासी कृष्ण मोहन अग्रवाल का आकस्मिक निधन सामान्य चिकित्सालय बूंदी में होने पर परिवार के सदस्यों ने नेत्रदान की इच्छा जताई।

नेत्रदान परिवार की परंपरा में कृष्ण मोहन अग्रवाल की माता रामजानकी बाई का नेत्रदान ऋतुराज कोठीवाला स्मृति संस्था के संस्थापक मधुसूदन गुप्ता के सहयोग से 2010 में हुआ था नेत्रदान परिवार की परंपरा होने के कारण उनके पुत्र बोमेश अग्रवाल ने सूचना ऋतुराज कोठीवाला स्मृति संस्थान के संस्थापक मधुसूदन गुप्ता को दी।

मधुसूदन द्वारा नेत्रदान की सूचना नेत्र रोग विभाग मेडिकल कॉलेज कोटा दी गई। सूचना मिलते ही नेत्र रोग विभाग के डॉ अंकित शाह ने एमबीएस चिकित्सालय के इमरजेंसी सीएमओ ड्यूटी ऑफिसर डॉ कमल पारेता को एंबुलेंस के लिए कहा।

मेडिकल कॉलेज नेत्र रोग विभाग नेत्रदान सलाहकार भूपेंद्र सिंह हाड़ा, नेत्रदान टेक्नीशियन हेमंत यादव नेत्र रोग विभाग के डॉक्टर अंकित शाह एंबुलेंस से बूंदी पहुंचे।

वहां परिवार के सभी सदस्य कृष्ण मोहन अग्रवाल के पुत्र सोमेश अग्रवाल बोमेश अग्रवाल आनंद अग्रवाल वेद प्रकाश मंगल भ्राता सोमेश अग्रवाल, भोमेश अग्रवाल, आनंद मंगल पुत्र, सुरेश अग्रवाल जिला महामंत्री भारतीय जनता पार्टी, ताराचंद लखोटिया, जुनैद अख्तर, प्रतीक अग्रवाल, दीपक बिरला, अनंत गर्ग उपस्थित थे।

कृष्ण मोहन अग्रवाल पूर्व में अग्रवाल समाज के संरक्षक थे पेशे से व्यवसायी होते हुए कई सामाजिक गतिविधियों में भूमिका निभाई परिवार के लगभग 100 सदस्यो के बीच कृष्ण मोहन अग्रवाल के नेत्र टेक्निशियन हेमंत यादव द्वारा नेत्र संकलित किए गए।

उदर रोग एवं इलेक्ट्रोपैथी सेमिनार का भव्य आगाज

- इलेक्ट्रोपैथी पूरी तरह हर्बल, कोई साइड इफेक्ट नहीं : डॉ. आनंद प्रसाद मौर्य

कोटा, (निसं)। इलेक्ट्रोपैथी चिकित्सा परिषद की ओर से दो दिवसीय उदर रोग एवं इलेक्ट्रोपैथी चिकित्सा सेमीनार का आयोजन रविवार को यूआईटी ऑडिटोरियम में हुआ।

कार्यक्रम का शुभारंभ केशवराय पाटन विधायक चन्द्रकांता मेघवाल द्वारा किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला रहे, जबकी अध्यक्षता मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. विजय सरदाना ने की। विशिष्ट अतिथियों में कोटा दक्षिण विधायक संदीप शर्मा व लाड़पुरा विधायक कल्पना देवी रहीं।

वक्ताओं ने सम्बोधित करते हुए कहा कि जिस तरह आज के इस भौतिकवादी व आधुनिक युग में निरंतर विकास हो रहा है। उसी विकास के साथ आज नित नए-नए असाध्य रोग भी जन्म लेते जा रहे है। लोग भाग-दौड़ व थकान भरी जिंदगी में मानसिक तनाव व विभिन्न रोगों से ग्रस्त होते जा रहे है।

मानव जाति के पृथ्वी पर आगमन के साथ ही अनेक आर्युविद्याओं का भी उपयोग स्वस्थ व निरोग रहने के लिए मानव जाति करने लगी थी। भांति-भांति के विकास एवं विज्ञान की प्रगति ने आर्युविज्ञान को भी अछूता नहीं छोड़ा और विभिन्न प्रकार की चिकित्सा पद्धतियां विकसित हुई। जिसमें आयुर्वेद, नैचुरोपैथी, एलोपैथी, यूनानी, होमियोपैथी, एक्यूपंचर आदि कोई 100 प्रकार की चिकित्सा पद्धतियां आज दिखाई देती है। सभी पद्धतियां अपना-अपना महत्व रखती है। इसी उद्देश्य से इलैक्ट्रोपैथी पद्धति का जन्म हुआ। अब तक की सभी पद्धतियां से बिल्कुल भिन्न ये पद्धति इलाज के लिए कारगर हो रही है।

संरक्षक डॉ. आर.बी गुप्ता ने बताया कि इस कांफ्रेंस के माध्यम से देशभर के इलेक्ट्रोपैथी चिकित्सक यहां पर अत्याधुनिक तकनीक के साथ वर्तमान परिपेक्ष में लोगों की बीमारियों का निदान किस तरह से इलेक्ट्रोपैथी में किया जा सकता है, इस पर मंथन किया जा रहा है।

इलेक्ट्रोहोम्योपैथी चिकित्सा परिषद के अध्यक्ष हेमंत सेठिया ने बताया कि सेमीनार में इलेक्ट्रोपैथी चिकित्सा विशेषज्ञ उदर रोगों पर इलेक्ट्रोपैथी चिकित्सा के प्रभाव एवं परिणामों पर व्यापक जानकारियां प्रदान की गई।

दो दिवसीय सेमीनार में कोट आए डॉ. आनंद प्रसाद मोर्य अध्यक्ष काउंट मेटी इलेक्ट्रोहोम्योपैथी फोरम वेस्ट बंगाल ने मुख्य वक्ता के रूप में पाइल्स के बारे में बताया कि इलेक्ट्रोपैथी में इसका सम्पूर्ण उपचार है, इसका कोई साइड इफेक्ट नहीं है। उन्होंने कहा कि देश में इलेक्ट्रोपैथी चिकित्सा से सेवाएं देने वाले लाखों लोग हैं जो काम कर रहे हैं, शोध कर रहे हैं। यदि सरकार इलेक्ट्रोपैथी के लिए संविधान बनाए तो आमजन को इसका अधिकाधिक लाभ हो सकता है, राजस्थान ने इसके लिए पहल की है। उन्होंने कहा कि इलेक्ट्रोपैथी पूरी तरह से हर्बल है। ये होम्योपैथी से अलग है।

डॉ. मोर्य ने कहा कि अन्य बीमारियों में भी इलेक्ट्रोपैथी से लिया गया उपचार कारगर है, 80 प्रतिशत तक रोगी स्वास्थ्य लाभ लेते हैं। इस मंच के माध्यम से उन्होंने देशभर के इलेक्ट्रोपैथी चिकित्सकों की मांग सरकार के सामने रखी और नियम बनाकर सरकारी सेवाओं में इसे शामिल करने, इन्हें अन्य प्रदेशों में मान्यता देने और जो समस्याएं आ रही हैं उन्हें दूर करने की बात कही। उन्होंने कहा कि इलेक्ट्रोपैथी की दवाएं जटिल से जटिल रोगों में भी अपना प्रभाव दिखाती हैं, जैसे कि किडनी स्टोन, गॉलब्लैडर स्टोन, यूटरिन फाइब्रॉयड तथा पेट की सभी समस्याओं को ठीक करने में कारगर है।

कार्यक्रम मीडिया प्रभारी शादाब अहमद, वरिष्ठ चिकित्सक आबिद खान ने बताया कि दो दिवसीय सेमीनार के प्रथम दिन हुए सेशन में जहां आमजन के हितार्थ बातों का समावेश करते हुए इलेक्ट्रोपैथी की वर्तमान उपयोगिता को बताया गया। ये बात निकलकर सामने आई की इलेक्ट्रोपैथी की सभी औषधियां वनस्पति जगत से निर्मित हैं, इस पद्धति के अलावा अन्य पद्धतियों में औषधियों का निर्माण पादप जगत के अलावा खनिज लवण जीव जंतु तथा संश्लेषित रसायनों द्वारा होता है तथा यह औषधियां मानव शरीर पर कई हानिकारक और अहित कारक प्रभाव डालती हैं, परंतु इस एकमात्र चिकित्सा पद्धति की संपूर्ण औषधियां पूर्णरूपेण पौधों पर आश्रित होने के कारण हानि रहित होती हैं। इस कार्यक्रम में देशभर के सैकड़ों चिकित्सक भाग ले रहे हैं।

हैरिटेज रिवर फ्रंट में भरे जा रहे हैं खूबसूरती के रंग

कोटा में हेरिटेज भवनों का सौंदर्यकरण तेजी से चल रहा है।

- चंबल रिवर फ्रंट संस्कृति, सभ्यता, हैरिटेज का अद्भुत संगम
- पर्यटन विकास से कोटा की अर्थव्यवस्था को बल मिलेगा : धारीवाल

कोटा, (निसं)। नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन मंत्री शांति धारीवाल की पहल पर कोटा में विकसित किए जा रहे दुनिया के पहले हैरिटेज रिवर फ्रंट का निर्माण कार्य अंतिम चरण में है।

विश्व स्तरीय पर्यटन स्थल चंबल रिवर फ्रंट पर अलग-अलग थीम पर निर्माण किए गए घाटों का कार्य पूर्ण होने के साथ ही रिवरफ्रंट क्षेत्र में हेरिटेज लुक के साथ तैयार हो रही विश्व स्तरीय इमारतों के फसाड़ का कार्य भी अंतिम चरण में है। शिल्पकार चंबल रिवर फ्रंट की खूबसूरती को बखूबी निखारने में जुटे हुए हैं रिवर फ्रंट पर विभिन्न घाटों के निर्माण के साथ विश्व कीर्तिमान भी स्थापित होने जा रहे हैं जिसका का कार्य अब अंतिम चरण में है। न्यास सचिव राजेश जोशी ने बताया कि यूडीएच मंत्री शांति धारीवाल के निर्देशन में कोटा में आवागमन, आधारभूत सुविधाओं के विस्तार सहित विकास के अभूतपूर्व कार्यो के साथ ही पर्यटन विकास के विश्व स्तरीय महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट जल्द पूर्ण होने जा रहे हैं। यहां देशी, विदेशी पर्यटक जब यहां घूमने आएंगे तो रिवरफ्रंट की खूबसूरती और आकर्षण के बेहद प्रभावित होंगे। चंबल रिवर फ्रंट पर विभिन्न घाटों का निर्माण अलग-अलग थीम पर पर्यटकों के आकर्षण के लिए किया गया है।

सिंह घाट की खासियत यह है कि यहां आकर्षक घाट के साथ बांसवाड़ा व्हाइट मार्बल से 9 शेरों की प्रतिमाओं को लगाया गया हैं जो बेहद आकर्षक दिखाई देते है इसके साथ ही पर्यटकों के जलपान की सुविधाओँ को भी यहां हैरिटेज अंदाज में विकसित किया गया हैं, इस घाट पर विभिन्न प्रतिष्ठान संचालित होंगे। कमर्शियल शॉप्स का निर्माण भी हेरिटेज लुक के साथ आकर्षक किया गया है। रिवर फ्रंट पर विकसित किए गए प्रत्येक घाट की अपनी एक अलग विशेषता और आकर्षण होगा।

कोचिंग सिटी के साथ पर्यटन नगरी बनाना है:- यूडीएच मंत्री शांति धारीवाल ने कहा कि कोचिंग सिटी के साथ कोटा पर्यटन के क्षेत्र में भी विश्व स्तरीय पहचान कायम करें कोटा की अर्थव्यवस्था में पर्यटन विकास से अमूल-चूल परिवर्तन हो रोजगार के अवसर उपलब्ध हो और व्यापार में बढ़ोत्तरी हो इसी उद्देश्य के साथ कोटा में आवागमन सौंदर्य करण सहित आधारभूत सुविधाओं के विस्तार के कार्यों को प्रमुखता से करवाया गया है ताकि शहरवासियों के साथ-साथ पर्यटकों को भी सभी सुविधाओं का लाभ मिल सकें चंबल रिवर फ्रंट दुनिया का पहला हेरिटेज रिवर फ्रंट है जो जल्द विश्व मानचित्र पर कोटा को पहचान दिलवा एगा।

राजस्थान में पर्यटन विकास के क्षेत्र में चंबल रिवर फ्रंट महत्वपूर्ण साबित होगा। 'मैं लगातार रिवरफ्रंट के कार्यों की मॉनिटरिंग कर रहा हूं, उम्मीद है जल्द ही विश्व स्तरीय पर्यटन का यह प्रोजेक्ट पूर्ण होने जा रहा है।

राजस्थान आवासन मण्डल कोटा वृत्त कोटा

क्रमांक 3815 **जाहिर आम सूचना** दिनांक 28.12.2022

आवास संख्या 2-च-15 दादाबाडी, कोटा का आवंटन मण्डल द्वारा श्री रघुबीर सिंह पुत्र श्री उमराव सिंह को किया गया। इस आवास का पंजीयन श्री रघुवीर सिंह पुत्र श्री उमराव सिंह के नाम दिनांक 03.08.2000 को किया गया। श्री रघुवीर सिंह पुत्र श्री उमराव सिंह की मृत्यु दिनांक 07.05.2021 को हो चुकी है। एवं उनके पत्नी श्रीमती शशि जैन पत्नी श्री रघुवीर सिंह की मृत्यु दिनांक 20.07.2008 को हो चुकी है। इनकी मृत्यु पश्चात इनके समस्त वारिसानों श्री सुबीर सिंह जैन, श्री समीर सिंह जैन व श्री सुदीप सिंह जैन पुत्र स्व. श्री रघुवीर सिंह जैन द्वारा उक्त आवास का हस्तान्तरण/प्रतिस्थापन क्षतिपूर्ति बंधक पत्र, शपथ पत्र एवं मृत्यु प्रमाण पत्र के आधार पर स्वयं के नाम संयुक्त रूप से दर्ज करने हेतु आवेदन किया गया।

अतः उक्त आवास का हस्तान्तरण/प्रतिस्थापन क्षतिपूर्ति बंधक पत्र, शपथ पत्र एवं मृत्यु प्रमाण पत्र के आधार पर श्री सुबीर सिंह जैन, श्री समीर सिंह जैन व श्री सुदीप सिंह जैन पुत्र स्व. श्री रघुवीर सिंह जैन के नाम दर्ज करने किसी भी पक्षकार/व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो 15 दिवस के अन्दर इस कार्यालय को सूचित करें। अन्यथा यह मानते हुए कि उक्त आवास का हस्तान्तरण/प्रतिस्थापन क्षतिपूर्ति बंधक पत्र, शपथ पत्र एवं मृत्यु प्रमाण पत्र के आधार पर श्री सुबीर सिंह जैन, श्री समीर सिंह जैन व श्री सुदीप सिंह जैन पुत्र स्व. श्री रघुवीर सिंह जैन के नाम दर्ज किये जाने में किसी भी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ति नहीं है। उक्त आवास का हस्तान्तरण/प्रतिस्थापन क्षतिपूर्ति बंधक पत्र, शपथ पत्र एवं मृत्यु प्रमाण पत्र के आधार पर श्री सुबीर सिंह जैन, श्री समीर सिंह जैन व श्री सुदीप सिंह जैन पुत्र स्व. श्री रघुवीर सिंह जैन के नाम दर्ज कर दिया जावेगा।

उप आवासन आयुक्त, राजस्थान आवासन मण्डल, कोटा वृत्त कोटा

बहरोड जिला अस्पताल गोलीकांड के आरोपियों को छुड़ाने थाने पहुंचे सांसद बालकनाथ

बहरोड में डीवाईएसपी तथा थाने के डीओ को बर्खास्त कराने की मांग को लेकर समर्थकों के साथ धरने पर बैठे सांसद बालक नाथ

बहरोड़/भिवाड़ी, (निसं)। बहरोड़ पुलिस द्वारा 4 लोगों को जिला अस्पताल बहरोड़ में हुई गोलीकांड की घटना की जांच के मामले में पकड़ने पर बहरोड़ थाने के सामने उनको छुड़ाने के लिए अलवर सांसद महंत बालक नाथ योगी ने सैकड़ों लोगों के साथ सीधे थाने में घुसकर डीवाईएसपी आनंद राव तथा थाने के डीओ भीम सिंह को बर्खास्त कराने के लिए उप अधीक्षक कार्यालय पर धरने पर बैठने के चलते भिवाड़ी एसपी ने देर शाम पहुंचकर मामला शांत कराया।

गौरतलब है कि 5 जनवरी को विक्रम उर्फ लादेन गैंगस्टर पर गैंगस्टरों द्वारा किये गये गोलीकांड जांच करने के दौरान बहरोड़ पुलिस द्वारा एडवोकेट राजाराम, हितेंद्र, निशांत तथा नूतन सैनी को पूछताछ के लिए पकड़ने पर अलवर सांसद बालक नाथ योगी के नेतृत्व में क्षेत्र के सभी छोटे नेताओं से लेकर कद्दावर नेता नेशनल हाईवे नंबर 48 पर स्थित उप पुलिस अधीक्षक कार्यालय में अधिकारी आनंद राव तथा डीओ भीम सिंह को बर्खास्त करने को लेकर धरने पर बैठने से जिला पुलिस अधीक्षक शांतनु कुमार सिंह ने बहरोड़ पहुंचकर अलवर सांसद बालक नाथ के नेतृत्व में क्षेत्र के लोगों से घटनाक्रम की जानकारी लेकर उचित कार्यवाही करने का आश्वासन दिया ।

जिसके अंत में पुलिस अधीक्षक ने धरने पर बैठे लोगों के बीच जाकर संपूर्ण मामले की उचित जांच कर 5 दिन में पकड़े गए चार लोगों के मामले में उचित कार्यवाही करते हुए न्याय करने का आश्वासन दिया तथा क्षेत्र के कुछ लोगों ने जब दोनों को ही तत्काल प्रभाव से बर्खास्त कराने का प्रयास किया तो जैसे तैसे एसपी ने 5 दिन का समय लेते हुए मामले की जांच कर उक्त मामले में कानूनी प्रक्रिया से जांच की जाएगी जिसके बाद ही कोई निर्णय पर पहुंचा जा सकता है।

इस दौरान अलवर सांसद बालक नाथ योगी के नेतृत्व में अलवर जिला प्रमुख बलवीर छिल्लर, बहरोड प्रधान प्रतिनिधि बस्तीराम यादव, विधानसभा के पूर्व कांग्रेस प्रत्याशी रामचंद्र यादव, भाजपा अलवर उत्तर जिला अध्यक्ष बलवान सिंह यादव, पूर्व प्रधान रोहताश यादव, भाजपा के देवेंद्र यादव, डॉक्टर नीलम यादव, आर एस एस एवं भाजपा के वरिष्ठ कार्यकर्ता सुरेश यादव तथा पुलिस प्रशासन एवं सुरक्षा तंत्र के लोगों सहित बड़ी तादाद में अलग-अलग समूह के समर्थक उपस्थित रहे।

बहरोड़ पुलिस उप अधीक्षक कार्यालय में अपने समर्थकों के साथ सांसद बालकनाथ योगी।

- भिवाड़ी एस पी ने बहरोड़ पहुंचकर मामला शांत कराया

घने कोहरे ने तीन लोगों की जान ली

नहर में कार के गिरने से हुई मौत

श्रीगंगानगर, (निसं)। क्षेत्र में घने कोहरे ने तीन लोगों की जान ले ली। विजिबिलटी कम होने के कारण कार गंगनहर में गिर गई। इसमें फंसे दो दोस्तों की डूबने से मौके पर ही मौत हो गई जबकि एक ने हॉस्पिटल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

एक्सीडेंट गंगानगर के साधुवाली में देर रात करीब 11 बजे हुआ। पुलिस के अनुसार हादसे में साधुवाली के रहने वाले दो किसान व एक पंजाब के किसान की मौत हो गई। मृतक रवींद्र (30) पुत्र सुभाष पंजाब के गांव गुमजाल का रहने वाला है। अजमेर सिंह (45) पुत्र सुरजीत सिंह और संजय (36) पुत्र पूर्ण सिंह साधुवाली के ही रहने वाले हैं।

दरअसल, तीनों किसान अपने एक परिचित के खेत पर गए थे। वहां से लौटते समय ये लोग खेत से नहर की पुलिया पर चढ़े ही थे। इस दौरान कार की स्पीड बढ़ाने से हादसा हो गया। कार के नहर में गिरते ही दरवाजा खुल गया, लेकिन केवल संजय ही कार से बाहर निकल पाया। अजमेर सिंह और रवींद्र सिंह कार में फंसे रह गए। संजय ने कार से निकलकर किनारे की तरफ जाकर मोबाइल की रोशनी की। इसी दौरान करीब से निकल रहे एक कार ड्राइवर ने संजय को बाहर निकाला और हॉस्पिटल पहुंचाया। हालांकि, इलाज के दौरान उसकी भी मौत हो गई। स्थानीय लोगों ने पुलिस को घटना की जानकारी दी।

रात होने के कारण बाकी दोनों शवों के बारे में कोई जानकारी नहीं मिली। रविवार सुबह नहर में फिर सर्च किया गया। घटनास्थल से कुछ दूरी पर अजमेर सिंह और रवींद्र के शव मिले। घटना की जानकारी मिलने पर सुबह बड़ी संख्या में ग्रामीण जमा हो गए। वहीं, मृतकों के परिवार को जब इसकी जानकारी दी गई तो वहां कोहराम मच गया। तीनों के शव श्रीगंगानगर के सरकारी हॉस्पिटल की मॉर्चरी में रखवाए गए हैं।

- गाड़ी के अंदर फंसे दो दोस्तों की नहर में डूबने से हुई मौत एक ने अस्पताल में दम तोड़ा
- मोबाइल टॉर्च जलाकर मदद मांगता रहा घायल

गौवंश से भरे वाहन सहित एक को पकड़ा, दो फरार

खैरथल, (निसं)। समीपवर्ती ततारपुर थाना पुलिस ने कत्लखाने को एक कैट्रा वाहन में क्रुरता पूर्वक भरे गौवंश के सहीत एक तस्कर को गिरफ्तार किया है जबकि उसके दो साथी कोहरे का फायदा उठाकर भाग जाने में सफल रहे।

थाना प्रभारी शेर सिंह ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिलने पर रविवार की भोर में करीब 4 बजे एक कैंट्रा वाहन का पीछा करते हुए काशिया की ढाणी के समीप घेर कर तलाशी ली तो उसमें क्रूरता पूर्वक ढंग से 14 गौवंश भरे हुए थे जिनमें 5 मर चुके थे जबकि शेष 9 गौवंश को मुक्त कराया गया।

पुलिस ने मौके पर अल्ली उर्फ अली मोहम्मद पुत्र खानु जाति तेली मुस्लिम निवासी राणीया मोहल्ला,बीमा थाना फिरोजपुर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से कैंट्रा वाहन, रस्सी के 14 टुकडे बरामद किए गए।

उन्होंने बताया कि उसके दो साथी सन्नी भडभूजा निवासी घाटमीका थाना पहाडी भरतपुर और खालिद पुत्र अब्दुल करीम निवासी मिर्जापुर थाना किशनगढबास कोहरे और अंधेरे का फायदा उठाकर भाग जाने में सफल रहे,जिनकी तलाश की जा रही है। पुलिस की स्पेशल टीम में दयाल, दीपांशु,बिंटू कुमार व अनिल थानाधिकारी शेर सिंह के साथ शिव शर्मा शामिल रहे।

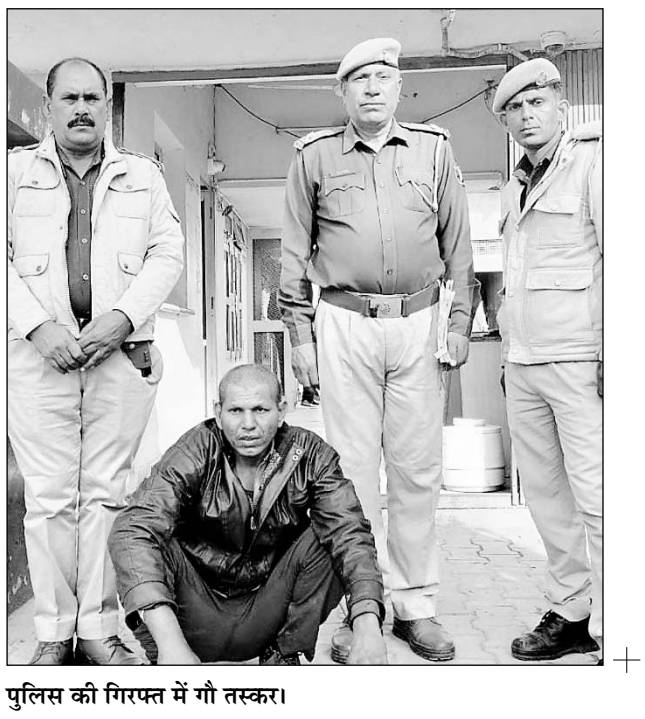

पुलिस की गिरफ्त में गौ तस्कर।

एमडीएस की छात्रा की सड़क हादसे में मौत

अजमेर, (कासं)। महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय के छात्रों की शनिवार देर रात मोटरसाईकल दुर्घटनाग्रस्त हो गई। जिसमें एम.एस.सी.रसायन शास्त्र की छात्रा आस्था गौतम की मौके पर ही मौत हो गई वही दो छात्र घायल हो गये है। मृतक छात्रा जयपुर के मानसरोवर निवासी 23 साल की आस्था गौतम है। वहीं घायलों में उदयपुर वाटिका झुंझुनूं निवासी अंकित जांगिड़ और चौमू निवासी सर्वेश स्वामी है। घायल छात्रों के सर में टांके आए हैं और पैर फेक्चर भी हैं। तीनों महर्षि दयानन्द सरस्वती विवि में केमेस्ट्री पीजी चतुर्थ सेमेस्टर के छात्र है। वे अजमेर में रहकर पढ़ ाई कर रहे थे।

मृतका आस्था गौतम

- शोक सभा एवं शैक्षणिक अवकाश आज, दो छात्र घायल

मृतका छात्रा और दोनों छात्र विश्विद्यालय के पास स्थित कॉलोनी में किराए के मकान में रहकर पढ़ ाई कर रहे थे। रात करीब साढे 11 बजे किसी रेस्टोरेंट पर खाना खा कर आ रहे थे। अशोक उद्यान के पास पीछे से आ रहे अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी। इससे तीनों बाइक सवार सड़क पर गिर गए। हादसे में आस्था की मौके पर ही मौत हो गई। सर्वेश व अंकित घायल हो गए। सूचना मिलने पर सिविल लाइन थाना पुलिस पहुंची। शव को जेएलएन अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है। दोनों घायल छात्रों का जेएलएन अस्पताल में इलाज चल रहा है।

विश्वविद्यालय में अध्ययनरत का सड़क दुर्घटना में असामयिक निधन पर कुलपति के आदेश अनुसार शोक सभा बृहस्पति भवन के सामने सोमवार दोपहर एक बजे होगी। शैक्षणिक कार्यों का अवकाश रहेगा तथा विश्वविद्यालय की परीक्षाएं यथावत रहेंगी।

चूरू में पारा -0.5 डिग्री दर्ज

चूरू, (कासं)। रविवार को चूरू में पारा माइनस में रहा। ऐसे में यहां सर्दी और बढ़ गई। हालांकि यहां अधिकतम तापमान में भारी बढ़ोतरी हुई है। मौसम विभाग के अनुसार रविवार को चूरू में न्यूनतम तापमान माइनस 0.5 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 25.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ है। पिछले दिवस की तुलना में आज यहां अधिकतम तापमान में 4.8 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी हुई है। दो दिन में कुल मिलाकर यहां अधिकतम तापमान 8.0 डिग्री सेल्सियस बढ़ गया है। जबकि न्यूनतम तापमान में आज 0.5 डिग्री सेल्सियस की गिरावट आई है।

फर्जी पट्टे जारी करने वाले काछोला सरपंच और ग्राम विकास अधिकारी के खिलाफ कार्यवाही ठंडे बस्ते में

मांडलगढ, (निसं)। मांडलगढ़ पंचायत समिति की ग्राम पंचायत काछोला में सरपंच और ग्राम विकास अधिकारी ने सरकारी बेशकीमती भूमि में 50 से अधिक पट्टे नियम विरुद्ध जारी किए । जिससे पंचायत को करोडों के राजस्व की चपत लगी । इस मामले में विभागीय जांच में सरपंच ओर बीडीओ को दोषी मान भीलवाडा ज़िला परिषद सीईओ ने दो माह पूर्व दोनों आरोपी के खिलाफ कार्रवाई के लिए सम्भागीय आयुक्त को पत्र प्रेषित किया लेकिन अब कार्रवाही को ठंडे बस्ते में डाल सरपंच ओर बीडिओ को बचाया जा रहा हैं।

मांडलगढ विधायक गोपाल खंडेलवाल ने आरोप लगाया कि काछोला सरपंच प्रहलाद नट ओर बीडीओ गोरधन पूरी ने पंचायत की व्यवसायिक और आबादी भूमि में अतिक्रमियों को 200 रुपए में नियम विरुद्ध करीब 57 पट्टे जारी किए हैं और सरपंच ने दबंगई जता वर्तमान बीडीओ नरेंद्र मिश्रा के साथ मारपीट करने का मामला पुलिस ने दर्ज किया है। प्रशासनिक जांच में दोषी पाए जाने के बाद भी राज्य की कांग्रेस सरकार के नेता अफसर दोषी सरपंच ओर तत्कालीन बीडीओ को बचाने में लगे हैं।

विधायक ने बताया कि सरपंच द्वारा जारी किए गए 16 पट्टों की जाँच रिपोर्ट पंचायतराज विभाग जयपुर को पत्र क्रमांक 952,9 सितम्बर 2022 को ओर जिला परिषद भीलवाड़ा मुख्य कार्य कारी अधिकारी ने पत्र क्रमांक 1608-10, 4 नवम्बर 2022 को सम्भागीय आयुक्त अजमेर को प्रेषित कर दी गई थी। वहीं भीलवाडा कलेक्टर के यहां 16 पट्टों की निरस्त करने के लिए मांडलगढ पँचायत समिति विकास अधिकारी द्वारा निगरानी दायर करा रखी हैं।

विधायक ने कहा कि दोषी सरपंच प्रहलाद नट ओर बीडीओ गोरधन पूरी को तत्काल निलंबित कर पुलिस ने गिरफ्तार नहीं किया तो भाजपा के कार्यकर्ताओं के साथ आंदोलन किया जाएगा और विधानसभा में मामला उठाया जाएगा।

उधर काछोला में पंचायत बचाओ संघर्ष समिति द्वारा सरपंच प्रहलाद नट के खिलाफ मोर्चा खोल रखा है और एक सप्ताह से धरना जारी है। संघर्ष समिति ने बताया कि सरपंच की गिरफ्तारी और बर्खास्त नहीं होने पर सोमवार से बाजार बंद करा कर चक्काजाम किया जाएगा। सरपंच प्रहलाद नट द्वारा बीडीओ नरेंद्र मिश्रा के साथ मारपीट के मामले में ग्राम विकास अधिकारी संघ द्वारा मांडलगढ पंचायत समिति में सरपंच की गिरफ्तारी होने तक धरना जारी रखने का निर्णय किया है । काछोला सरपंच का कहना है कि ग्रामीणों को पट्टे नियमानुसार दिए है और मुझ पर लगाए जा रहे अन्य आरोप निराधार हैं ।

आरोपितों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर सरपंच संघ ने बीडीओ को ज्ञापन दिया।

- विभागीय जांच में सरपंच ओर बीडीओ के खिलाफ सीईओ ने सम्भागीय आयुक्त को पत्र लिखा

एयर कमोडोर जेपीएस बैंस रोहट जम्बूरी में पहुंचे

सभी संभागियों को वायु सेना में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित किया

जोधपुर, (कासं)। वायु सेना स्टेशन जोधपुर के एयर ऑफिसर कमांडिंग एयर कमोडोर जेपीएस बैंस ने रविवार को पाली जिले के रोहट में चल रही 18वीं राष्ट्रीय स्कउट गाड जम्बूरी में मुख्य अतिथि के रूप में हिस्सा लिया। इस जम्बूरी में भारत के साथ-साथ अन्य देशों के लगभग 37000 स्काउट भाग ले रहे हैं। कार्यक्रम के दौरान एयर कमोडोर जेपीएस बैंस को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया।

उन्होंने राष्ट्रीय ध्वज फहराया और विभिन्न कार्यक्रमों की शुरूआत की। अपने उद्बोधन में एयर कमोडोर जेपीएस बैंस ने सभी प्रतिभागियों को बधाई दी और विश्वास व्यक्त किया कि यह आयोजन निश्चित रूप से भारत स्काउट और गाइड के देशभक्ति, ईमानदारी और सर्वोपरि मानवीय मूल्यों के मुख्य उद्देश्य को प्राप्त करेगा। उन्होंने प्रतिभागियों को भारतीय वायु सेना में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित किया।

वाणिज्यिक सहायक-द्वितीय की काउंसलिंग 10 जनवरी से

अजमेर, (कासं)। अजमेर विद्युत वितरण निगम के पंचशील स्थित मुख्यालय में नव चयनित वाणिज्यिक सहायकों- द्वितीय के पदस्थापन के लिए काउंसलिंग 10 जनवरी से आयोजित की जाएगी। यह काउन्सलिंग 10, 11, 17 व 18 जनवरी को आयोजित की जाएगी। इस दौरान टीएसपी क्षेत्र के लिए 132 अभ्यर्थियों तथा नॉन टीएसपी क्षेत्रों के 182 अभ्यर्थियों की काउंसलिंग की जाएगी।

अजमेर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के सचिव प्रशासन एनएल राठी ने बताया कि हाल ही में अजमेर डिस्कॉम के लिए चयनित 314 वाणिज्यिक सहायक-द्धितीय की काउंसलिंग 10,11,17 व 18 जनवरी को पंचशील स्थित अजमेर डिस्कॉम के मुख्यालय में आयोजित की जाएगी। प्रत्येक दिन 10, 11 व 17 जनवरी को 90 अभ्यर्थियों की काउंसलिंग की जाएगी तथा अंतिम दिन 18 जनवरी को 44 अभ्यर्थियों की काउंसलिंग की जाएगी । उन्होंने बताया कि निगम की काउंसलिंग पॉलिसी के तहत दिव्यांग, विधवा, तलाकशुदा महिला, निगम कर्मचारी, भूतपूर्व सैनिक एवं महिला अभ्यर्थियों को पदस्थापन में प्राथमिकता दी जाएगी। सचिव प्रशासन राठी ने बताया कि काउन्सलिंग प्रतिदिन दो पारियों में आयोजित की जाएगी। प्रतिदिन सुबह 10 से 1:30 तथा दोपहर 2 से 5:30 के मध्य काउन्सलिंग का आयोजन होगा। प्रत्येक पारी में 45 अभ्यर्थियों की काउंसलिंग की जाएगी। उन्होंने सभी अभ्यर्थियों से अपील करते हुए कहा कि सभी अभ्यर्थी रिपोर्टिंग के लिए आधा घंटे पहले पहुंचे तथा अपने आवश्यक दस्तावेज (जैसे- आधार कार्ड, कलर फोटोग्राफ, प्रवेश पत्र की प्रति तथा अन्य दस्तावेज जो निगम की वेबसाइट में दर्शाए गए है) साथ मे लाना सुनिश्चित करे।

अजमेर विद्युत वितरण निगम के जॉइंट डायरेक्टर आर.के.अरोड़ा ने बताया कि किसी अभ्यर्थी के काउंसलिंग दिवस पर देरी से आने की अवस्था में तत्समय उपलब्ध शेष रही रिक्तियों में से ही चयन की अनुमति दी जाएगी। जिन चयनित अभ्यर्थियों ने पदस्थापन हेतु आवेदन नहीं दिया है या आयोजित काउन्सलिंग में हिस्सा नहीं लिया है तो उन्हें काउन्सलिंग प्रक्रिया पश्चात् उपलब्ध शेष रहे पदों पर पदस्थापित किया जायेगा। उन्होंने बताया कि काउन्सलिंग के लिए सभी अभ्यर्थियों को ईमेल के माध्यम से तथा उनके रजिस्टर्ड नम्बर पर कॉल कर उन्हें सूचित कर दिया गया है। इसके अलावा कोई भी अभ्यर्थी निगम की वेबसाइट से भी काउन्सलिंग संबंधित सभी जानकारी हासिल कर सकता है।

- 314 पदों के लिए होनी है काउन्सलिंग, इसमें 132 टीएसपी क्षेत्रों के

जोधपुर रेलवे स्टेशन बनेगा विश्वस्तरीय

जोधपुर, (कासं)। रेलवे प्रशासन द्वारा जोधपुर स्टेशन का विश्वस्तरीय विकास किया जायेगा। इसके लिए 474 करोड़ रू. का कार्य अवार्ड किया गया है एवं कार्य प्रगति पर है। 36 महीनों में स्टेशन पुनर्विकास का कार्य पूरा कर लिया जाएगा। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी कैप्टन शशि किरण के अनुसार महाप्रबन्धक विजय शर्मा के कुशल दिशा निर्देशन में जोधपुर स्टेशन के पुनर्विकास का कार्य तीव्र गति से प्रगति पर है। रेल भूमि विकास प्राधिकरण द्वारा कार्य बेंगलुरु की कंस्ट्रक्शन कंपनी को जारी कर दिया गया है। कंपनी द्वारा प्रतिनिधि नियुक्त कर स्टेशन विकास के लिए संसाधन जुटाने के प्रयास प्रारंभ कर दिए गए हैं।

वर्तमान जोधपुर स्टेशन पर मल्टीस्टोरी बिल्डिंग का निर्माण प्रस्तावित है। मुख्य स्टेशन भवन में मल्टी लेवल कार पार्किंग, आगमन, प्रस्थान के लिए अलग-अलग गेट, सुरक्षा जांच क्षेत्र, 72 मीटर चौडाई का कॉन्कोर्स एरिया सहित 32 नई लिफ्ट एवं 16 नये एस्केलेटर लगाकर मौजूदा संख्या को बढ़ाया जाएगा। स्टेशन पर मौजूद दोनों फुटओवर ब्रिज को स्काई वॉक से जोडा जाएगा। इसके साथ ही स्टेशन पर अनारक्षित प्रतीक्षालय, एक्जिक्यूटिव प्रतीक्षालय, खुदरा स्टालें, शौचालय, शिशु आहार कक्ष के साथ ही समस्त प्रकार की आधुनिक यात्री सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। स्टेशन के पुनर्विकास में सूर्यनगरी की समृद्ध विरासत का ध्यान रखा जाएगा।

आप बैंक से ऋण लें, आपके गारंटर स्वयं मोदी हैं: निर्मला सीतारमण

कोटा में बना कीर्तिमान, 33834 लाभार्थियों को दिया 1580 करोड़ का ऋण

कोटा, (निसं)। कोटा के नाम रविवार को एक और रिकॉर्ड दर्ज हुआ। यहां दशहरा मैदान में आयोजित विशाल ऋण वितरण मेले में 33834 लाभार्थियों को 1579.56 करोड़ का ऋण जारी किया गया। लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला और देश की वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लाभार्थियों को ऋण राशि के चैक वितरित किए।

एक ही आयोजन में लाभार्थियों की संख्या और जारी की गई ऋण राशि की दृष्टि से यह देश का अब तक सबसे बड़ा और सफल ऋण वितरण मेला रहा। लाभार्थियों में सड़क पर सब्जी, फल, फूल, चाय-नाश्ता तथा अन्य फुटकर सामग्री बेचने वाले स्ट्रीट वेंडर्स से लेकर लघु उद्यमी, स्वयं सहायता समूह, पशुपालक, किसान, युवा आदि शामिल हैं। इस अवसर पर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सपना है कि देश के नवनिर्माण में हर व्यक्ति का योगदान हो।

लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि समाज के सबसे कमजोर वर्ग के सशक्तिकरण की दिशा में यह बड़ी पहल है। इसके बेहद सफल और उत्साहजनक परिणाम जल्द सामने आएंगे। देश की वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कोटा की धरती से देशभर के स्ट्रीट वेंडर्स, युवाओं, किसान, पशुपालकों, स्वयं सहायता समूहों महिलाओं का आदि का आव्हान किया कि अपनी आर्थिक समृद्धि के लिए वे बैंक से ऋण लें। आपको वहां सोना, जमीन या अन्य किसी चीज की गारंटी देने की जरूरत नहीं हैं, आपके गारंटर स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हैं। वे दशहरा मैदान में आयोजित विशाल ऋण वितरण मेले को संबोधित कर रही थी।

निर्मला सीमारमण ने कहा कि देश के बैंक अब आम आदमी और गरीब के साथ हैं। यही कारण है कि कोटा में हम एक ही दिन में 1580 करोड़ के ऋण जारी किए हैं। उन्होंने कहा कि इस पूरी प्रक्रिया के पीछे स्पीकर ओम बिरला की बड़ी प्रेरणा रही। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने महिलाओं का आव्हान किया कि वे आगे आएं और कृषि उपज समूह तैयार करें। इस उपज को उत्पन्न करने, उसके प्रसंस्करण और उसके भंडारण की व्यवस्था के लिए उन्हें बहुत कम दर पर लोन मिलेगा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि लोक सभा अध्यक्ष के पास सदन के काम का बहुत भार होता है पर वे कोटा को कभी नहीं भूलते।

स्पीकर बिरला ने कहा कि मेरा सपना है कि कोटा में पशुपालकों को ऋण के माध्यम से इतना सक्षम बनाए कि कोटा की धरती नई श्वेत क्रांति का केंद्र बने। यहां घर में पशुपालन हो और सामूहिक प्रयासों से हम यहां कोटा में अमूल से बड़ा ब्रांड खड़ा करें। बिरला ने कहा कि इतनी सर्दी में भी उन्होंने कोटा आकर स्ट्रीट वेंडर्स, पशुपालकों, महिलाओं के लिए अपना कमिटमेंट प्रदर्शित किया है।

ऋण वितरण मेले में लाभार्थियों को चैक सौंपती वित्त मंत्री सीतारमण व लोकसभाध्यक्ष ओम बिरला।

- कमजोर वर्ग के सशक्तिकरण की दिशा में यह बड़ी पहलः ओम बिरला

विधानसभा भवन रोशनी से जगमगाया

83वां अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन की तैयारियां चल रही हैं। राज्य सरकार के विभिन्न विभागों के अधिकारियों को भी समन्वय के लिए सम्मेलन की तैयारियों की जिम्मेदारियां दी गई है। विभिन्न राज्यों के विधानसभा अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सभापति और उपसभापतियों का जयपुर में आगमन सोमवार 9 जनवरी से शुरू हो जायेगा। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सी.पी. जोशी इस अखिल भारतीय सम्मेलन की तैयारियों पर लगातार नजर रखे हुए हैं। विधानसभा के प्रमुख सचिव महावीर प्रसाद शर्मा अधिकारियों के साथ मौके का निरीक्षण कर निर्देश प्रदान कर रहे हैं। विधानसभा भवन पर रोशनी-83 वें अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन के दौरान रविवार 8 जनवरी से विधानसभा भवन पर रोशनी की गई है। यह रोशनी विधानसभा भवन पर 13 जनवरी तक की जायेगी। इस दौरान देश के विभिन्न भागों से आये अतिथि जयपुर में मौजूद रहेंगे।

दीक्षांत समारोह में 123 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक

राज्यपाल और कुलाधिपति कलराज मिश्र ने रविवार को राजस्थान विश्व विद्यालय के दीक्षांत समारोह में विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक और उपाधियां वितरित कीं।

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । राज्यपाल और कुलाधिपति कलराज मिश्र ने विश्वविद्यालयों में मौलिक स्थापनाओं को दिशा देने वाली शोध संस्कृति विकसित करने का आव्हान किया है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को प्राचीन ज्ञान के साथ वैश्विक स्तर पर हो रहे शोध व अनुसंधान से प्रत्यक्ष जुड़ने के अवसर मिलने चाहिए। राज्यपाल मिश्र रविवार को राजस्थान विश्वविद्यालय के कन्वेंशन सेंटर में विश्वविद्यालय के 77वें स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित 32वें दीक्षान्त समारोह में सम्बोधित कर रहे थे। राज्यपाल ने दीक्षांत समारोह में विगत परीक्षाओं में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले 123 विद्यार्थियों को गोल्ड मेडल प्रदान किए। इस अवसर पर 8 संकायों में 395 विद्यार्थियों को पीएचडी की डिग्रियां भी प्रदान की गई। समारोह में कुलपति प्रो. राजीव जैन, कुलसचिव नीलिमा तक्षक, सीनेट और सिंडिकेट सदस्यों के साथ शिक्षक और विद्यार्थी उपस्थित थे।

- 8 संकायों के 395 विद्यार्थियों को पीएचडी की उपाधियां भी वितरित की गई
- राज्यपाल ने यूनिवर्सिटी परिसर में संविधान पार्क का शिलान्यास भी किया

उधर दीक्षांत समारोह में 3 गोल्ड मैडल जीतने वाली मनीषा कुमारी ने यूनिवर्सिटी प्रशासन की व्यवस्थाओं को लेकर नाराजगी जाहिर की। उन्होंने कहा कि आज मुझे तीन गोल्ड मेडल मिले है। लेकिन इस खास पल को देखने के लिए मेरे माता-पिता को यूनिवर्सिटी प्रशासन द्वारा समारोह में एंट्री नहीं दी गई, जो काफी दु:खद है। वही जब इस मामले पर यूनिवर्सिटी प्रशासन से सवाल किया गया। तो उन्होंने कोरोना गाइडलाइन के अनुरूप सिर्फ छात्रों को ही प्रवेश देने की बात कही।

इससे पूर्व राज्यपाल कलराज मिश्र ने राजस्थान विश्वविद्यालय के केन्द्रीय पुस्तकालय भवन के सामने स्थित उद्यान में शिला पट्टिका का अनावरण कर संविधान पार्क का शिलान्यास भी किया। राज्यपाल ने विश्वविद्यालय में इनोवेशन क्लस्टर को जैव प्रौद्योगिकी उद्योग अनुसंधान परिषद् द्वारा ई-युवा सेंटर के रूप में विकसित करने की स्वीकृति प्रदान करने पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि इससे यहां पढने वाले विद्यार्थी शोध-अनुसंधान के वैश्विक नवाचारों से जुड सकेंगे।

राज्यपाल ने कहा कि विश्वविद्यालयों में पढने वाले युवाओं को संविधान से जुड़े अधिकारों के साथ मौलिक कर्तव्यों और इसकी महान संस्कृति के बारे में जानकारी हो, इस उद्देश्य से राज्य के सभी वित्तपोषित विश्वविद्यालयों में संविधान पार्क बनाने की पहल की गई है। उन्होंने भारतीय संविधान को विश्वभर के लोकतंत्रों की सर्वश्रेष्ठ व्याख्या बताते हुए कहा कि संविधान देश को शासित करने से जुड़ा ग्रंथभर नहीं है, यह हमारी उदात्त जीवन परम्पराओं का संवाहक है। उन्होंने नई शिक्षा नीति के तहत ऐसे पाठ्यक्रम तैयार किए जाने का आव्हान किया जिससे विद्यार्थी विषय के साथ आसपास के परिवेश के प्रति भी जागरुक बनें। उन्होंने परिसर में तीरंदाजी प्रशिक्षण केन्द्र को देश के अग्रणी प्रशिक्षण केंद्र के रूप में विकसित किए जाने का सुझाव दिया।

बार-बार आंतों की सिकुड़न में बैलून से होगा इलाज

जयपुर,(कासं)। आंतों की बीमारी क्रोम्स के कारण बार-बार होने वाली सिकुड़न के लिए अब सर्जरी की आवश्यकता नहीं है। अब एंडोस्कोपी के जरिए ही बैलून डायलेटेशन की मदद से सिकुड़न को खोला जा सकता है। जापान के डॉ. हिरोनोरी यामामोटो ने यह जानकारी दी। रविवार को यहां जेईसीसी में इंडियन सोसायटी ऑफ गेस्ट्रोएंट्रोलॉजी की ओर से आयोजित इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस आईएसजीकॉन-2023 का समापन हुआ। वहीं इंडियन सोसायटी ऑफ गेस्ट्रोएंट्रोलोजी के अध्यक्ष अब एसएमएस हॉस्पिटल के डॉ. संदीप निझावन होंगे। वे राजस्थान से दूसरे अध्यक्ष हैं।

- एसएमएस के डॉ. संदीप निझावन इंडियन सोसाइटी ऑफ गेस्ट्रो एंट्रोलॉजी के अध्यक्ष बने

कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष और सीनियर गेस्ट्रोएंट्रोलॉजिस्ट डॉ. रमेश रूप राय ने बताया कि इस चार दिवसीय इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस में देश-विदेश से तीन हजार विशेषज्ञों ने भाग लिया। इस दौरान 200 से अधिक रिसर्च पोस्टर प्रदर्शित हुए। ट्रेजरार डॉ. मुकेश कल्ला ने बताया कि अंतिम दिन में अलग-अलग तकनीकी सत्रों में रिसर्च पेपर प्रस्तुत किए गए। जॉइंट सेक्रेटरी डॉ. अनुराग गोविल, डॉ. अमित माथुर और डॉ. सुनील दाधीच ने सभी आगंतुकों का आभार व्यक्त किया।

डॉ. हिरोनोरी यामामोटो ने क्रोम्स डिजीज में नए उपचार के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि अब तक यही कहा जाता था कि क्रोम्स डिजीज में पहले आंत में घाव बनते थे और

डॉ.निलय

फिर आंत का वह हिस्सा सिकुड़ जाता था। इसके बाद सर्जरी करके काटकर बाकी का हिस्सा जोड़ना पड़ता था। कई बार यह होने पर परेशानी पैदा हो जाती थी। कई बार छोटी आंत की लम्बाई इसी वजह से कम हो जाती थी। अब इसे बैलुन डायलेशन की मदद से सिकुड़ी हुई आंत को एंडोस्कोपी के द्वारा खोल कर सही कर सकते हैं। इसमें सर्जरी की जरूरत नहीं होती है, एक बार नहीं कई बार एंडोस्कोपी के जरिए बिना सर्जरी के यह किया जा सकता है।

डॉ. अभिनव शर्मा ने बताया कि अब एंडोस्कोपी के जरिए ही पेट में मौजूद कैंसर ट्यूमर को लाइव देखा जा सकता है। इसके लिए ऑप्टिक बायोप्सी प्रोसीजर किया जाता है, इसमें एंडोस्कोपी से ट्यूमर को देखते हैं, इसमें जूम की सहायता से ट्यूमर की सेल्स की आसानी से देखी जा सकती है। ऐसे में देखने मात्र से ही बिना बायोप्सी के पता लगाया जा सकता है कि ट्यूमर कैंसर का तो नहीं है। वहीं ईएसडी और ईएमआर नए एंडोस्कोपी प्रोसीजर हैं, जो कैंसर का पहले ही पता लगाने में कारगर साबित होते हैं।

प्रवासी प्रकोष्ठ का संगठन में बहुत महत्व है : डॉ. सतीश पूनियां

जयपुर, (का.सं.)। शहर के इंद्रलोक ऑडिटोरियम में आयोजित प्रवासी प्रकोष्ठ की कार्यशाला कुल 5 सत्रों के साथ संपन्न हुई। कार्यशाला में देश भर से आए प्रवासियों ने अपने अपने राज्यों के कल्चर के साथ भाग लिया। उद्घाटन सत्र में प्रदेश अध्यक्ष डॉ सतीश पूनिया ने दीप प्रज्वलन के साथ कार्यशाला का शुभारंभ किया। इस अवसर पर पूनिया ने कहा कि राजस्थानी समाज का योगदान अतुल्य है। कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक और कच्छ से अरुणाचल प्रदेश के अंतिम छोर तक हमारा राजस्थानी व्यापारी ने अपनी अलग पहचान बना रखी है। प्रवासी प्रकोष्ठ का संगठन में बहुत महत्व है। पहले यह कहा जाता था कि जहां ना पहुंचे मालगाड़ी वहां पहुंचे मारवाड़ी। इसके बाद यह कहा गया जहां ना पहुंचे बैलगाड़ी वहां पर पहुंचे मारवाड़ी। उन्होंने कहा कि प्रदेश संयोजक राजू भाई मंगोड़ीवाला ने जो शुरुआत की है वो बहुत अच्छी शुरुआत है और शुरुआत से ही आधे काम ऐसे ही हो जाते हैं। पूनिया ने कहा कि प्रवासी शांति और

जयपुर के इंद्रलोक ऑडिटोरियम में आयोजित प्रवासी प्रकोष्ठ की कार्यशाला का प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया ने दीप प्रज्वलन के साथ उद्घाटन किया।

- चेन्नई, अहमदाबाद, बेंगलुरु, पुणे, उड़ीसा सहित देशभर के प्रवासियों ने खुले मंच में की चर्चा

सुरक्षा के साथ-साथ व्यापार चाहता है। प्रदेश सरकार की कानून व्यवस्था पर निशाना साधते हुए कहा कि प्रदेश की जनता सुरक्षित नहीं है तो वह प्रवासियों की क्या करेगी। उन्होंने कहा की आगामी चुनाव में प्रवासी से जुड़ी समस्याओं को ध्यान में रखते हुए संकल्प पत्र तैयार किया जाएगा। समापन सत्र में संगठन महामंत्री चंद्रशेखर ने प्रवासियों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रवासी समाज देश की बहुत बड़ी ताकत है। भारत विश्व गुरु की ओर अग्रेषित है। हमें विश्व विजेता नहीं अपितु विश्व गुरु बनना है। इस सत्र में प्रवासी प्रकोष्ठ के कार्यकारिणी सदस्य डॉ दिलीप अरोड़ा ने जी-20 की स्लाइड पर प्रकाश डाला।

चेन्नई, उड़ीसा, अहमदाबाद, सूरत, मुंबई, तेलंगाना, हैदराबाद, दिल्ली, पंजाब सहित देश के कोने कोने से प्रवासियों ने भाग लिया। करीब 100 से ज्यादा प्रतिनिधिमंडल ने भी अपने अपने क्षेत्र से जुड़े विषयों के बारे में चर्चा की।

कार्यशाला के तीसरे सत्र में आयोजित की गई सामूहिक परिचर्चा में प्रवासियों का उत्साह बढ़ता दिखा। प्रवासियों ने अपनी जिज्ञासा को शांत करने के लिए मंच पर आसीन अतिथियों से अपने अपने क्षेत्र से जुड़ी समस्याओं के बारे में जानकारी दी। इस परिचर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष माधोराम चौधरी, कोषाध्यक्ष पंकज गुप्ता का मार्गदर्शन मिला।

परिवर्तन लाने में समाज की भूमिका बड़ी : निम्बाराम

जयपुर। परिवर्तन सत्ता के बल पर नहीं आता बल्कि समाज के भीतर जन्म लेता है। अच्छी पहल कर सकारात्मकता बढ़ाते हैं तो समाज के बल पर परिवर्तन लाया जा सकता है। समाज में जीवन मूल्य, नैतिक मूल्य व सदाचार को लेकर चलने की क्षमता है। इसलिए समाज की भूमिका बड़ी है। हम सभी हिन्दू समाज के घटक हैं। कोई हिन्दू पतित नहीं है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्र प्रचारक निम्बाराम ने ये विचार व्यक्त किए।

नवमतदाता के बीच जाकर युवा विरोधी नीतियों पर चर्चा करना : डॉ. पूनियां

जयपुर।भाजपा प्रदेश कार्यालय पर पार्टी के नव मतदाता अभियान को लेकर कार्यशाला में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ.सतीश पूनिया, प्रदेश सह-प्रभारी विजया राहटकर, संगठन महामंत्री चन्द्रशेखर, प्रदेश महामंत्री सुशील कटारा, प्रदेश मंत्री मधु कुमावत एवं नव मतदाता अभियान प्रभारी हिमांशु शर्मा ने दीप प्रज्वलन कर शुभारम्भ किया। कार्यशाला में प्रदेश के सभी जिलों के संयोजक और सह संयोजकों ने भाग लिया। कार्यशाला में डॉ. सतीश पूनिया ने कहा कि 2023 में कॉंग्रेस की सरकार को उखाड़ फेंकने के लिए नव मतदाताओं की अहम भूमिका है। कार्ययोजना से कार्य करने पर ही नव मतदाता प्रभावी रूप से भाजपा से जुड़ेंगे। उनके बीच जाकर कॉंग्रेस की युवा विरोधी नीतियों की चर्चा करना नव मतदाताओं को भाजपा से जोड़ने में सहायक होगी। विजया राहटकर ने संबोधित करते हुए कहा कि युवा देश को बनाता है, सपनों को पूरा करने की ताकत युवाओं में होती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जितनी भी योजनाओं का लाए, उनमें सर्वाधिक योजनाएं युवाओं के लिए है, योजनाओं को युवाओं तक पहुंचा कर अपने से जोड़ना है। देश के प्रति अपना कर्तव्य निभाने के लिए युवाओं का जागृत होना बहुत जरूरी है। नव मतदाताओं में बहुत जोश होता है। उनके जोश को सही दिशा दिखाने का काम भाजपा कर रही हैं।अभियान के अंतर्गत शिक्षण संस्थाओं, खेल के मैदान, कोचिंग, लाइब्रेरी आदि में जाकर नव मतदाताओं को जोड़ना है।

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकहित की योजनाएँ में सर्वाधिक योजनाएं युवाओं के लिए हैं : विजया राहटकर

चन्द्रशेखर ने कहा कि किसी भी अभियान को पूरा करने के लिए एक अच्छी टीम की आवश्यकता होती है।

''कौन देश को वासी'' उपन्यास में मनुष्यता बचाये रखने का सन्देश है : सूर्यबाला

जयपुर, (का.सं.)। स्पंदन महिला साहित्यिक एवं शैक्षणिक संस्थान जयपुर और राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी के संयुक्त तत्वावधान में प्रख्यात साहित्यकार डॉ. सूर्य बाला के बहुचर्चित उपन्यास 'कौन देश को वासी, वेणु की डायरी' पर संगोष्ठी का आयोजन अकादमी परिसर में किया गया।

कार्यक्रम का आग़ाज़ शिवानी जयपुर की मधुर सरस्वती वंदना से हुआ। स्पंदन अध्यक्ष नीलिमा टिक्कू ने बताया कि सूर्यबाला पर साहित्य समर्था पत्रिका विशेषांक प्रकाशित किया जा चुका है। वे कहानी.उपन्यास और व्यंग्य की कई किताबें लिख चुकी हैं। उनके इस उपन्यास को 2020 पृथ्वीनाथ भान सम्मान से सम्मानित किया जा चुका है। विदेश में पढाई और नौकरी करते हुए युवाओं और उनके अभिभावकों की मन:स्थितियों को लेकर मानवीय संवेदनाओं के इर्द गिर्द बहुत ख़ूबसूरती से बुना गया यह उपन्यास दो संस्कृतियों के सकारात्मक-नकारात्मक पहलुओं को दर्शाता विशाल कैनवास पर लिखा गया सशक्त उपन्यास है।

कार्यक्रम के आरम्भ में राजस्थान हिन्दी अकादमी के निदेशक बजरंग लाल सैनी ने सबका स्वागत करते हुए राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी के साहित्य के प्रति किये जा रहे महत्वपूर्ण कार्यों के बारे में बताया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि

स्पंदन महिला साहित्यिक एवं शैक्षणिक संस्थान जयपुर और राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी के संयुक्त तत्वावधान में प्रख्यात साहित्यकार डॉ. सूर्य बाला के बहुचर्चित उपन्यास 'कौन देश को वासी, वेणु की डायरी' पर संगोष्ठी का आयोजन अकादमी परिसर में किया गया।

फ़ारूक़ आफ़रीदी ने उपन्यास को एक मील का पत्थर बताया जिसमें प्रवासी भारतीयों और अभिभावकों का विस्तार से वर्णन है। अंतिम सत्य मनुष्यता बनी रहे यही कामना है। प्रो.प्रबोध गोविल ने कहा ये उपन्यास अल्टिमेट है। डॉ. सुषमा सिंघवी ने उपन्यास में पराए देश के विभिन्न पक्षों पर विस्तार से चर्चा की। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए नन्द भारद्वाज ने उपन्यास की नीर क्षीर समीक्षा की।

सूर्यबाला ने कहा कि प्रवासी भारतीय होना भारतीय समाज की महत्वकांक्षा भी है, सपना भी है। क्या है मनुष्य की प्रगति और सभ्यताओं के चरम विकास की नियति-लालसाओं के चक्रवात में फँसे जब हम अपनी धरती छोड़ते हैं तो कब तक और कितनी छूट पाती है वह हमसे-अपने देश में रहते हुए हम क्यों नहीं करते उसे महिमा मंडित? कहाँ किस बिंदु पर मिलती है सुख सुविधाओं, सच और झूठ, सफलता और असफलता की विभाजक रेखाएँ और कहाँ पहुँच कर सब कुछ पाने के बाद भी जीवन छूँछा होने लगता है। कहां पूरी होती है जीवन की असली तलाश उत्तर आधुनिकता ने समाज को-विवाह संस्था-सम्बंधों का सन्नाटा मचा हुआ है। रिश्ते-मानवीय सम्बंध से परे हम कौन सा जीवन जी रहे हैं। दर्द का हद से गुज़र जाना ही उपन्यास लिखने का कारण बना इसी पर यह उपन्यास केन्द्रित है।

दो जिलों में 5 नए करोना संक्रमित मिले

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। प्रदेश में रविवार को 5 नए करोना संक्रमित मिले हैं। इस बीच 16 मरीजों के ठीक होने से एक्टिव केस घटकर 68 रह गए हैं। वहीं पिछले चौबीस घंटों में इस बीमारी से किसी भी मरीज की मौत नहीं हुई है।

प्रदेश में रविवार को जयपुर में 3 और उदयपुर में 2 नए करोना संक्रमित मिले हैं। इससे पहले राज्य में शनिवार को 7 रोगी पाए गए थे। इधर राजधानी जयपुर में आज दुर्गापुरा, कानोता और शास्त्री नगर में 1-1 नया संक्रमित मिला है। इस बीच प्रदेश में 5901 सैंपल की जांच की गई।

राज्य में रविवार को नए संक्रमितों से अधिक रिकवरी हुई है। इस दौरान 16 मरीजों के ठीक होने से एक्टिव केस घटकर 68 रह गए हैं। इनमें से 62 मरीज जयपुर में है। प्रदेश में पिछले चौबीस घंटों में करोना से किसी भी मरीज की मौत नहीं हुई है।

विद्याधर नगर में स्मैक तस्करी करने वाली मां-बेटी गिरफ्तार

पुलिस कार्रवाई की भनक लगते ही सरगना हरिओम फरार हुआ

जयपुर (कासं)। डीएसटी और विधाधर नगर थाना पुलिस ने स्मैक तस्करी में लिप्त मां-बेटी को गिरफ्तार किया है। कार्रवाई की भनक लगने पर सरगना बेटा फरार हो गया, जिसकी तलाश की जा रही है। पुलिस ने मौके से 13.50 ग्राम स्मैक सहित बिक्री राशि 10 लाख 6 हजार 520 रूपए जब्त किए हैं। आरोपियों से नेटवर्क को लेकर पूछताछ की जा रही है।

डीसीपी (नॉर्थ) परिस देशमुख ने बताया मुखबिर की सूचना पर सुन्दर नगर स्थित मकान संख्या-50 में दबिश दी गई, जहां तलाशी में 13.50 ग्राम स्मैक मिली। वहीं बिक्री राशि 10 लाख 6 हजार 520 रूपए जब्त की गई है। इस पर तस्करी में लिप्त कंचन देवी (59) और इसकी बेटी रीना मीणा (35) को गिरफ्तार किया गया। कार्रवाई की भनक लगने पर सरगना कंचन का पति हरिओम मीणा फरार हो गया, जिसकी तलाश की जा रही है। इस गिरोह का सरगना हरिओम मीणा है, जो जयपुर के बाहर तस्करों से संपर्क में है। वह खुद ही स्मैक का पूरा कारोबार देखता है। घर पर मां बेटी बेचने का काम करती है। पुलिस हरिओम मीणा की सरगर्मी से तलाश में जुटी है, जबकि आरोपित महिलाओं से नेटवर्क को

डीएसटी और विधाधर नगर थाना पुलिस ने स्मैक तस्करी में लिप्त मां-बेटी कंचन मीणा व रीना को गिरफ्तार किया।

लेकर पूछताछ की जा रही है।

विद्याधर नगर नगर थाना सीआई वीरेन्द्र कुरील ने बताया कि जांच पडताल के दौरान सामने आया है। कंचन अपने पति हरिओम मीणा के जरिए मादक पदार्थ अपने घर से ही सप्लाई करती है। हरिओम लंबे समय से मादक पदार्थ बेचने का काम करता है। हरिओम कोलकाता से यह मादक पदार्थ स्मैक लेकर आता है। जयपुर में पुड़िया बनाकर उसे बेचता था। पुलिस कार्रवाई की जानकारी मिलने से आरोपी अभी तक घर नहीं लौटा हैं। विधाधर नगर थाना पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज कर रीना मीणा और कंचन मीणा को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस ने बताया कि आरोपियों के मकान में सर्च के दौरान 9 मोबाइल फोन मिले हैं। आरोपियों ने बताया कि जिन के पास पैसा नहीं होता था वे लोग मोबाइल को गिरवी रख कर स्मैक लेकर जाते थे। कुछ लोग पैसा देकर मोबाइल ले जाते थे। लेकिन कई लोग ऐसे भी थे जो पैसों की व्यवस्था नहीं कर मोबाइल फोन नहीं छुडवा पाते थे। क्यों की यह मोबाइल फोन गिरवी रखे हुए थे इस लिए इन्हे पैक कर के रखा हुआ था। जब भी स्मैक खरीदने वाले के पास पैसों की इंतजाम हो जाता वह मोबाइल लेने आ जाता था।

धूप खिलने से लोगों को राहत मिली

बूंदी (निसं)। जिले में 5 दिन से पड़ रही कड़ाके की ठंड और घने कोहरे से लोगों को रविवार को राहत कोहरा और सर्दी का असर कम होने से न्यूनतम तापमान 6.4 डिग्री दर्ज किया गया, जो शनिवार को 4.2 डिग्री था। इससे फसलें भी पाले की चपेट में आने से बच गई हैं। हालांकि हवाओं के चलने से गलन भी बरकरार रही, लेकिन रविवार सुबह से खिली धूप ने लोगों को काफी सहारा दिया।

आम जन धूप सेंकते नजर आए। सप्ताह में सर्द हवाओं के चलने और कोहरे के असर बना तापमान में गिरावट देखी गई थी। वहीं तेज सर्दी के चलते जनजीवन काफी प्रभावित हो गया था। लोगों का घरों में केद होकर रह गए थे। किसानों को पाला गिरने की चिंता सताने लगी थी। कृषि विज्ञान केन्द्र के समन्वयक डॉ. हरीश कुमार वर्मा ने बताया कि जिलें में न्यूनतम तापमान 3.2 डिग्री तक पहुंच गया था। सामान्यतया न्यूनतम तापमान 4 डिग्री के नीचे आने पर फसलों में पाला गिरने की संभावना रहती है, लेकिन रात को हवा चलने और बारिश नहीं होने के कारण पाले की स्थिति नहीं बनी थीं। अभी तापमान में बढ़ोतरी होने से पाले की स्थिति खत्म हो गई है। तापमान बढ़ने से फसल अच्छी होगी। वहीं इस समय अगर फसल को पानी पिलाया जाए तो पैदावार में फायदा होता है।

फसलों के पाले से बचाव के लिए जारी की एडवाइजरी:- हालांकि पाले गिरने की बनी स्थिति वर्तमान मे खत्म हो गई हैं, लेकिन पारे के उत्तर चढाव की स्थिति बनी हुई हैं। ऐसे में भी किसानोकं को विशेष ध्यान रखने की जरूरत है। वर्मा ने बताया कि वायुमण्डलीय दशाओं को देखकर अनुमान लगाया जा सकता है कि पाला गिरने वाला है या नहीं।

जब विशेष ठण्ड हो, दिन भर ठण्डी व तेज हवा चले और शाम को हवा चलना रूक जाये, रात्रि में आकाश साफ हो और वायुमण्डल में नमी की मात्रा कम हो। ऐसी परिस्थितियां उस रात में पाला गिरने की संभावना को बढा देती हैं। पाला रात में विशेषतया 12 से 4 बजे के बीच पडता है। ऐसे में निम्न उपाय कर फसलों को पाले की स्थिति से बचाया जा सकता है।

■ **न्यूनतम तापमान 6.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज, पाला गिरने की संभावना खत्म हुई**

धुंआ करना:- पाला पड़ने का पूर्वानुमान होने पर खेत की उत्तरी दिशा में अर्धरात्रि में सूखी घास-फूस, सूखी टहनियां, पुआल आदि को आग लगाकर धुंआ कर फसलों को पाले से बचाया जा सकता है। धुंआ करने से खेत में गर्मी बनी रहती है तथा फसलो के पौधों के चारों और तापमान में गिरावट नहीं आती है। आग इस प्रकार ढेरियां बना कर लगाए कि खेत में फसल के ऊपर धुएं की एक पतली परत बन सके। जितना अधिक खेत में धुंआ फैलेगा, तापमान उतना अधिक बना रहेगा। अधिक धुंआ उत्पन करने के लिए घास-फूस, सूखी टहनियां, पुआल आदि के साथ इंजन के जले हुवे तेल का भी प्रयोग कर सकते है।

पाले का पूर्वानुमान होने पर खेत में हल्की सिंचाई देने से भूमि गर्म व नम बनी रहती है। सिंचाई देने से भूमि का तापमान 0.5 डिग्री सेल्सियस से 2 डिग्री सेल्सियस तक बढ जाता है। किसानों के पास फव्वारा सिंचाई की सुविधा हो तो फव्वारा द्वारा सिंचाई करना लाभदायक रहता है।

गंधक के तेजाब का छिडकाव:- जिस दिन पाला गिरने की सम्भावना हो तो फसलों पर गंधक के तेजाब के 0.1 प्रतिशत घोल का छिडकाव करें।एक लीटर गंधक के तेजाब को 1000 लीटर पानी में घोलकर बनाकर प्रति हैक्टेयर छिड़काव करें। गंधक के तेजाब का असर दो सप्ताह तक रहता है।

गंधक के तेजाब का छिडकाव करने के लिए केवल प्लास्टिक स्प्रेयर का ही उपयोग करना चाहिए। छिडकाव करते समय ध्यान रखें की पुरे पौधे पर घोल की फुहार अच्छी तरह लगे। यदि पाला गिरने की सम्भावना हो तो 15 दिन के अन्तराल पर पुन: छिडकाव करें।

पौधशाला के पौधों का पाले से बचाव:- पौधशाला में पौधे छोटी अवस्था में होते है ,जिसके कारण कम तापमान के प्रति अधिक संवेदनशील होते है। इस कारण से नर्सरी में पाले से अधिक नुकसान होता है। नर्सरी के पौधों को पाला से बचाने के लिए पौधों को रात्रि के समय बोरी के टाट या घास-फुस से ढक देवें।

पौधों को ढकते समय इस बात का ध्यान जरूर रखें कि पौधों का दक्षिण-पूर्वी भाग खुला रहे, ताकि पौधों को सुबह व दोपहर को धूप मिलती रहे। बोरी के टाट या घास-फुस का प्रयोग दिसंबर से फरवरी तक करें। पौधशाला में पौधों को रात में प्लास्टिक की चादर से ढक कर भी पाले से बचाया जा सकता है।

ऐसा करने से प्लास्टिक के अंदर का तापमान 2-3 डिग्री सेल्सियस बढ़ जाता है। पौधशाला में छप्पर डालकर भी पौधों को बचाया जा सकता है। खेत में रोपित पौधों के थावलों के चारों ओर कडबी या मूंज की टाटी बांधकर भी पौधों को पाले से बचाया जा सकता है।

भारतीय किसान संघ ने लोकसभा स्पीकर को ज्ञापन सौंपा

रामगंजमंडी (निसं)।भारतीय किसान संघ ने रविवार कोटा में लोकसभा स्पीकर ओम बिरला एवं निर्मला सीतारमण वित्त मंत्री भारत सरकार को ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में बताया गया है कि कृषि बीमा को अधिक कारागार बनाया जाए कृषि बीमा में किसान का बीमा भी होना चाहिए किसान की मृत्यु के समय उसके परिवार को आर्थिक संबल मिले और किसान क्रेडिट कार्ड लोन पर किसान की मृत्यु होने के पश्चात लोन माफ किया जाए मृत्यु किसी भी कारण हो उम्र का आखिरी पड़ाव तक उम्र का हवाला आड़े नहीं आए समय पर बीमा कंपनी की कार्यशैली की जांच हो आपदा प्रबंध में बिना किसी भेदभाव के प्रशासन द्वारा सर्वे कराया जाय और पीडित किसान को क्षित पूर्ति की जाए।

जिससे सरकार को कर्ज माफी की झूठी घोषणाएं ना करनी पड़े।जो पशुपालन कैंप लगाया वह किसानों के लिए वरदान साबित होगा। किसान क्रेडिट कार्ड की राशि तीन लाख रुपया लिमिट की जगह 5 लाख रूपया की जाए संपूर्ण राशि पर 4 की ब्याज दर पर भुगतान की व्यवस्था की जाए क्योंकि कृषि लागत कई गुना बढ़ गई है।गांव में किसान को कृषि पर उद्योग लगाने के लिए कृषि भूमि को कन्वर्ट कराने में किसानों को कई प्रकार की दिक्कतों का सामना करना पडता है।

इसे सरल प्रक्रिया द्वारा कन्वर्ट की व्यवस्था की जाए जिससे किसान आत्मनिर्भर और लाभान्वित होगा और रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे।तहसील रामगंजमंडी में कृषि कार्यालय नहीं होने के कारण किसानों को अनेक प्रकार की बाधाओं से सामना करना पडता है क्योंकि पिछली सरकार द्वारा किसान कार्यालय सांगोद शिफ्ट हो गया है।

इस कार्यालय की रामगंजमंडी में ब्रांच खोली जाए जिससे किसानों को संपूर्ण जानकारी प्राप्त होगी।किसानों की आमदनी डबल हो यह विषय प्रधानमंत्री मोदी ने रखा था परंतु किसान अभी भी वैसा का वैसा ही है। किसान सम्मान निधि का पैसा 6000 से बढ़ाकर 12000 किया जाए इससे भी किसानों को आर्थिक संबल मिलेगा किसानों को फसल का लागत के आधार पर लाभकारी मूल्य तय किया जाए और कृषि उपज मंडी में ऐसी व्यवस्था हो कि एमएसपी से कम दाम पर किसान की फसल नहीं बिके ऐसा कानून बने किसान के उपयोग में आने वाले संपूर्ण वस्तुएं उपकरण पर जीएसटी खत्म की जाए।ज्ञापन देने वालों में कोटा जिला अध्यक्ष गिरिराज चौधरी प्रवक्ता गोपाल राठौर उपाध्यक्ष सत्यनारायण धाकड़ तहसील प्रहलाद धाकड़ युवा प्रमुख दुर्गालाल धाकड़ सहित आदि किसान शामिल थे।

उपकारागृह में कार्यरत कर्मचारियों ने ज्ञापन सौंपा

छबड़ा (निसं)। राज्य की कारागृहों पर नियोजित आरएसी व जेल कार्मिकों के वेतन भत्ते समान करवाने के मांग को लेकर उपकारागृह में कार्यरत कर्मचारियों ने रविवार को विधायक प्रतापसिंह सिंघवी को पत्र सौंपा।

उपकारागृह में कार्यरत मनोज, बहादूरसिंह, कैलाश, दिनेश, गौत्तम, विष्णुदत्त, मुकेश, रामनरेश आदि ने विधायक को दिए पत्र में बताया कि आरएसी का मुख्य कार्य जेल की बाहरी सुरक्षा करना है। जबकि जेल कर्मियों का कार्य कारागृह की आंतरिक व बाह्य सुरक्षा के साथ-साथ सुरक्षा, स्वावलंबन, सुधार है। जो आरएसी से कार्य आवंटन में कहीं अधिक व्यापक एवं विस्तृत है। परंतु वास्तविकता में कार्मिकों के वेतन व भत्ते बहुत ही कम है। जबकि वर्ष 1998 से पूर्व राजस्थान कारागार अधीनस्थ सेवा व राजस्थान पुलिस अधीनस्थ सेवा का वेतनमान श्रृंखला व ग्रेडपे एक समान थे। कर्मचारियों ने उनके वेतन भत्ते एक शिक्षक के बराबर किए जाने तथा समयानुसार वेतन व भत्ते में बढ्ढोत्तरी की मांग की।

मेला आज से शुरू

छबड़ा (निसं)। क्षेत्र के पाली गांव में सोमवार से श्री चौथमाता मंदिर पर तीन दिवसीय धार्मिक मेले का आयोजन किया जाएगा। समिति सदस्य पूरणसिंह लोधा ने बताया कि सोमवार सुबह 11 बजे विशाल कलश यात्रा निकाली जाएगी। तत्पश्चात मेले का उद्घाटन किया जाएगा। मेले में मंगलवार को रस्साकस्सी प्रतियोगिता, जलेबी खाओ प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी तथा रात्रि आठ बजे क्षेत्रीय कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे।

बूंदी ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष को ज्ञापन सौंपा

बूंदी (निसं)। अखिल राज राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ एकीकृत के बैनर तले बून्दी प्रवास पर आए बूंदी ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष केरामकरण मीणा को संविदा प्लेसमेंट एजेंसी निविदा व मानदेय पर कार्यरत कार्मिको को राज्य सरकार द्वारा लागू संविदा सेवा रूल्स 2022 में शामिल कर नियमितीकरण की प्रक्रिया अविलम्ब आरम्भ करने की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा गया।

महासंघ जिलाध्यक्ष व संरक्षक अनीस अहमद एव महासंघ जिला महामंत्री अरुण शर्मा ने बताया कि ज्ञापन में चिकित्सालय के विभिन्न पदों पर अलग अलग योजनाओं में कार्यरत लैब टेक्नीशियन, लैब असिस्टेंट, कंप्यूटर ऑपरेटर, डीडीसी हेल्पर, डीआरटी टेक्नीशियन, ऑक्सीजन प्लांट टेक्नीशियन, कंप्यूटर ऑपरेटर, प्लंबर हेल्पर ,गार्ड वाहन चालक ,सफाई कर्मी, धुलाई कर्मचारी, बागवान, लेब टेक्नीशियन सहित सभी संविदा व प्लेसमेंट कर्मचारी राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं में पूर्ण ईमानदारी एव निष्ठा से विगत 10 से 15 वर्षो से निविदा पर कार्य कर रहे है।

जिन्हें नाम मात्र का मानदेय मिलता है वह भी समय पर नही मिलता। राज्य सरकार के चुनाव घोषणा अनुरूप एव ठेका श्रम विनियम उत्पादन अधीनियम 1970 की अनुपालना में एव राज्य सरकार द्वारा बनाये गए संविदा सेवा रूल्स 2022 में शामिल कर श्रम विभाग की गाइड लाइन के अनुरूप वेतन एव प्लेसमेंट एजेंसी को खत्म करके सीधे संविदा पर लगाया जाए व अन्य सुविधाएं दिलवाई जाए साथ ही इनकी नियमितीकरण की प्रक्रिया आरम्भ की जाए।

जिससे कि सभी संविदा कर्मी व प्लेसमेंट कर्मी अपने परिवार का पालन पोषण सही ढंग से कर पाए। ज्ञापन के दौरान संविदा लेबोरेटरी कर्मचारी संघ एकीकृत के जिलाध्यक्ष अमित गौतम, ऋतुराज सिंह ,नितेश सरोजा, जतिन एजाजुद्दीन अंसारी ,अन्य संविदा व प्लेसमेंट एजेंसी के कर्मी मौजूद रहे। श्री मीणा ने जल्दी ही सामान्य चिकित्सालय के पीएमओ से बात कर समस्या के समाधान का भरोसा दिलाया व मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर सभी समस्याओं से अवगत कराने की बात कही।

कर्मचारी नेता को विधायक मीणा ने शुभकामनाएं दी

बूंदी (निसं)। कोटा बूंदी लोकसभा के पूर्व सांसद एवं विधायक रामनारायण मीणा ने वरिष्ठ कर्मचारी नेता पुरुषोत्तम पारीक के निवास पर पहुंचकर तीर्थ स्थल रामेश्वरम यात्रा के लिए रवाना करते हुए बधाई दी।

इस दौरान मीणा ने राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना शुरू करने को लेकर मुख्यमंत्री का आभार जताया। गौरतलब है कि वरिष्ठ नागरिक तीर्थ योजना के तहत वरिष्ठ कर्मचारी नेता पुरुषोत्तम पारीक व उनकी धर्मपत्नी शिक्षाविद निर्मला व्यास का तीर्थ स्थल रामेश्वर धाम के लिए चयन हुआ है इनको रविवार को माल्यार्पण करवा श्रीफल भेंट कर रवाना किया व शुभकामनाएं दी।

जिला बैडमिंटन संघ के अध्यक्ष एडवोकेट अजय नुवाल, एडवोकेट सुमित पारीक, समाज सेविका निमिषा पारीक सहित गोकुलधाम वासियों ने पारीक दंपति को यात्रा के लिए रवाना किया।

एलएचवी एएनएम संघ ऑफ राजस्थान पदाधिकारियों की बैठक हुई

बून्दी (निसं)। शहर के भारत विकास परिषद उद्यान में रविवार को अखिल राजस्थान राज्य संयुक्त कर्मचारी महासंघ के जिलाध्यक्ष सत्यवान शर्मा की अध्यक्षता में एलएचवी एएनएम संघ ऑफ राजस्थान के पदाधिकारियों की बैठक आयोजित हुई।

शर्मा ने संबोधित करते हुए कहा कि 23 जनवरी को जयपुर में महासंघ के 82 घटकों द्वारा आक्रोश रैली का आयोजन होगा। जिसमें जिले की समस्त एलएचवी एएनएम शामिल हो और अपनी मांग को प्रमुखता से सरकार के समक्ष रखें। एलएचवी एएनएम संघ की प्रदेश महामंत्री नफीसा बानो ने उपस्थित महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं समस्याओं के बारे में विचार विमर्श किया और कहा कि जिस भी महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता की जो भी समस्या है उन्हें वह मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के समक्ष रखकर समस्या का समाधान करवाएंगे।

बैठक में जिला अध्यक्ष सुशीला चौधरी, अफरोज, शबनम, शिमला मीणा, गिरजा सैनी, रेहाना बानो, रुबीना, राजन बाला शर्मा, रेखा वाल्मीकि, लिसी पोल, जमीला, शिमला गोस्वामी, शिमला मीणा, शबनम आरा, मंजू शेखावत आदि मौजूद रहे।

दो दिवसीय संभाग स्तरीय एकल महिला पुरुष बैडमिंटन प्रतियोगिता का समापन

बूंदी (निसं)। जिला बैडमिंटन संघ के तत्वावधान में जारी पंडित सोमनाथ स्मृति संभागीय एकल बैडमिंटन प्रतियोगिता महिला पुरुष वर्ग 2023 का फाइनल मुकाबले रविवार को खेले गए। पुरुष वर्ग में गुरुसेवक सिंह ने लक्ष्य सिंह को 2 - 0 से हराकर व महिला वर्ग में पलक चौधरी ने मनस्वी दाधीच को 2-0 से हराकरखिताब जीता।

डिस्ट्रिक्ट क्लब में आयोजित समापन समारोह के मुख्य अतिथि माननीय विधायकअशोक डोगरा रहे,अध्यक्षता जिला प्रमुख श्रीमती चंद्रावती कंवर ने की तथा विशिष्ट अतिथि नगर सभापति श्रीमती मधु नुवाल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आई जी कार्यालय कोटा राजेश यादव, मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी तेज कंवर रही। इस दौरान पंडित सोमनाथ शर्मा के परिवार से पंडित विश्वनाथ शर्मा भी मंचासीन रहे। अतिथि के रूप में उपस्थित लोंगो को सम्बोधित करते हुए विधायक डोगरा ने जिला बैडमिंटन संघ द्वारा आयोजित प्रथम संभागीय प्रतियोगिता को ऐतिहासिक पहल बताते हुए बैडमिंटन खिलाड़ियों के लिए बनाए गए सिंथेटिक मैटी के कोर्ट के लिए बैडमिंटन संघ की सराहना की व कहा कि शीघ्र ही बैडमिंटन खिलाडियों को 4 सिंथेटिक कोर्ट खेल संकुल में माननीय लोकसभा अध्यक्ष ओम कृष्ण बिरला द्वारा सांसद कोष से उपलब्ध कराए जाएंगे साथ ही अंतरराष्ट्रीय स्तर की ट्रेक और स्विमिंग पूल भी उपलब्ध होंगे जो बूंदी के खिलाड़ियों को गोल्ड मेडल तक पहुंचने में मददगार होंगे।

■ **गुरु सेवक सिंह व पलक चौधरी रही विजेता**

प्रतियोगिता के विजेताओं को सम्मानित किया।

इस दौरान उन्होंने प्रतियोगिता में विजेता उपविजेता खिलाडियों को बधाई दी। अध्यक्षीय भाषण में जिला प्रमुख श्रीमती कंवर ने जिला बैडमिंटन संघ के आयोजन एव खिलाडियों के प्रति समर्पण की प्रशंसा करते हुए बैडमिंटन को स्वयं का पसंदीदा खेल बताते हुए स्कूली समय में खो खो की खिलाड़ी होना भी बताया। विशिष्ट अतिथि यादव ने इस प्रकार की प्रतियोगिता को निरंतर करवाने एवं पारितोषिक राशि को कम से कम 11000 और 5000 तक रखने का सुझाव दिया।

वही विशिष्ट अतिथि तेज कंवर ने बैडमिंटन संघ के कार्यकामो को सदैव प्राथमिक बताते हए करवाई गई संभागीय प्रतियोगिता के सफल आयोजन के लिए बैडमिंटन संघ को बधाई दी।। पंडित विश्वनाथ ने श्रेष्ठ आयोजन के लिए जिला बैडमिंटन संघ का आभार प्रकट किया।

प्रतियोगिता में सबसे कम उम्र के बालक भानु प्रताप सिंह को एव वरिष्ठ खिलाडी नरेंद्र मोदी को भाग लेने के लिए सम्मानित किया गया। साथ ही विजेता एव उपविजेता खिलाड़ियों को रुपए 3100-3100 रुपये एवं 1500 - 1500 रुपये देकर सम्मानित किया। इससे पूर्व सभी अतिथियों का आयोजन समिति द्वारा माल्यार्पण एवं साफा बंधवा कर स्वागत किया गया।

इस दौरान संघ के अध्यक्ष अजय नुवाल एडवोकेट,कार्यक्रम संयोजक अशोक जैन, पंडित विश्वनाथ शर्मा, उपाध्यक्ष ध्रुव व्यास,सचिव गुरुदत्त शर्मा, सहसचिव हरगोविंद धाबाई,मैच रेफरी मनीष पारीक, कार्यकारिणी सदस्य अंजार अहमद, मुकेश दाधीच, जगदीश सिंह हाडा, कृष्ण गोविंद शर्मा, जाकिर भाई, राजकीय अधिवक्ता योगेश यादव, पुनीत शर्मा निजी सहायक जिला कलेक्टर, घनश्याम माधवानी, अरुण जैन, शिफा उल हक, नरेंद्र सिंह जोधा, निखिल जैथलिया सहित कई गणमान्य नागरिक एव खिलाडीगण मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन जगदीश सिंह हाडा ने किया तथा अशोक जैन ने सभी का आभार प्रकट किया।

खेलकूद प्रतियोगिता को लेकर बैठक आयोजित

बूंदी (निसं)। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बूंदी में तिलक विद्यापीठ सीनियर सेकेंडरी स्कूल के तत्वाधान में आयोजित होने वाली 66 वी राज्य स्तरीय 14 वर्ष छात्र छात्रा स्पीड बॉल खेलकूद प्रतियोगिताओं की तैयारियों को लेकर विशेष बैठक का आयोजन हुआ। बैठक में तैयारियों को अंतिम रूप दिया गया। बैठक में प्रतियोगिता दक्ष की सफलता को लेकर चर्चा की गई। बैठक की अध्यक्षता मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी तेज कंवर ने की। बैठक को संबोधित करते हुए माध्यमिक जिला शिक्षा अधिकारी राजेंद्र व्यास द्वारा प्रतियोगिताओं की तैयारियों को अंतिम रूप देते हुए जिम्मेदारियां सौंपी गई। जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा खिलाड़ियों के ठहरने ,सुरक्षा के इंतजाम करने और हेल्प डेस्क लगाने के दिशा निर्देश प्रदान किए गए। बैठक को संबोधित करते हुए अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक ओम प्रकाश गोस्वामी अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी प्रारंभिक उदा लाल ,धनराज मीणा एवं शंभू दयाल मेहरा ने बताया कि बूंदी जिले में राज्य स्तरीय स्पीडबॉल खेलकूद प्रतियोगिता का घमासान 11 जनवरी 2023 से शुरू होगा। प्रात: 11:00 बजे स्पीडबॉल खेलकूद प्रतियोगिता का शुभारंभ होगा सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई है। उन्होंने पंजीयन, आवास ,भोजन, यातायात आदि व्यवस्थाओं की तैयारियों को लेकर विस्तृत रूप से प्रकाश डाला। बैठक का संचालन शारीरिक शिक्षक संतोष पाटनी ने किया।

पदयात्रियों का अभिनंदन किया

बूंदी (निसं)। केशवराय पाटन स्थित बंद पडी शुगर मिल के संचालन हेतु कोटा खडे गणेश मंदिर से शनिवार सुबह युवा नेता गिरिराज गौतम की अगुवाई में 11 सदस्य युवाओं की पदयात्रा रविवार शाम को तालेडा पहुंची। तालेडा पहुंचने पर पद यात्रियों का भाजपा नेता एडवोकेट अनिल जैन तालेडा की अगुवाई में युवाओं ने अभिनंदन कर चोपाल आयोजित कर चर्चा की। भाजपा नेता जैन ने बताया कि पद यात्रा सोमवार सुबह तालेडा से रवाना होकर दोपहर बूंदी पहुंचेगी।

ब्राह्मण परशुराम सेना की बैठक आयोजित

सर्व ब्राह्मण परशुराम सेना की बैठक जैन आवास, मामा भान्जा चौराहा पर आयोजित की गई।

झालावाड़ (निसं)। सर्व ब्राह्मण परशुराम सेना की एक आवश्यक बैठक जैन आवास, मामा भान्जा चौराहा पर आयोजित की गई, बैठक राष्ट्रीय सर्व ब्राह्मण परशुराम सेना के प्रभारी संजय शर्मा और राष्ट्रीय सर्व ब्राह्मण परशुराम सेना के संरक्षक राजेन्द्र जोशी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई विशिष्ट अतिथि झालावाड़ नगरपरिषद् के सभापति संजय शुक्ला रहे।

बैठक के प्रारम्भ में भगवान परशुराम की तस्वीर पर माला पहनाकर विधि विधान से पूजा अर्चना की गई बैठक को सम्बोधित करते हुए राष्ट्रीय प्रभारी संजय शर्मा ने कहा कि सभी ब्राह्मणों को एक जूट होने की आवश्यकता है। इसके लिये झालावाड़ में अप्रेल माह में एक ब्राह्मण समाज का महाकुम्भ का आयोजन किया जावेगा इसके लिए झालावाड़ के सभी ब्राह्मण समाज को आव्हान किया कि कार्यक्रम को सफल बनाऐ। विशिष्ट अतिथि संजय शुक्ला नगरपरिषद् सभापति ने कहा कि झालावाड़ में ब्राह्मण समाज का एक जुटता के लिये यह आयोजन की आवश्यकता है, जो जिम्मेदारी मुझे सौंपी जायेगी उसे मैं पूर्ण निष्ठा व जिम्मेदारी से पूर्ण करूंगा। सभी को इस कार्यक्रम में भाग लेना चाहिए।

बैठक में राष्ट्रीय संरक्षक राजेन्द्र जोशी ने कहा कि सभी तरह के ब्राह्मणों को एक जूट करके अपनी शक्ति बतानी है। कडी से कडी जोड़कर ब्राह्मण महाकुम्भ में झालावाड़ बारां जिले के ब्राह्मणों को अपनी ताकत बतानी है। ललित शर्मा ने कहा कि इस महाकुम्भ का आयोजन के लिये हमें अलग-अलग समितियां बनानी है तथा यह कार्यक्रम ब्रह्मघाट पर आयोजन होना चाहिए। बैठक में परशुराम सेना की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अनिता शर्मा ने कहा कि कार्यक्रम में अधिक से अधिक महिलाओं को जोड़ने तथा कार्यक्रम में भाग लेने के लिये घर-घर पर पीले चावल बांटकर हमें आमंत्रण देना है। बैठक में संभाग प्रभारी मंजू शर्मा, प्रदेश महामंत्री दिपिका शर्मा, दुर्गेश नन्दनी, राजस्थान महिला ब्राह्मण महासभा नेहा शर्मा (पार्षद), ज्योति जोशी, प्रदेश प्रभारी कालूराम शर्मा, प्रदेश अध्यक्ष राजेश तिवारी, उपाध्यक्ष प्रमोद नागर, प्रदेश संरक्षक प्रेम तिवारी, मध्यप्रदेश उपाध्यक्ष सत्यनारायण शर्मा, जिला अध्यक्ष विश्वास जोशी, जिला उपाध्यक्ष नितिन शर्मा, विजय शर्मा, सौरभ शर्मा, दीपक गौतम, अंकित गौतम, महावीर गौतम, भूपेन्द्र पाण्डे, संभाग प्रभारी बिरधीचन्द शर्मा, प्रणव शुक्ला, सुरेश शुक्ला, ब्रह्मप्रकाश जोशी, प्रकाश व्यास, राजकुमार शर्मा, देवकीनन्दन गौतम, आदि शर्मा, भूपेन्द्र तिवारी, ओम पाठक ने अपने विचार व्यक्त किये।

बैठक के अन्त में राष्ट्रीय प्रभारी संजय शर्मा ने अप्रेल माह में होने वाले सर्व ब्राह्मण समाज के महाकुम्भ के लिए राजेन्द्र जोशी को कार्यक्रम आयोजन का संयोजक घोषित किया है कार्यक्रम का संचालन ओम पाठक ने किया तथा आभार विश्वास जोशी ने व्यक्त किया।

पैसा कमाने में होड कर सकते हो तो आराधना करने में भी होड़ होनी चाहिये : साध्वी प्रभा श्रीजी

रामगंजमंडी (निसं)। शहर के बाजार नं. 3 मे स्थित जैन श्वेताम्बर मंदिर में विराजित साध्वी डॉ विद्युत प्रभा श्री जी ने प्रवचन में कहा कि इंसान को अपनी शक्ति का प्रयोग पॉजिटिव कार्यों में करना चाहिये। उन्होंने कहा कि डॉक्टर को दिखाने मात्र से बीमारी ठीक नहीं होती है।बीमारी को ठीक करने के लिये दवाईया भी लेनी पड़ती है।

साध्वी जी ने कहा कि आज का इंसान डॉक्टर, इंजीनियर व वकील की बात मान रहा है उन पर विश्वास और भरोसा जता रहा है। लेकिन समुद्र से भी ज्यादा विशाल हृदय वाले परमात्मा की वाणी पर विश्वास नहीं रखता। जैसे मोबाईल आज कल अपने आप में ऑल इन वन है।उसी प्रकार परमात्मा भी ऑल इन वन है।जो इंसान अपने मन को परमात्मा और गुरुओं के अनुसार चलाये वह सबसे बड़ा अमीर है।

परमात्मा के बताये रास्ते पर चलने की सीख दी:- साध्वी डॉ विद्युत प्रभा श्री जी ने कहा कि परमात्मा के बताये रास्ते पर सभी को चलना चाहिये। उस रास्ते की सारी तकलीफ और परेशानीयां तो स्वयं परमात्मा ने चलकर दूर कर दी है। जिस रास्ते का निर्माण परमात्मा ने किया है।

जैन श्वेताम्बर मंदिर में विराजित साध्वी डॉ विद्युत प्रभा श्री जी ने प्रवचन में कहा कि इंसान को अपनी शक्ति का प्रयोग पॉजिटिव कार्यों में करना चाहिये।

उस पर चुपचाप चलना है। उन्होंने उपस्थित लोगो से कहा कि पैसा कमाने मे होड कर सकते हो तो आराधना करने मे भी होड होनी चाहिये।खुद के मालिक तो बन नही सकने वाला इंसान दुनिया का मालिक बनने की सोच रखता है जो गलत है। मेरी आज्ञा चलनी चाहिये यह सोच इंसान के तनाव का कारण है। साध्वी जी ने कहा मनुष्य जीवन किसी प्रार्थना या उपहार और लाटरी से नहीं मिलता लाखों जीवन भी तपस्या करने के बाद मिलता है। इसे अच्छे कार्यों में लगावें। जैन श्वेताम्बर श्री संघ के अध्यक्ष राजकुमार पारख ने बताया कि साध्वी मंडल रामगंजमंडी में चार दिन रुका और रविवार को कोटा के लिये विहार किया।कोटा के बाद साध्वी डॉविद्युत प्रभा श्री जी भीलवाडा फिर बाडमेर जायेगी।

रामगंजमंडी से विहार करके साध्वी मंडल रविवार की शाम को ढाबादेह स्थित रामभगत मोदी की कोठी पहुंचा। पैदल विहार मे श्री संघ के रवि बाफना, सुरेन्द्र रांका, सौरभ तिल्लानी, गौरव बाफना विनोद डोसी, संकेत बाफना, प्रदीप चत्तर, सुभाष बाफना, गजेन्द्र छाजेड़ विकास बाफना एवम पूर्व पार्षद साक्षी पारख साथ रहे। रामगंजमंडी श्री संघ सभी साधु साध्वियों के विहार में दरा स्टेशन तक जाता है। उसके बाद कोटा श्री संघ साधु साध्वियों के विहार में साथ रहता है।

"एगर बायें हाथ का स्पिन गेंदबाज है और वह भारत जरूर जायेगा। हमने उसे ट्रायल के लिये टीम में नहीं रखा था। भारत की विकेट अलग है और वहां ऐसा गेंदबाज काफी उपयोगी साबित होता है।"
–पैट कमिंस

आस्ट्रेलियाई कप्तान–अगले महीने भारत के खिलाफ होने वाली श्रृंखला को लेकर

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

दीपिका कुमारी

मां बनने के बीस दिन बाद ही भारत की मशहूर तीरंदाज दीपिका कुमारी अपनी नवजात बेटी को सास ससुर के पास छोडकर 44 पाउंड का धनुष और तीर लेकर भारतीय खेल प्राधिकरण के अभ्यास केंद्र पर लौट आई है। दीपिका की नजरें यहां दस से 17 जनवरी तक होने वाले ओपन सीनियर राष्ट्रीय ट्रायल के जरिये भारतीय टीम में वापसी पर टिकी हैं। एक दशक से अधिक के कैरियर में दो बार दुनिया की नंबर एक तीरंदाज रह चुकी दीपिका ओलंपिक पदक को छोडकर सब कुछ जीत चुकी हैं। अगले साल पेरिस में ओलंपिक होने हैं और दीपिका को पता है कि यह उसके लिये आखिरी मौका है।

क्या आप जानते हैं ?... टेस्ट क्रिकेट इतिहास का पहला टेस्ट इंग्लैंड व ऑस्ट्रेलिया के मध्य 1877 में मेलबोर्न में खेला गया था। इसे ऑस्ट्रेलिया ने 45 रन से जीता।

भारत दौरे से बाहर हुए मैट हेनरी

ऑकलैंड, 8 जनवरी । न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज मैट हेनरी पेट में खिंचाव के कारण भारत और पाकिस्तान के खिलाफ होने वाली एकदिवसीय शृंखलाओं से बाहर हो गये हैं।

न्यूजीलैंड क्रिकेट (एनज़ेडसी) ने शनिवार को ट्वीट करके बताया कि हेनरी को यह चोट पाकिस्तान के विरुद्ध खेले गये दूसरे टेस्ट के पांचवें दिन लगी। बोर्ड ने फिलहाल हेनरी की जगह किसी खिलाड़ी को टीम में शामिल करने की घोषणा नहीं की है।

एनजेडसी ने ट्वीट किया, "कराची में दूसरे टेस्ट के पांचवें दिन पेट में खिंचाव के बाद मैट हेनरी टेस्ट टीम के अन्य सदस्यों के साथ पाकिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज में हिस्सा नहीं लेंगे और स्वदेश लौटेंगे। पाकिस्तान और भारत का सामना करने के लिये एकदिवसीय टीम में एक प्रतिस्थापन की जल्द ही पुष्टि की जाएगी।"

न्यूजीलैंड को पाकिस्तान की मेजबानी में नौ जनवरी से 13 जनवरी के बीच तीन एकदिवसीय मैच खेलने के बाद भारत रवाना होना है। ब्लैक कैप्स के भारत दौरे की शुरुआत 18 जनवरी को तीन मैचों की एकदिवसीय शृंखला से होगी। इसके बाद दोनों टीमें तीन टी20 मैचों में भी आमने–सामने होंगी।

हेनरी के चोड़ग्रस्त होने से सीमित ओवर अभियानों में न्यूजीलैंड की समस्याएं बढ़ गयी हैं। हेनरी से पहले एडम मिल्ने भी चोट से पूरी तरह न उभर पाने के कारण भारत–पाकिस्तान दौरों से अपना नाम वापस ले चुके हैं जबकि काइल जेमिसन जून 2022 में इंग्लैंड दौरे पर लगी पीठ की चोट से अभी तक नहीं उभरे हैं।

फॉलोआन के बावजूद द.अफ्रीका ने तीसरा टेस्ट ड्रॉ कराया

सिडनी, 8 जनवरी। ऑस्ट्रेलिया को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन टेस्ट की श्रृंखला में क्लीनस्वीप करने के लिए रविवार को यहां अंतिम दिन 14 विकेट की दरकार थी लेकिन मेजबान टीम छह ही विकेट हासिल कर सकी जिससे तीसरा और अंतिम टेस्ट ड्रॉ रहा।

मौसम से प्रभावित मैच के अंतिम दिन धूप खिली लेकिन दक्षिण अफ्रीका को पहली पारी में 255 रन पर समेटकर फॉलोआन के लिए मजबूर करने के बावजूद ऑस्ट्रेलिया को ड्रॉ से संतोष करना पडा और टीम ने श्रृंखला 2–0 से अपने नाम की।

दक्षिण अफ्रीका ने दूसरी पारी में कप्तान डीन एल्गर (10) और हेनरिक क्लासेन (35) के विकेट गंवाकर दो विकेट पर 106 रन बनाए तब दोनों टीम मैच ड्रॉ कराने पर सहमत हो गईं। इस समय सलामी बल्लेबाज सेरेल इर्वी 42 जबकि तेंबा बावुमा 17 रन बनाकर खेल रहे थे।

ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी चार विकेट पर 475 रन बनाकर घोषित की थी। ऑस्ट्रेलिया ने लंच के बाद दक्षिण अफ्रीका की पहली पारी को समेटकर विरोधी टीम को फॉलोआन दिया। दूसरी पारी में कप्तान पैट कमिंस (16 रन पर एक विकेट) ने एल्गर को पवेलियन भेजा। एल्गर ने मौजूदा श्रृंखला की छह पारियों में सिर्फ 56 रन बनाए। उन्होंने 3, 2, 26, 0, 15 और 10 रन की पारियां खेली।

जोश हेलवुड (नौ रन पर एक विकेट) ने क्लासेन की पारी का अंत किया लेकिन इर्वी और बावुमा ने मैच ड्रॉ करा दिया। दक्षिण अफ्रीका का 47 मैच में यह पहला ड्रॉ है।

इससे पहले हेजलवुड ने 48 रन पर चार विकेट चटकाए जिससे ऑस्ट्रेलिया ने अंततः दक्षिण अफ्रीका के निचले क्रम को समेटकर टीम को 255 रन पर आउट किया जो फॉलोआन बचाने के स्कोर से 20 रन कम थे। निचले क्रम में मार्को जेनसन ने 78 गेंद में 11 रन बनाए। केशव महाराज ने 81 गेंद में 53 रन की पारी खेली जबकि साइमन हार्मर ने 165 गेंद में करियर की सर्वश्रेष्ठ 47 रन की पारी खेलकर दक्षिण अफ्रीका की फॉलोआन टालने की उम्मीद जगाई थी।

हार्मर और महाराज ने 27 ओवर में 85 रन जोड़कर ऑस्ट्रेलिया को एक और जीत से महरूम रखने में अहम भूमिका निभाई। इन दोनों को हेजलवुड ने आउट किया।

नाथन लियोन (88 रन पर दो विकेट) ने इसके बाद कागिसो रबादा को अपनी ही गेंद पर लपककर दक्षिण अफ्रीका की पहली पारी का अंत किया। ऑस्ट्रेलिया के पास दूसरी पारी में दक्षिण अफ्रीका को समेटने के लिए 47 ओवर थे लेकिन मेजबान टीम को सफलता नहीं मिली। इस ड्रॉ के साथ ऑस्ट्रेलिया ने क्लीनस्वीप और जून में इंग्लैंड के लाडर्स में होने वाले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में जगह सुनिश्चित करने का मौका गंवा दिया।

ऑस्ट्रेलिया को फरवरी में भारत के खिलाफ चार टेस्ट की श्रृंखला के दौरान फाइनल में जगह बनाने का मौका फिर मिलेगा। इस मैच में बारिश और खराब मौसम का असर दिखा। पहले दो दिन सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर मैदान गीला होने से मैच देर से शुरू हुआ जबकि तीसरे दिन एक भी गेंद नहीं फेंकी जा सकी। चौथे दिन भी लंच के बाद ही खेल हो पाया।

राउंडग्लास पंजाब ने नेरोका को 3-1 से रौंदा

पंचकुला, 8 जनवरी। राउंडग्लास पंजाब एफसी (आरजी पीएफसी) ने रविवार को हीरो आई–लीग 2022–23 सीजन के दसवें चरण के मुकाबले में नेरोका एफसी को 3–1 से हराकर घर में अपनी अजेय लय बरकरार रखी।

ताऊ देवी लाल स्टेडियम पर खेले गये मुकाबले में लुका माजेन (12वां मिनट), ब्रैंडन वनलालरेमडिका (15वां मिनट) और कृष्णानंद सिंह (77वां मिनट) ने विजेता टीम के लिये गोल किये। युमनाम गोपी सिंह ने 44वें मिनट में नेरोका एफसी का एकमात्र गोल जमाया।

ब्रैंड वनलालरेमडिका को हीरो ऑफ द मैच चुना गया। आरजीपीएफसी के नौ मैचों में 17 अंक अर्जित करके आई–लीग तालिका में दूसरे स्थान पर बरकरार है, जबकि नेरोका एफसी दस मैचों में सात अंक के साथ 12 टीमों की तालिका में 11वें स्थान पर है। आरजीपीएफसी अपने अगले मैच में 14 जनवरी को पंचकुला के ताऊ देवी लाल स्टेडियम पर मुंबई केंकरे एफसी से भिडेगी।

पांड्या ने नेहरा को दिया कप्तानी में आये बदलाव का श्रेय

राजकोट, 8 जनवरी । भारतीय टीम के कप्तान हार्दिक पांड्या ने उनकी कप्तानी में "बडा बदलाव" लाने का श्रेय गुजरात टाइटन्स में उनके कोच आशीष नेहरा को दिया है। पांड्या ने यहां श्रीलंका के खिलाफ सीरीज जीतने के बाद शनिवार को कहा, "मैंने कभी जूनियर क्रिकेट में भी कप्तानी नहीं की थी। जब मैं अंडर–16 में था, मैंने बडौदा की कप्तानी की थी।

उसके बाद सबको लगा कि मुझे अपने क्रिकेट पर ध्यान देना चाहिये, और तब से मैं कभी कप्तान की भूमिका में नहीं आया।" उन्होंने कहा, "गुजरात के नजरिये से देखा जाये तो जो सबसे जरूरी चीज रही है, वह मेरे कोच थे जिनके साथ मैंने काम किया। आशीष नेहरा मेरे जीवन में बड़ा बदलाव लेकर आये हैं। हम दो अलग–अलग लोग हो सकते हैं, लेकिन जब बात क्रिकेट की आती है तो हमारा नजरिया और सोच काफी मिलते–जुलते हैं।" आईपीएल 2022 में पहली बार उतरी गुजरात टाइटन्स ने पांड्या–नेहरा की अगुवाई में खिताब अपने नाम किया था। उसके बाद से पांड्या आठ टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में भारत की अगुवाई कर चुके हैं। इनमें से छह में उन्हें जीत मिली है, जबकि एक में हार और एक मुकाबला टाई रहा है। पांड्या ने कहा, "उनके साथ रहने से मेरी कप्तानी में वजन आ गया। मैं हमेशा से खेल को समझ सकता था लेकिन मुझे भरोसे की जरूरत थी। उन्होंने उन चीजों पर विश्वास जताया जो मैं पहले से जानता था, जिससे मुझे मदद मिली।" भारत ने श्रीलंका को टी20 सीरीज के निर्णायक मैच में शनिवार को 91 रन से रौंद दिया। उपकप्तान सूर्यकुमार यादव ने जहां 51 गेंदों पर नाबाद 112 रन की विस्फोटक पारी खेली, वहीं टीम में नये आये राहुल त्रिपाठी ने भी 16 गेंदों पर 35 रन का महत्वपूर्ण योगदान दिया। सलामी बल्लेबाज ईशान किशन और शुभमन गिल को जहां शुरुआती ओवरों में संघर्ष करना पड़ा, वहीं अपना दूसरा मैच खेल रहे त्रिपाठी ने आक्रामक रुख अपनाते हुए अपनी पारी में पांच चौके और दो छक्के जडे। पांड्या ने त्रिपाठी की बल्लेबाजी के बारे में कहा, "सब जानते हैं कि सूर्य ने क्या किया, लेकिन राहुल त्रिपाठी का भी उल्लेख जरूरी है। उन्होंने जो रवैया अपनाया, वह खेल को पलट सकता है। अगर आप शुरुआती दो ओवर देखते तो गेंद हरकत कर रही थी। बाहर बैठे लोगों को लगा कि विकेट में गेंदबाजों के लिये मदद है, लेकिन त्रिपाठी के बल्लेबाजी के तरीके की वजह से गेंदबाजों ने अपना टप्पा बदला और थोडी ही देर में गेंद ने हरकत करना बंद कर दी।

कोको गॉफ ने एएसबी क्लासिक का खिताब जीता

ऑकलैंड, आठ जनवरी। शीर्ष वरीय अमेरिका की कोको गॉफ ने नए सत्र की शानदार शुरुआत करते हुए रविवार को यहां महिला एकल फाइनल में स्पेन की क्वालीफायर विक्टोरिया मासारोवा को हराकर एएसबी क्लासिक टेनिस टूर्नामेंट का खिताब जीता।

गॉफ ने मासारोवा को सीधे सेट में 6–1, 6–1 से हराकर अपना तीसरा डब्यूटीए खिताब जीता जो हार्ड कोर्ट पर उनका पहला खिताब है। इस जीत से साल के पहले ग्रैंडस्लैम ऑस्ट्रेलियाई ओपन से पहले गॉफ का मनोबल बढ़ेगा।

फाइनल के दौरान भी बारिश के कारण लंबा ब्रेक देखने को मिला। ऑकलैंड में पूरे टूर्नामेंट के दौरान कई मुकाबलों में बारिश के कारण लंबा ब्रेक देखने को मिला जबकि कई मुकाबलों को इंडोर कोर्ट पर कराने को बाध्य होना पडा।

पूर्व ऑस्ट्रेलियाई ओपन चैंपियन सोफिया केनिन ओर सातवीं वरीय डेंका कोवीनिक जैसी खिलाड़ियों से कड़ी चुनौती मिलने के बावजूद गॉफ ने पूरे टूर्नामेंट के दौरान कोई सेट नहीं गंवाया। गॉफ ने कहा, "बारिश के बावजूद यह हफ्ता मेरे लिए शानदार रहा। मैं अपने लिए सत्र की इससे बेहतर शुरुआत की उम्मीद नहीं कर सकती थी।" उन्होंने कहा, "यह 15 साल की उम्र से खेलते हुए हार्ड कोर्ट पर मेरा पहला खिताब है इसलिए अंततः उस सतह पर प्रभावी प्रदर्शन करके अच्छा लग रहा है जो मुझे पसंद है।"

अमेरिका ने जीता पहला यूनाइटेड कप

सिडनी, 8 जनवरी । मैटियो बेरेटिनी पर टेलर फ्रिट्ज़ की जीत के साथ अमेरिका ने पहले यूनाइटेड कप के फाइनल में रविवार को इटली को 3–0 से हराकर यह खिताब जीत लिया।

फ्रिट्ज़ जब कोर्ट में उतरे तब अमेरिका 2–0 की बढ़त बना चुका था और उसे 1.5 करोड़ डॉलर का खिताब हासिल करने के लिये सिर्फ एक और जीत की जरूरत थी।

फ्रिट्ज़ ने मिश्रित टीम टूर्नामेंट के फाइनल में इटली के बेरेटिनी को 7–6(4) 7–6(6) से मात देकर अमेरिका के लिये खिताब सुनिश्चित किया।

इससे पहले, फ्रिट्ज़ की टीम की साथी जेसिका पेगुला ने इटली की मार्टिना ट्रेविसान को 6–4, 6–2 से मात दी, जबकि लोरेंज़ो मुसेटी ने चोट के कारण फ्रांसिस टियाफो के खिलाफ मुकाबले से अपना नाम वापस ले लिया।

मुसेटी को दाहिने कंधे की यह चोट मुकाबले के दूसरे सेट में लगी। इससे पूर्व टियाफो ने पहला सेट 6–2 से जीता था।

टियाफो ने मैच के बाद कहा, "वह (लोरेंजो) काफी अच्छा खेल रहे थे। मुझे लगा कि मैं बेहतर स्तर पर खेला। मैं देख सकता था कि वह अपने कंधे को बहुत ज्यादा अंदर खींच रहे थे। मैं इस तरह से जीतना नहीं चाहता, खासकर अपनी टीम और खुद के लिए। मुझे उम्मीद है कि लोरेंजो जल्द ही ठीक होंगे।"

डेविस ने गार्सिया को हराकर डब्ल्यूबीए लाइटवेट खिताब बरकरार रखा

वाशिंगटन, 8 जनवरी । जेर्वोंटा डेविस ने शनिवार को यहां आठ दौर के बाद तकनीकी नॉकआउट से हेक्टर लुईस गार्सिया को हराकर अपने डब्ल्यूबीए विश्व लाइटवेट चैम्पियनशिप खिताब का सफलतापूर्वक बचाव किया।

डेविस ने 26वें नॉकआउट के साथ लगातार 28वीं जीत दर्ज की। उन्होंने धीमी शुरुआत के बाद वापसी करते हुए गार्सिया को हराया जिनकी 17वें पेशेवर मुकाबले में यह पहली हार है।

गार्सिया ने डेविस को कडी टक्कर दी लेकिन वह नौवें दौर में धाराशायी हो गए। रात एक बजे के बाद शुरू हुए इस मुख्य मुकाबले को देखने के लिए 19,731 दर्शकों की क्षमता वाला स्टेडियम खचाखच भरा था।

विश्व कप में उलटफेर करने आये हैं : वेल्स कप्तान शिपरले

भुवनेश्वर, 8 जनवरी । वेल्स के कप्तान रूपर्ट शिपरले ने एफआईएच पुरुष हॉकी विश्व कप 2023 के लिये ओडिशा आगमन पर कहा है कि वह यहां उलटफेर अंजाम देने आये हैं।

शिपरले ने शनिवार को बीजू पटनायक अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर आगमन के बाद कहा, "हम यहां जीतने आये हैं, सीधी बात है। हम यहां सिर्फ टीमों की संख्या बढ़ाने नहीं बल्कि उलटफेर अंजाम देने आये हैं।"

पहली बार पुरुष हॉकी विश्व कप में हिस्सा ले रही वेल्स ग्रुप–डी में अपने अभियान की शुरुआत इंग्लैंड के खिलाफ 13 जनवरी को करेगी, जबकि उनका दूसरा मुकाबला 15 जनवरी को स्पेन से होगा। यह दोनों मुकाबले राउरकेला के नवनिर्मित बिरसा मुंडा अंतरराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम में खेले जायेंगे। शिपरले की टीम ग्रुप–स्टेज का अपना आखिरी मैच मेजबान भारत के खिलाफ खेलेगी। दोनों टीमें इससे पहले बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेल 2022 में भी आमने–सामने आयी थीं, जहां भारत ने 4–1 से मुकाबला जीता था। शिपरले ने कहा कि उनकी टीम ने तब से अब तक अपने खेल पर काम किया है और वे 19 जनवरी को मेजबान टीम से भिड़ने के लिये तैयार हैं। शिपरले ने कहा, "हम भारतीय प्रशंसकों के सामने उनकी टीम का सामना करने के लिये उत्सुक हैं। यह एक विशेष अवसर होने जा रहा है। हमने अपने पूली की सभी टीमों से पहले भी मुकाबला किया है और हम जानते हैं कि हमें उनसे क्या अपेक्षा करनी है। हम अब बस मैदान पर उतरने के लिये व्याकुल हैं।" वेल्स के मुख्य कोच डैनी न्यूकॉम्ब ने भी पहली बार विश्व कप खेलने पर अपनी उत्सुकता जाहिर की। न्यूकॉम्ब ने कहा, "हम यहां आकर भारत में अपना पहला विश्व कप खेलने को लेकर बेहद उत्साहित हैं। यहां होना हमारे लिये सौभाग्य की बात है लेकिन हम आखिरकार यहां हॉकी खेलने आये हैं। भारतीय प्रशंसकों के सामने भारत के खिलाफ खेलना सोने पे सुहागा है।"

न्यूकॉम्ब ने पूल डी की अन्य टीमों को चेतावनी देते हुए कहा कि वेल्श टीम किसी भी तरह के दबाव में धराशाई नहीं होने वाली है। न्यूकॉम्ब ने कहा, "खिलाड़ियों का यह समूह काफी अनुभवी है। हम में से अधिकांश लगभग छह साल से साथ हैं और हमने यहां रहने का अधिकार अर्जित किया है, हम यहां सिर्फ एफआईएच ओडिशा हॉकी पुरुष विश्व कप 2023 भुवनेश्वर–राउरकेला में भाग लेने नहीं आये हैं।"

आप जितना अधिक दबाव डालेंगे उतना अधिक अच्छा खेल सकते हैं: सूर्यकुमार

राजकोट, 8 जनवरी। भारत के तेजतर्रार बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव ने कहा कि मैच की तैयारी के दौरान वह खुद को दबाव में रखना पसंद करते हैं।

इस 32 वर्षीय बल्लेबाज ने शनिवार को श्रीलंका के खिलाफ तीसरे और अंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में 51 गेंदों में नाबाद 112 रन बनाकर भारत की 91 रन से जीत की नींव रखी जिससे मेजबान टीम ने श्रृंखला 2–1 से अपने नाम की।

सूर्यकुमार ने आक्रामक पारी खेलने के बाद कहा, "जब आप मैच की तैयारी कर रहे होते हैं तो खुद पर दबाव बनाना बेहद महत्वपूर्ण होता है। आप जितना अधिक दबाव डालते हैं उतना ही बेहतर खेल सकते हैं। इसमें काफी कडी मेहनत होती है। कुछ स्तरीय अभ्यास सत्र भी शामिल होते हैं।"

सूर्यकुमार ने अपनी पारी में सात चौके और नौ छक्के लगाए जिससे भारत ने पांच विकेट पर 228 रन का बड़ा स्कोर खडा किया। इस स्टार बल्लेबाज ने मैदान में चारों तरफ शॉट खेले और उन्होंने अपना स्वाभाविक खेल खेलने का श्रेय मुख्य कोच राहुल द्रविड को दिया।

उन्होंने कहा, "पीछे की बाउंड्री 59–60 मीटर थी इसलिए मैंने वहां शॉट खेलने की कोशिश की। कुछ शॉट ऐसे होते हैं जो पहले से तय होते हैं लेकिन आपको अन्य शॉट के लिए भी तैयार रहना होता है।" सूर्यकुमार ने कहा, "ज्यादातर समय मैं गेंद को क्षेत्ररक्षकों के बीच से खेलने की कोशिश करता हूं और क्षेत्ररक्षकों के खड़े होने की स्थिति का फायदा उठाता हूं। द्रविड ने मुझे लुत्फ उठाने की आजादी दी और मुझे खुद को जाहिर करने के लिए कहा।" मध्य क्रम के इस बल्लेबाज का यह केवल सात महीने में अंतरराष्ट्रीय प्रारूप में तीसरा शतक था जिससे वह खेल के इतिहास में पहले खिलाड़ा बन गए जिन्होंने बल्लेबाजी का आगाज नहीं करते हुए तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय शतक बनाए। गेंदों का सामना करने के लिहाज से सूर्यकुमार टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में सबसे तेजी से 1500 रन के आंकडे तक पहुंचने वाले बल्लेबाज भी बने। मुंबई में जन्में इस बल्लेबाज ने 45 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में 46.41 के औसत और 180.34 के स्ट्राइक रेट से 1578 रन बनाए हैं। जिसमें तीन शतक और 13 अर्धशतक शामिल हैं। सूर्यकुमार ने अपनी पारी के संदर्भ में कहा, "जिस तरह से पारी चली उससे मैं वास्तव में खुश हूं। मेरे कुछ शॉट पहले से तय थे लेकिन ये ऐसे शॉट हैं जो मैं पिछले एक साल से खेल रहा हूं और मैं कुछ अलग नहीं कर रहा हूं। तो कुछ भी नया नहीं है। यह 2023 में एक नई शुरुआत है और मुझे अच्छा प्रदर्शन जारी रखने की उम्मीद है।"

राष्ट्रीय चैंपियनशिप में दुर्घटना के बाद रेसर के ई कुमार का निधन

चेन्नई, 8 जनवरी । चेन्नई से करीब 40 किलोमीटर दूर मद्रास इंटरनेशनल सर्किट में एमआरएफ इंडियन नेशनल कार रेसिंग चैंपियनशिप 2022 के दूसरे चरण के दौरान रविवार को एक कार दुर्घटना में सम्मानित रेसर के ई कुमार का निधन हो गया। उनकी उम्र 59 साल थी।

यह घटना तब हुई जब सैलून कारों की दौड़ के दौरान कुमार की कार एक प्रतियोगी की कार से टकरा गयी। इस टक्कर के बाद कार रोड से फिसल कर बाड से टकराई और छत पर जा गिरी। इस दुर्घटना के तुरंत बाद रेस को रोक दिया गया। कुछ ही मिनटों में कुमार को मलबे से निकाला गया। उन्हें ट्रैक के मेडिकल सेंटर में प्रारंभिक जांच के बाद एम्बुलेंस से पास के अस्पताल में स्थानांतरित किया गया। डॉक्टरों के अथक प्रयासों के बावजूद कुमार को नहीं बचाया जा सका। चैंपियनशिप के चेयरमैन विकी चंडोक ने इसे सबसे दुर्भाग्यपूर्ण घटना करार देते हुए कहा, कुमार एक अनुभवी रेसर थे। मैं उन्हें कई दशकों से एक दोस्त और प्रतिस्पर्धी के तौर पर जानता हूं। एमएमएससी और पूरी रेसिंग बिरादरी उनके निधन पर शोक व्यक्त करती है और उनके परिवार के प्रति हार्दिक संवेदना व्यक्त करती है।" चंडोक ने कहा कि खेल के शासी निकाय भारतीय मोटर स्पोर्ट्स क्लब महासंघ (एफएमएससीआई) और आयोजक मद्रास मोटर स्पोर्ट्स क्लब (एमएमएससी) ने घटना की जांच शुरू कर दी है।

मुझे खुद को किसी के सामने साबित करने की जरूरत नहीं है : कप्तानी पर उठते सवालों पर बोले बाबर

कराची, आठ जनवरी। घरेलू टेस्ट सत्र में एक भी जीत दर्ज नहीं कर पाने वाले पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम पर उनकी कप्तानी को लेकर सवालों की बौछार की गई।

न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे श्रृंखला से पहले मीडिया से मुखातिब बाबर से एक पत्रकार ने पूछा कि क्या पिछले साल से घरेलू रिकॉर्ड खराब होने के कारण वह टेस्ट कप्तानी छोडने की सोच रहे हैं । इस पर बाबर ने कहा ,"मुझे लगता है कि टेस्ट मैच खत्म हो चुके हैं और अब हमें सीमित ओवरों की श्रृंखला खेलनी है । उसके बारे में ही सवाल पूछें ।"

कप्तानी को लेकर फिर उठे सवाल पर उन्होंने कहा ,"मुझे खुद को किसी को साबित करने की जरूरत नहीं है । मुझे पता है कि मैं क्या कर रहा हूं। मेरा फोकस पाकिस्तान के लिये अच्छा खेलने पर है।"

उन्होंने कहा ,"सीमित ओवरों के क्रिकेट में हमने अच्छा प्रदर्शन किया है और न्यूजीलैंड के खिलाफ भी उस लय को कायम रखना चाहते हैं। न्यूजीलैंड बहुत अच्छी टीम है और दोनों टीमों के लिये यह कठिन श्रृंखला होगी।" उन्होंने कहा कि खिलाडियों के चयन को लेकर अंतरिम मुख्य चयनकर्ता शाहिद अफरीदी से उनका कोई मसला नहीं है ।

उन्होंने कहा कि वह और मुख्य कोच अपनी राय देते हैं और बैठकों में अपनी रणनीति से भी चयनकर्ताओं को अवगत कराते हैं ।"

न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियमसन ने कहा कि हालात देखकर ही वह इस श्रृंखला को लेकर टीम की रणनीति तय करेंगे। उन्होंने कहा ,"हमारे कुछ खिलाड़ी यहां पहली बार खेल रहे हैं जिनके लिये यह नया अनुभव होगा और उन्हें हालात के मुताबिक ढलना होगा।"

चोट के बावजूद जोकोविच ने जीता एडीलेड इंटरनेशनल

एडीलेड, 8 जनवरी। चोट के बावजूद नोवाक जोकोविच ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अमेरिका के गैर वरीय सेबेस्टियन कोरडा को 6–7, 7–6, 6–4 से हराकर एडीलेड इंटरनेशनल खिताब जीत लिया ।

जोकोविच को दानिल मेदवेदेव के खिलाफ सेमीफाइनल मुकाबले के दौरान चोट लगी थी । इसके बावजूद उन्होंने तीन घंटे से अधिक समय चला मैराथन फाइनल खेला और कैरियर का 92वां एकल खिताब अपने नाम किया।

एडीलेड में यह उनका दूसरा खिताब है। इससे पहले 2007 में 19 वर्ष की उम्र में उन्होंने खिताब जीता था। इससे पहले महिला वर्ग में दूसरी वरीय एरीना सबालेंका ने क्वालीफायर लिंडा नोसकोवा को सीधे सेट में हराकर अपना 11वां डब्यूटीए टूर एकल और लगभग दो साल में पहला एकल खिताब जीता। सबालेंका ने डब्यूटीए स्तर पर पहली बार फाइनल में जगह बनाने के दौरान तीसरी वरीय दारिया कसात्किना और पूर्व ऑस्ट्रेलियाई ओपन चैंपियन विक्टोरिया अजारेंका को हराने वाली 18 साल की नोसकोवा को 6–2 7–6 से हराया। सबालेंका ने अपनी खिताबी जीत के दौरान पूरे टूर्नामेंट में एक भी सेट नहीं गंवाया।

भारत के विनोद कुमार और कीनिया की किमितवाई ने चेन्नई मैराथन खिताब जीते

चेन्नई, 8 जनवरी । भारत के विनोद कुमार श्रीनिवासन और कीनिया की ब्रिगिड जेरेंड किमितवाई ने रविवार को यहां 11वीं चेन्नई मैराथन 2023 में क्रमशः पुरुष और महिला वर्ग में पूर्ण मैराथन खिताब जीते। श्रीनिवासन ने दो घंटे 37 मिनट और 28 सेकेंड के समय के साथ खिताब जीता। ज्ञान बाबू दो घंटे 48 मिनट और 46 सेकेंड के साथ दूसरे जबकि जगदीशन मुनासामी दो घंटे 57 मिनट और 39 सेकेंड के समय के साथ तीसरे स्थान पर रहे। महिला वर्ग में किमितवाई तीन घंटे 31 मिनट और 36 सेकेंड के समय के साथ शीर्ष पर रहीं। भारत की संध्या शंकर (तीन घंटे 33 मिनट 57 सेकेंड) ने दूसरा जबकि ममता रावत (तीन घंटे 53 मिनट 41 सेकेंड) ने तीसरा स्थान हासिल किया। इस मैराथन में विभिन्न वर्गों में 20 हजार से अधिक धावकों ने हिस्सा लिया। इसमें पहली बार 30 दृष्टिबाधित धावकों ने भी पदार्पण किया जबकि 50 ब्लेड रनर और 50 व्हीलचेयर रनर ने भी हिस्सा लिया।

ऑस्ट्रेलिया ओपन से हटीं नाओमी ओसाका

मेलबर्न, 8 जनवरी। दो बार की चैंपियन नाओमी ओसाका ने पुष्टि की है कि वह सत्र के पहले ग्रैंडस्लैम टेनिस टूर्नामेंट ऑस्ट्रेलियाई ओपन में नहीं खेलेंगी।

आयोजकों ने रविवार को ट्वीट करके पुष्टि की कि 2019 और 2021 की चैम्पियन जापान की ओसाका ऑस्ट्रेलियाई ओपन में हिस्सा नहीं लेंगी। आयोजकों ने ट्वीट किया, "नाओमी ओसाका ऑस्ट्रेलियाई ओपन से हट गई हैं। हमें ऑस्ट्रेलियाई ओपन 2023 में उनकी कमी खलेगी।"

पच्चीस साल की ओसाका विश्व रैंकिंग में 47वें स्थान पर खिसक गई हैं और वह सितंबर में तोक्यो में दूसरे दौर में हटने के बाद से नहीं खेली हैं। ओसाका की जगह डेयाना यास्त्रेमस्का को मुख्य ड्रॉ में जगह दी गई है। ऑस्ट्रेलियाई ओपन 16 जनवरी से शुरू होगा और पहले ही कई अहम खिलाड़ा टूर्नामेंट से हट चुके हैं।

दुनिया के नंबर एक पुरुष खिलाड़ा कार्लोस अल्कारेज टखने की चोट के कारण शनिवार को टूर्नामेंट से हट गए।

पूर्व फाइनलिस्ट सिमोना हालेप भी इस साल ऑस्ट्रेलियाई ओपन में नहीं खेलेंगी जबकि वीनस विलियम्स ने भी ऑकलैंड में अभ्यास के दौरान चोटिल होने के बाद वाइल्ड कार्ड लौटा दिया है।

ज़िदान ने अमेरिका के कोच बनने का प्रस्ताव ठुकराया

वाशिंगटन, 8 जनवरी। फ्रांस के प्रमुख फुटबॉल मैनेजर और पूर्व खिलाड़ा ज़िनेदिन ज़िदान ने अमेरिकी राष्ट्रीय पुरुष टीम का नया कोच बनने का प्रस्ताव ठुकरा दिया है। अमेरिकी मीडिया ने सूत्रों के हवाले से रविवार को यह जानकारी दी।

ईएसपीएन ब्रॉडकास्टर ने बताया कि अमेरिकी सॉकर फेडरेशन ने ज़िदान से संपर्क किया है ताकि वर्तमान कोच ग्रेग बेरहल्टर का अनुबंध समाप्त होने के बाद उन्हें राष्ट्रीय टीम का प्रबंधन करने की पेशकश की जा सके। इससे पहले, मीडिया ने बताया था कि ज़िदान कतर में 2022 विश्व कप के बाद फ्रांस की राष्ट्रीय टीम के नये कोच बन सकते हैं, हालांकि फ्रांसीसी फुटबॉल महासंघ ने वर्तमान कोच डिडिएर डेसचैम्प्स के अनुबंध का विस्तार 2026 विश्व कप तक करने का फैसला किया।

विश्व कप में हिस्सा लेने भुवनेश्वर पहुंची कोरिया

भुवनेश्वर, 8 जनवरी। कोरियाई पुरुष हॉकी टीम एफआईएच ओडिशा हॉकी पुरुष विश्व कप 2023 में भाग लेने के लिये रविवार को यहां बीजू पटनायक अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरी जहां उनका जोरदार स्वागत किया गया।

हॉकी एशिया कप 2022 की चैंपियन कोरिया को विश्व कप के लिये पूल–बी में गत चैंपियन बेल्जियम, जापान और जर्मनी के साथ रखा गया है।

कोच शिन सियोक क्यो की टीम 14 जनवरी को बेल्जियम के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी, जबकि उनका दूसरा मुकाबला 17 जनवरी को जापान के विरुद्ध होगा।

शुरुआती दो मुकाबले भुवनेश्वर के कलिंगा स्टेडियम पर खेलने के बाद कोरिया ग्रुपस्टेज का अपना आखिरी मैच राउरकेला में 20 जनवरी को जर्मनी के विरुद्ध खेलेगी।

कोरिया वर्तमान में अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) की रैंकिंग में 10वें स्थान पर है और 2014 विश्व कप में भी 10वें स्थान पर रही थी।

टीम का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2002 और 2006 के विश्व कप में आया था जब उसने चौथा स्थान हासिल किया था।

कोच सियोक क्यो ने ओडिशा आगमन पर कहा, "हमने भारत में बहुत मुकाबले खेले हैं और अब हम एफआईएच ओडिशा हॉकी पुरुष विश्व कप 2023 के लिए लिये फिर से यहां आकर उत्साहित हैं।

हमें यहां आना और भारत में खेलना पसंद है क्योंकि इस तरह के दर्शकों के सामने खेलना बहुत अच्छा लग रहा है।" टूर्नामेंट बडी टीमों से भरा हुआ है और हम उनका सामना करने और प्रशंसकों के सामने रोमांचक परिणाम देने के लिये तैयार हैं।" सियोक क्यो ने ग्रुप मैचों के लिये उनकी तैयारियों पर कहा, "हमारी टीम वास्तव में अच्छी है और खिलाड़ियों को अपनी क्षमताओं पर भरोसा है। हमारे ग्रुप में बेल्जियम और जर्मनी जैसी शीर्ष टीमें हैं और ग्रुप चरण में उनके खिलाफ मैच मुश्किल होंगे। हालांकि हम यह मुकाबले जीतने के लिये 100 प्रतिशत कोशिश करेंगे।"

कोरिया के कप्तान ली नामयोंग ने कहा, "हमारे खिलाड़ी यहां आकर उत्साहित हैं और टूर्नामेंट में हमारी बडी महत्वाकांक्षाएं हैं। हम अच्छा प्रदर्शन करना चाहते हैं और विश्वास है कि हम विश्व कप में बड़े मैच जीतने में सक्षम होंगे। हमारी टीम के पास काफी अनुभव है जो हमारे लिये महत्वपूर्ण साबित होगा।"

उन्होंने कहा, "हम टूर्नामेंट में एक समय में एक मैच पर ध्यान देना चाहते हैं। हमारा पहला मुकाबला गत चैम्पियन बेल्जियम के खिलाफ है और यह वास्तव में कठिन होगा। हमें अपनी पूरी क्षमता से खेलना होगा और अगर हम मूल चीजों को सही रखते हैं तो नतीजा अपने पक्ष में कर सकते हैं।"

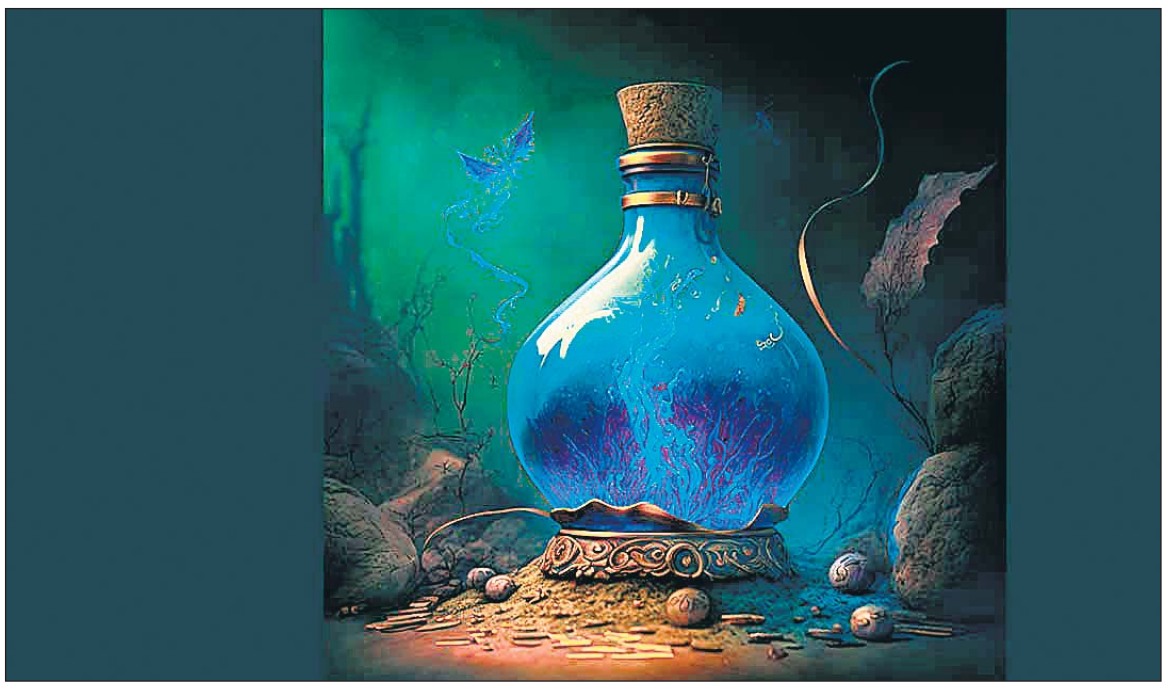

टर्की के इत्र बनाने वालों का एक ग्रुप मैसोपोटामिया के एक प्राचीन इत्र का फॉर्मूला फिर से तैयार कर रहा है। मूलतः 3200 साल पहले बना यह इत्र जिस क्षेत्र का है उसे "क्रेडल ऑफ सिविलाइज़ेशन" कहा जाता है। इस इत्र में जिन पेड़ पौधों का इस्तेमाल किया गया है, वो मूलतः मैसोपोटामिया में ही मिलते हैं। वर्तमान में इसे दक्षिण पूर्व टर्की के दियारबाकिर शहर के चर्च ऑफ सेंट जॉर्ज में प्रदर्शित किया जा रहा है। यह दूसरी मैसोपोटैमियन फ्रेगरैंस एग्ज़ीबिशन है, पहली एग्ज़ीबिशन इस वर्ष के आरंभ में हुई थी। प्राचीन काल में दियारबाकिर शहर उन गिने-चुने स्थानों में एक था, जहां इत्र संस्कृति फली-फूली। ऊपरी मैसोपोटैमियन क्षेत्र में मिलने वाले पौधों से बनाए गए इस परफ्यूम का नाम, अनाज व लेखन की देवी के नाम पर "निसाबा" रखा गया है। निसाबा सबसे प्राचीन सुमेरी देवियों में से एक हैं जिनका लिखित उल्लेख मिलता है। हालांकि बाद में उनकी जगह एक अन्य देवता "नाबू" को दे दी गई थी पर निसाबा का उल्लेख मैसोपोटामिया के लिखित रिकॉर्ड्स में जारी रहा। ऐरोमाथैरपिस्ट और खुशबू के विशेषज्ञ, बिहतर तुरकन एरगुल, जो इस प्रोजैक्ट में शामिल हैं, ने कहा, हमने इसे नया नाम दिया है, मैसोपोटैमियन निसाबा, जो अनाज, जमीन और ज्ञान की देवी है। हमने इसे यह नाम इसलिए दिया है क्योंकि अनाज भी मिट्टी से ही आता है। दियारबाकिर शहर मैसोपोटामिया के बेसिन में है। यह स्थान सुमेरियन, असीरियन बैबीलोनियन और हिटाइट जैसी कई प्राचीन सभ्यताओं का घर था। यह इत्र उत्पादन का केन्द्र था तथा इत्र के व्यापारिक मार्ग का प्रमुख पड़ाव था। ज्ञातव्य है कि यह व्यापारिक मार्ग भारत से अरब, अरब से मैसोपोटामिया, सीरिया, इज़राइल, मिस्र, यूनान व रोम को जोड़ता था। मैसोपोटामिया के प्राचीन परफ्यूम कांच से बनी विशेष बोतलों में या चीनी मिट्टी के बर्तनों में रखे जाते थे। विभिन्न उत्खनन अभियानों में ऐसी बोतलें मिली हैं। एग्ज़ीबिशन में जिन बोतलों की प्रतिकृतियां प्रदर्शित हैं, वे 3000 साल पुराने ज़ैरज़ैवान किले की खुदाई में मिली थीं। इस प्रोजैक्ट के लिए बहुत रिसर्च की गई है और उसके बाद इत्र निर्माण प्रक्रिया को लैबोरेटरी टैक्नीक में बदला गया है। इत्र बनाने के लिए उन वृक्षों की पहचान की गई जिनसे प्राचीनकाल में परफ्यूम बना था। यह आसान काम नहीं था। एरगुल ने कहा कि, अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर इस खुशबू को प्रमोट किया जायेगा।

पूनिया ऐसे व्यक्ति हैं, जिन्होंने लाखों बेटियों के भविष्य को संवारने का काम किया : विजया राहटकर

आमेर में भाजपा जन आक्रोश महासभा में डॉ. सतीश पूनिया, विजया राहटकर, राजेन्द्र राठौड़ ने कहा, 2023 में राजस्थान में तीन चौथाई बहुमत से भाजपा की सरकार बनेगी

जयपुर, 8 जनवरी (का.सं.)। कांग्रेस सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ पूरे राजस्थान में चल रही भाजपा की जन आक्रोश महासभायें 156 से अधिक विधानसभा क्षेत्रों में हो चुकी हैं, आगामी दिनों में सभी 200 विधानसभा क्षेत्रों में होंगी।

■ आमेर की धरती परिवर्तन की धरती है, यहां से धरती पुत्र स्व. भैरोंसिंह शेखावत विधायक बने, जिन्होंने मुख्यमंत्री बनकर प्रदेश का विकास किया, उसी तरह धरती पुत्र सतीश पूनिया यहां के विधायक बनकर सेवा कर रहे हैं: राजेन्द्र राठौड़।

इसी क्रम में आमेर विधानसभा क्षेत्र के रामपुरा मंडल में भाजपा जन आक्रोश महासभा को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया, भाजपा राष्ट्रीय मंत्री एवं प्रदेश सह प्रभारी विजया राहटकर, उपनेता प्रतिपक्ष एवं भाजपा वरिष्ठ नेता राजेन्द्र राठौड़ ने संबोधित कर 2023 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में तीन चौथाई बहुमत की भाजपा सरकार बनाने का संकल्प और आव्हान किया, जहां मौजूद अपार जनसमूह ने हाथ उठाकर संकल्प का समर्थन किया।

सतीश पूनिया ने कहा कि, भाजपा की सरकार में 2013 से 2018 के बीच में आमेर में 1500 करोड़ के विकास कार्य करवाये, जिसमें केन्द्र की मोदी सरकार और प्रदेश की भाजपा सरकार के जरिये खूब काम हुये। मेरे जैसे सामान्य किसान परिवार में जन्मे कार्यकर्ता को दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी भाजपा और भाजपा केन्द्रीय नेतृत्व ने राजस्थान जैसे बड़े प्रदेश का मुख्य कार्यकर्ता बनाकर जो जिम्मेदारी दी है।

आमेर की जालसू पंचायत समिति क्षेत्र में संचालित मॉडल सीएचसी पूरे राजस्थान की सीएचसी के लिये बेहतरीन उदाहरण है सुविधाओं को लेकर, जिसमें वेंटिलेटर सहित तमाम चिकित्सा सुविधायें हैं, इस काम में चिकित्सा मंत्री रहते हुये मेरे बड़े भाई राजेन्द्र राठौड़ का बहुत बड़ा योगदान है, जिसके लिये उन्होंने करोड़ों रुपये की राशि आवंटित की थी। राजस्थान का कोई व्यक्ति नहीं भूल सकता कि करौली, भीलवाड़ा, जोधपुर, उदयपुर सहित तमाम जिलों में जो कांग्रेस शासन में दंगे हुये, उदयपुर का कन्हैयालाल साहू हत्याकांड कोई नहीं भूल सकता, जिनका दिनदहाड़े सिर कलम कर हत्या कर दी गई।

विजया राहटकर ने संबोधित करते हुये कहा कि, भाजपा जन आक्रोश यात्रा पूरे राजस्थान में इतिहास रचने जा रही है, जिसके माध्यम से राजस्थान की जनता भाजपा को आशीर्वाद देकर प्रचंड बहुमत की 2023 में मजबूत सरकार बनायेगी, जो सरकार राजस्थान के विकास, सुरक्षा, शांति और सम्मान के लिये काम करेगी। जन आक्रोश के माध्यम से पूरे राजस्थान में सवा लाख किलोमीटर यात्रा, 200 विधानसभाओं में गांव-गांव में जनता को स्पर्श करने का काम हम कर रहे हैं, 50 हजार से अधिकर चौपालें कर करोड़ों लोगों से संवाद एवं संपर्क कर चुके हैं। भाजपा राजस्थान के अध्यक्ष सतीश पूनिया ऐसे कर्मशील प्रदेश अध्यक्ष हैं, भाजपा के जिन्होंने नरेन्द्र मोदी की कल्याणकारी योजना सुकन्या समृद्धि योजना के जरिये राजस्थान की लाखों बेटियों के भविष्य को संवारने का काम किया है।

राजेन्द्र राठौड़ ने कहा कि, पूरे राजस्थान में कांग्रेस के कुशासन के खिलाफ चल रही भाजपा की जन आक्रोश सभाओं के शिल्पीकार बने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया, जो रॉकेट की तरह प्रवास करते हैं, हम सभी नेता इनके नेतृत्व में भाजपा के मिशन 2023 में जुटे हुये हैं, जिसे हम प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में बड़ी जीत के साथ पूरा कर भाजपा की सरकार बनायेंगे। रीट की चीट सहित दर्जनों से अधिक पेपर लीक के मामले कांग्रेस शासन में हुये, जिनमें राजीव गांधी स्टडी सर्किल से जुड़े लोग शामिल पाये गये, इस स्टडी सर्किल के पैटर्न स्वयं मुख्यमंत्री अशोक गहलोत हैं। इससे भी आगे बढ़कर पीसीसी चीफ गोविंद डोटासरा के संरक्षण में कलाम इंस्टीट्यूट चल रहा है, जिसमें मोटी फीस लेकर गारंटी बैच चलाये जाते हैं, पेपर भी दिये जाते हैं, डोटासरा का पूरा कुनबा आरएएस बन गया, कहने का मतलब कांग्रेस शासन में पेपर लीक से लेकर हर विभाग में जमकर भ्रष्टाचार हो रहा है, ऐसे भ्रष्टाचारी और जनविरोधी कांग्रेस सरकार को 2023 में उखाड़ फेंकेगे। आमेर की धरती परिवर्तन की धरती है, यहां से धरती पुत्र राजस्थान की राजनीति के अजातशत्रु स्व. भैरोंसिंह शेखावत ने विधायक बनकर यहां की जनता का प्रतिनिधित्व विधानसभा में किया था, अब उसी तरह वैसे ही धरती पुत्र आपके विधायक सतीश पूनिया आमेर का प्रतिनिधित्व विधानसभा में कर आपकी सेवा कर रहे हैं। जन आक्रोश महासभा में प्रदेश मुख्य प्रवक्ता रामलाल शर्मा, प्रदेश मंत्री महेन्द्र यादव, एसटी मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष जितेन्द्र मीणा, एससी मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष कैलाश मेघवाल, अल्पसंख्यक मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष सादिक खान, प्रधान हरदेव यादव, प्रधान बद्रीनारायण बागड़ा, जिला अध्यक्ष जितेन्द्र शर्मा, इत्यादि उपस्थित रहे।

'सभी की परफॉर्मेंस देखेंगे, जिनकी परफॉर्मेंस नहीं है, उनको टिकट देकर करेंगे भी क्या?'

राजस्थान कांग्रेस प्रभारी रंधावा बोले, जो लोग बैठकों में आए हैं, उनका स्वागत है और जो लोग बैठकों में नहीं आते हैं, ऐसे लोगों की हमें जरूरत भी नहीं है

जयपुर, 8 जनवरी (का.प्र.)। कांग्रेस के हाथ से हाथ जोड़ो अभियान की तैयारियों के लिए रविवार को प्रदेश कांग्रेस कमेटी में बैठक हुई। बैठक के दौरान प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा ने नेताओं को चेतावनी दी, आंखें दिखाईं, धमकाया, तो टिकट प्राप्त करने के तरीके भी बताए। लेकिन मुख्यमंत्री अशोक गहलोत सिर्फ सरकार की योजनाओं को लेकर खुद की पीठ थपथपाते दिखे। वहीं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने हमेशा की तरह हाथ से हाथ जोड़ो अभियान पर चर्चा से ज्यादा मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और उनकी सरकार की योजनाओं की तारीफ की।

बैठक के दौरान प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा ने पार्टी कार्यकर्ताओं और संगठन को ज्यादा तवज्जो देने की सिफारिश करते हुए कहा कि, यदि संगठन है तभी हम हैं, वरना संगठन के बिना हमारा कोई वजूद नहीं है। इसी के साथ उन्होंने यह भी कहा कि, किसी एक आदमी के कांग्रेस छोड़ने से पार्टी कमजोर नहीं होगी, क्योंकि संगठन है, तो हम हैं। इसी के साथ उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि, सब मिल बैठकर खाएंगे तो अच्छा रहेगा, वरना एक ही व्यक्ति यदि ज्यादा खाएगा तो पेट खराब हो सकता है। इस बात के जरिए उन्होंने सरकार में बैठे हुए मंत्रियों को एक तरह से हिदायत दी, कि कांग्रेस के कार्यकर्ताओं की सुनवाई नहीं हुई तो स्थितियां खराब हो सकती हैं। इसी के साथ उन्होंने संगठन की बैठकों में नहीं आने वाले नेताओं को चेतावनी देते हुए कहा कि, जो लोग इन बैठकों में आए हैं, उनका स्वागत है और जो लोग बैठकों में नहीं आते हैं, ऐसे लोगों की हमें जरूरत भी नहीं है। इसी के साथ उन्होंने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा से कहा कि, वे कुछ सख्त हो जाए, क्योंकि ज्यादा नरमी बरतने के कारण लोग लापरवाह हो जाते हैं। इसी के साथ प्रभारी रंधावा ने यह भी कहा कि सभी की परफॉर्मेंस देखेंगे, जिनकी परफॉर्मेंस नहीं है उनको टिकट देकर करेंगे भी क्या?

■ गहलोत ने चेताया कि, प्रभारी और समन्वयक की मौजूदगी के बावजूद जो लोग बैठक में नहीं आते, उन्हें राजनीतिक नुकसान उठाना पड़ सकता है

■ 'हाथ से हाथ जोड़ो' अभियान के लिए बुलाई गई बैठक में पी.सी.सी. अध्यक्ष डोटासरा अभियान से ज्यादा, सरकार की तारीफ का पुल बांधने में व्यस्त रहे।

वहीं मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि कितनी बड़ी बात है कि प्रभारी यहां मौजूद हैं, और हाथ से हाथ जोड़ो कार्यक्रम के समन्वयक भी यहां मौजूद हैं। इसके बावजूद नेता यहां नहीं आए। उन्होंने कहा कि आगे प्रदेश कांग्रेस का विस्तार भी होना है। विधानसभा में टिकट का वितरण भी होना है। इस बात के जरिए उन्होंने एक तरह से नेताओं को चेतावनी दी कि जो लोग इस तरह की महत्वपूर्ण बैठकों में अनुपस्थित रहते हैं, उनको राजनीतिक नुकसान भी उठाना पड़ सकता है।

बैठक के बाद मीडिया से बात करते हुए भाजपा पर निशाना साधा। गहलोत ने कहा कि चार साल से इनको विधानसभा में देख रहे हैं। जब हम बजट पेश करते हैं तो ये विधानसभा से छिपकर भागते हैं। इनकी ऐसी पिटाई मैंने नहीं देखी। ये खड़े होकर मीडिया से बात नहीं कर पा रहे। कहते हैं पैसा कहां से आएगा। मैंने कहा कि कटारियाजी पैसा कहां से आएगा। इसकी चिंता मुझे करनी चाहिए, आप क्यों चिंता कर रहे हो?

इसी के साथ गहलोत ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि हमने जो बजट में घोषणा की थी, वो पूरी हो रही हैं। हर विधायक कह रहा है कि सिर्फ घोषणा नहीं हुई है। हमारी योजनाएं जिनका राहुल गांधी ने अलवर में जिक्र किया था। ऐसी 5 योजनाएं देशभर में कहीं नहीं हैं। ओल्ड पेंशन स्कीम को लेकर मुख्यमंत्री गहलोत ने कहा कि हमने पीएम से आग्रह किया है। आप ओपीएस को लागू क्यों नहीं कर रहे हो, मगर भारत सरकार जवाब नहीं दे रही है। वो जिन्हें पेंशन मिल रही है। आज वो सवाल उठा रहे हैं। अगर ओपीएस के लागू रहते 60 साल तक देश ने विकास किया है। अब क्या तकलीफ है। गहलोत ने कहा कि इसके लिए हम वित्त मैनेजमेंट करेंगे। कर्मचारियों को पेंशन देंगे। ये हमने फैसला कर लिया है। इसी के साथ गहलोत ने कहा कि 16-17 जनवरी को सरकार का चिंतन शिविर हो रहा है। इसमें सरकार की परफॉर्मेंस का आंकलन करेंगे।

इससे पहले हाथ से हाथ जोड़ो के प्रभारी आरसी खूंटिया और राजस्थान पीसीसी चीफ ने हाथ से हाथ जोड़ो अभियान की जानकारी दी। बैठक में जिलों के प्रभारी पहुंचे। नेताओं ने प्रभारियों को मैसेज दिया कि अगर कांग्रेस को बचाना है तो हाथ से हाथ जोड़ो अभियान में 2 महीने काम करना पड़ेगा। कांग्रेस का हाथ से हाथ जोड़ो अभियान 26 जनवरी से शुरू हो रहा है।

अभियान के प्रभारी आरसी खुंटिया ने बताया कि 26 जनवरी से 26 मार्च तक चलने वाले इस अभियान के दौरान वे खुद और तमाम नेता सिर्फ राजस्थान में ही नहीं रुकेंगे, बल्कि जिला और ब्लॉक स्तर पर जाकर अभियान की जानकारी लेंगे। ऐसे में कोई भी नेता यह नहीं समझे, कि उनकी ओर से किए गए कार्य की जानकारी आगे तक नहीं पहुंचेगी।

'ओल्ड पैंशन...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सरकार राज्य के स्तर पर बिजली की दरें तय नहीं करती हैं।"

अहलूवालिया के मुताबिक, "अगर आप जलवायु परिवर्तन की समस्या को लेकर विचार करें जिसे हमने राष्ट्रीय स्तर पर 2070 तक नेट ज़ीरो का लक्ष्य हासिल करने का इरादा बनाया है, तो इसे हासिल करने के लिए आपको अक्षय ऊर्जा की ओर जाना होगा।"

उन्होंने कहा, "लेकिन राज्य के स्तर पर अगर आप रिन्यूएबल एनर्जी के लिए निवेश लाते हैं और इससे बिजली की क़ीमतें बढ़ती हैं तो क्या आप उपभोक्ताओं पर इसका भार डालेंगे या नहीं?"

अहलूवालिया ने आगे कहा, "या आप तर्क देंगे कि किसानों इससे मुक्त रखना चाहिए या कुछ अन्य लोगों के लिए कम क़ीमत वसूलनी चाहिए... पेंशन स्कीम के मुकाबले ये समस्या बहुत जल्द उभर सकती है।"

आहलुवालिया ने कहा, "इसलिए राजनीतिक स्तर पर अख़बारों आदि में एक नैरेटिव बनाना होगा और जनता को भी सूचना देनी होगी तो लोगों को भी पता होगा कि क्या हो रहा है। अगर ये नहीं होता है तो मुझे नहीं लगता कि इसका कोई आसान हल निकलेगा।"

ऑस्ट्रेलिया में 100 सालों की सबसे भीषण बाढ़

सिडनी, 8 जनवरी। ऑस्ट्रेलिया का किंबरली इलाका 100 साल की सबसे खतरनाक बाढ़ का सामना कर रहा है। किंबरली का क्षेत्रफल ब्रिटेन की तुलना में तीन गुना ज्यादा है लेकिन आबादी कम है। यहां रहने वाले आधे लोग आदिवासी हैं। जो दूर-दूर बने घरों में रहते हैं। इस विशाल क्षेत्र में ट्रॉपिकल साइक्लोन ऐली की वजह से भारी बारिश हुई। इससे कई इलाके चारों तरफ से पानी से घिर गए हैं और सड़कें पानी में डूब गई हैं। बाढ़ से कंगारू भी बड़ी संख्या में प्रभावित हुए हैं। किम्बरली इलाका आस्ट्रेलिया के पश्चिमी भाग में स्थित है। यहां बाढ़ में फंसे सैकड़ों लोगों को मिलिट्री हेलिकॉप्टर्स से एयरलिफ्ट किया गया। ऑस्ट्रेलिया की आपातकालीन सेवाओं के मंत्री स्टीफन डावसन ने कहा कि हर तरफ पानी ही पानी है।

75 प्लस उम्र के लोगों को आई.टी.आर. भरने से छूट मिलेगी

नई दिल्ली, 8 जनवरी। पैंशनभोगी 75 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्गों को आई.टी.आर. भरने के झंझट से मुक्ति देने का केंद्र सरकार का फैसला अमल आ चुका है। यह फैसला 75 साल या इससे ज़्यादा उम्र के उन बुजुर्गों पर लागू हुआ है जिनकी आमदनी सिर्फ पेंशन व ब्याज से है। अगर इनकी आमदनी पर टैक्स बनेगा तो संबंधित बैंक टैक्स काट लेगा। इसके लिए टैक्स रिटर्न भरने की जरूरत नहीं होगी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने साल 2021-22 के बजट भाषण में आजादी के 75 साल होने के मद्देनज़र 75 या इससे ज़्यादा उम्र के बुजुर्गों को टैक्स रिटर्न फाइल नहीं करने की सुविधा देने की घोषणा की थी। अब नया बजट पेश करने से पहले वित्त मंत्रालय एक-एक कर उन घोषणाओं और उन पर अमल की स्थिति के बारे में बता रहा है जो पिछले बजट भाषणों में हुई थीं। सरकार की ओर से एक ट्वीट के माध्यम से बताया गया, आयकर अधिनियम, 1961 में धारा 194-पी शामिल की गई, जो 75 वर्ष से अधिक आयु के उन वरिष्ठ नागरिकों को एफ.आई.आर. दाखिल करने से छूट देती है, जिनके पास केवल पेंशन और ब्याज से अर्जित आय है। निर्दिष्ट बैंकों और प्रासंगिक प्रपत्रों को अधिसूचित किया गया है।

सपा आई.टी. सैल के प्रमुख को यू.पी. पुलिस ने गिरफ्तार किया

सपा के ट्विटर हैंडल से की गई अभद्र टिप्पणियों के मामले में यू.पी. पुलिस ने यह कार्रवाई की है

लखनऊ, 8 जनवरी। उत्तर प्रदेश में प्रमुख विपक्षी पार्टी सपा के आईटी सेल के संचालक को यूपी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। लखनऊ की हजरत गंज पुलिस ने मनीष जगन अग्रवाल को गिरफ्तार कर लिया है। दरअसल इसके पहले समाजवादी पार्टी के ट्विटर हैंडल से की कुछ अभद्र टिप्पणी की गई थी जिसको लेकर हजरतगंज कोतवाली में तीन एफ.आई.आर. दर्ज करवाई गई थी। समाजवादी पार्टी का ट्विटर हैंडल सीतापुर के रहने वाले मनीष जगन अग्रवाल देखते थे जिन्हें एफ.आई.आर. के बाद हजरत गंज पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया।

वहीं इस गिरफ्तारी के बाद सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव लखनऊ पुलिस मुख्यालय पहुंचे हैं। सपा कार्यकर्ताओं ने हंगामा भी किया है। अखिलेश यादव ने पुलिस हेडक्वार्टर पहुंचकर चाय पीने से इनकार कर दिया। अखिलेश यादव ने कहा कि चाय में जहर हो सकता है। आपको बता दें कि 6 जनवरी को भारतीय जनता पार्टी की युवा मोर्चा की सोशल मीडिया इंचार्ज ऋचा राजपूत ने समाजवादी पार्टी के ट्विटर हैंडल से खुद का रेप किए जाने और जान से मारे जाने की धमकी देने को लेकर केस दर्ज करवाया था। इस मामले में सपा के ट्विटर हैंडल को ऑपरेट करने वाले मनीष की गिरफ्तारी हुई है। इस गिरफ्तारी के बाद सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव लखनऊ पुलिस मुख्यालय पहुंच गए हैं।

भाजपा युवा मोर्चा की सोशल मीडिया प्रभारी ऋचा राजपूत ने अपने शिकायत में कहा था, 'मुझे समाजवादी पार्टी के आधिकारिक ट्विटर हैंडल से जान से मेरा रेप करने और मुझे जान से मारने की धमकी दी जा रही है।

'राहुल...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लेकिन राहुल ने अपने दृढ़ संकल्प से यात्रा पूरी की है, इसके लिए उनको बधाई देता हूं।

पीयुष गोयल...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उद्योगों का भ्रमण करेंगे। वह 11 जनवरी को वाशिंगटन में 13वीं व्यापार नीति फोरम की बैठक में हिस्सा लेंगे। प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता से पहले वह यू.एस.टी.आर. की राजदूत कैथरीन टई से भी मुलाकात करेंगे। चार साल के अंतराल के बाद टी.पी.एफ. की 12 मंत्रिस्तरीय बैठक 23 नवंबर 2021 को आयोजित की गयी थी। पिछली मंत्रिस्तरीय बैठक के बाद कार्यकारी समूह को फिर से शुरू किया गया है। गौरतलब है कि टी.पी.एफ. प्लेटफार्म एक ऐसा मंच हैं जहां दोनों देशों के बीच व्यापार और निवेश संबंधों के बीच लगातार बातचीत होती है। टी.पी.एफ. की अध्यक्षता दोनों ही देशों के वाणिज्य एवं व्यापार मंत्री करते हैं। गोयल वाशिंगटन में अमेरिका की वाणिज्य सचिव गिना रेमोंडो के साथ द्विपक्षीय बैठकों में हिस्सा लेंगे।

कश्मीर में रविवार को मुठभेड़ में दो आतंकी मारे गये

जम्मू, 8 जनवरी (वार्ता)। सेना के जवानों ने जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा (एल.ओ.सी.) के पास ऑपरेशन बालाकोट के तहत दो आतंकवादियों का सफाया कर घुसपैठ की कोशिश को नाकाम कर दिया और भारी मात्रा में हथियार तथा गोला-बारूद बरामद किया।

रक्षा मंत्रालय के जम्मू स्थित प्रवक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल देवेंद्र आनंद ने कहा कि 7 जनवरी को शाम सात बजे सतर्क सैनिकों ने पुंछ जिले के बालाकोट सेक्टर में नियंत्रण रेखा के पास घुसपैठ करने की कोशिश कर रहे दो घुसपैठियों की संदिग्ध गतिविधि देखी। उन्होंने कहा इस सैनिकों को सतर्क कर दिया गया और वे क्षेत्र का निरीक्षण करते रहे। लगभग पौने आठ बजे घुसपैठ कर रहे

■ सुरक्षाबलों ने कश्मीर में आतंकियों की बड़ी घुसपैठ को नाकाम किया।

आतंकवादियों ने बारूदी सुरंग से जोरदार धमाका कर दिया।

प्रवक्ता ने कहा इसके बाद शाम सात बजकर 50 मिनट पर सैनिकों ने बाड़ के पास हलचल देखी और आतंकवादियों पर निशाना साधकर उन पर गोलीबारी शुरू कर दी और उनकी घुसपैठ रोकने के लिए घेराबंदी कर दी। साथ ही रात में क्वाडकॉप्टर और अन्य निगरानी उपकरणों को घेराबंदी वाले क्षेत्र पर कड़ी निगरानी रखने के लिए लगाया गया था।

उन्होंने कहा कि सैनिकों ने अगले दिन दो बजे तलाशी अभियान शुरू किया। उन्होंने कहा कि तलाशी बहुत गहन थी क्योंकि यह क्षेत्र न केवल घनी झाड़ियों से भरा हुआ है, बल्कि बारूदी सुरंगो से भरा भी है। उन्होंने कहा कि अब तक की तलाशी में दो शव, हथियार, मैगजीन, गोला-बारूद और अन्य युद्ध सामग्री बरामद की गयी है।

प्रवक्ता ने बताया कि सेना ने अब तक दो मैगजीन और 21 राउंड के साथ एक एके 47 राइफल, एक मॉडिफाइड एके 56 राइफल, एक मैगजीन के साथ एक चाइनीज पिस्टल और पांच राउंड, दो चाइनीज हैंड ग्रेनेड और दो हाई एक्सप्लोसिव आई.ई.डी. और एक मोबाइल फोन बरामद किया है। जबकि तलाशी अभियान जारी है।

'जोशीमठ में हर साल 85 एम.एम. नीचे ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

तत्कालीन मंडलायुक्त महेश चंद्र मिश्रा की अध्यक्षता में तत्कालीन संयुक्त राज्य उत्तर प्रदेश सरकार ने एक कमेटी गठित की। यह कमेटी वर्ष 1970 और उसके बाद अनेक बार अलकनंदा नदी में आई बाढ़ के बाद जोशीमठ और आसपास के क्षेत्र में हुए भूधंसाव और घरों में दरार की घटनाओं के परीक्षण के लिए गठित हुई थी।

डॉक्टर मिश्र के अनुसार, इस कमेटी में लोक निर्माण विभाग, सिंचाई विभाग और तत्कालीन रुड़की इंजीनियरिंग कालेज के विशेषज्ञों, भूविज्ञानियों के अलावा, स्थानीय प्रबुद्धजनों को शामिल किया गया था। उन्होंने जानकारी दी कि उस कमेटी ने जोशीमठ में पानी की निकासी के पुख्ता इंतजाम करने और अलकनंदा नदी से भू कटाव की रोकथाम करने के सुझाव भी दिए थे। उत्तराखण्ड विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य सोमवार को जोशीमठ जायेंगे और आपदाग्रस्त क्षेत्र का दौरा करने के साथ ही पीड़ितों से मिलेंगे। आर्य ने जोशीमठ के हालात के लिये पुनः धामी सरकार पर लापरवाही का आरोप लगाया।

कांग्रेस नेता ने बातचीत में कहा कि धामी सरकार जो आंकड़े बता रही है, हालात उससे बदतर हैं। उससे ज्यादा नुकसान हुआ है। लोग दहशत में जी रहे हैं। उन्होंने सरकार पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि लोग लंबे समय से संघर्ष करते रहे लेकिन सरकार ने ध्यान नहीं दिया। कांग्रेस का एक शिष्टमंडल भी इस मामले को लेकर मुख्यमंत्री धामी से मिला था लेकिन मुख्यमंत्री ने कोई रिस्पांस नहीं दिया।

उन्होंने आगे कहा कि केन्द्रीय योजनाओं को लागू करने से पहले विशेषज्ञों की राय ली जानी चाहिए थी। मानकों का पालन किया जाना चाहिए था। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार खुद परियोजनाओं की समीक्षा की बात कह रही है। उन्होंने माना कि सरकार काफी देर से जागी है और अब इस मामले में काफी विलंब हो गया है।

आर्य ने कहा कि वह कल जोशीमठ जायेंगे और आपदा पीड़ितों का हाल जानेंगे। उन्होंने आगे कहा कि सरकार तत्काल प्रभावी कदम उठाये। उन्होंने मांग की कि आपदा पीड़ितों का तत्काल पुनर्वास किया जाये।

उत्तराखण्ड के चमोली जिला अधिकारी (डी.एम.) हिमांशु खुराना की अगुवाई में अधिकारियों की टीम ने रविवार को जोशीमठ के मारवाड़ी वार्ड में घर घर जाकर भू धंसाव की स्थिति का जायजा लिया। साथ ही, जिन घरों में दरारें मिली है, उन परिवारों को तत्काल शिफ्ट कराने के निर्देश दिए गए हैं।

खुराना ने प्रभावितों के साथ दुःख दर्द बांटते हुए कहा कि दरार वाले भवनों में रहना असुरक्षित है। जिन भवनों में दरारें आ गई है उनको खाली किया जाए। उन्होंने कहा कि प्रशासन द्वारा होटल, होम-स्टे एवं अन्य सुरक्षित स्थानों पर रहने की व्यवस्थाएं की गई है। यहां पर सभी सुविधाएं सुनिश्चित की जा रही है। जो लोग किराए पर जाना चाहते है उन लोगों को चार हजार रुपये प्रतिमाह की दर से छह महीने तक सरकार देगी। उन्होंने लोगों से अपील की है कि किसी भी दशा में असुरक्षित भवनों में ना रहें।

निरीक्षण के दौरान, अपर जिलाधिकारी डॉक्टर अभिषेक त्रिपाठी, संयुक्त मजिस्ट्रेट दीपक सैनी, एस.डी.एम. कुमकुम जोशी एवं संबंधित क्षेत्र के सेक्टर एवं नोडल अधिकारी मौजूद थे। इस बीच देहरादून से प्राप्त रिपोर्ट के मुताबिक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उत्तराखंड के जोशीमठ में भू धंसाव के कारण उत्पन्न स्थिति के बारे में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से फोन पर अद्यतन स्थिति की जानकारी ली। रविवार को यह जानकारी स्वयं धामी ने मीडिया को अनौपचारिक बातचीत में दी। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री ने फोन पर विस्तृत जानकारी ली और पूछा कि कितने लोग इससे प्रभावित हुए हैं, कितना नुकसान हुआ तथा लोगों के विस्थापन के लिए क्या किया जा रहा है।

धामी ने बताया कि प्रधानमंत्री ने जोशीमठ को बचाने के लिए हर संभव सहायता का आश्वासन दिया है।

तेलंगाना ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अनुसार, यह घटना उस समय हुई जब रसायन और अन्य सामग्री ड्रम में डाली जा रही थी। उन्होंने बताया कि तभी अचानक आग लग गई, जिससे सहायक प्रबंधक और दो सहायकों की मौके पर ही मौत हो गई।

पुलिस ने बताया कि मृतक आंध्र प्रदेश, पश्चिम बंगाल और बिहार के रहने वाले थे। शवों को अस्पताल भेज दिया गया है। पुलिस एक मामला दर्ज करके घटना के कारणों की जांच कर रही है।

सलेक्टिव मीडिया, कोटा के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी रोड, कोटा से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा आर.एन.आई. नं. 28446/75, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908